धनबाद
गुरूवार 30.01.2025
मूल्य- ₹ 1.50
वर्ष-30 अंक-336 पृष्ठ- 12
माघ शुक्ल पक्ष-1
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

भेलाटांड़ के करोड़ों के सरकारी भूमि घोटाले का जांच का आदेश दिया डीसी माधवी ने

विधायक मथुरा महतो ने कहा हर्ब इंडिया के भूमि घोटालेबाज राजीव और पंकज कुमार पर करें कार्रवाई

अखबार बिहार ऑबजर्वर के सम्पादक गणेश मिश्रा ने उनके कार्यालय में दोपहर मिलकर इस भूमि घोटाले पर विशेष बातचीत कर जिला प्रशासन द्वारा सरकारी भूमि घोटाला करनेवालों पर क्या कार्रवाई हो रही है इस पर चर्चा की।

धनबाद (कासं) : *जिले के न्यायप्रिय उपायुक्त माधवी मिश्रा ने बालू-कोयला की तस्करी पर रोक लगाने के बाद अब सरकारी भूमि हड़पने वाले और सरकारी भूमि के गलत ढंग से रसीद काटने और दाखिल खारिज करने वाले अधिकारियों के विरूद्ध भी एक बड़ी कार्रवाई करने का आदेश आज जारी किया है।*

झारखण्ड विधानसभा में सत्ताधारी पार्टी के मुख्य सचेतक विधायक मथुरा प्रसाद महतो के लिखित शिकायत पर उपायुक्त माधवी मिश्रा ने गोविन्दपुर अंचल के भेलाटांड़ मौजा के गैर आबाद झारखण्ड सरकार की भूमि जिसका नया खाता नम्बर २७१, प्लॉट नम्बर २२० सरकारी गैर आबाद भूमि नया खाता २७३, प्लॉट नम्बर २२० में फर्जी तरीके से प्लॉट नम्बर और खाता बदलकर ४ एकड़ सरकारी भूमि जिसकी कीमत ५० करोड़ से भी अधिक है। उस सरकारी भूमि पर हर्ब इंडिया के प्रतिनिधि राजीव रंजन उर्फ रवि यादव, पंकज कुमार जो कि नालंदा सेन्टर सरायढेला, कोला कुसमा ओजोन गलेरिया के पास रहते हैं। विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने उपायुक्त को दिए गए सरकारी भूमि महाघोटाले करने वाले भू-माफियाओं द्वारा सैकड़ों लोगों को सरकारी जमीन बेच दिया गया है अवैध ढंग से। विधायक श्री महतो ने उपायुक्त को दिए गए जांच पत्र में कहा है कि जिसमें सरकारी भूमि खरीदे वाले ३८ लोगों के दाखिल खारिज फर्जी तरीके से अंचल कार्यालय गोविन्दपुर के सांठगांठ से करवाया गया है और

38 लोगों को 4 एकड़ सरकारी जमीन 8 लेन में फर्जीवाड़ा कर बेचा भू-माफियाओं ने

सरकारी जमीन फर्जीवाड़ा कर लोगों के साथ ठगी किया गया है।

सरकारी राजस्व का भी नुकसान पहुंचाया गया है। विधायक श्री महतो ने उपायुक्त माधवी मिश्रा को दिए गए ज्ञापन में कहा है कि भू-माफिया एवं हर्ब इंडिया कंपनी के नाम पर सरकारी जमीन बेच कर करोड़ों का घोटाला करने वालों के विरूद्ध उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करने की अनुशंसा करते हुए कहा है कि अविलंब भूमाफियाओं के विरूद्ध कठोर कार्रवाई शुरू करें। विधायक मथुरा महतो ने अपने पत्रांक २००/२०-२५ दिनांक २२.१.२५ को भेजा था।

इस मामले पर धनबाद के उपायुक्त माधवी मिश्रा से दैनिक भूमि घोटाला करनेवालों पर क्या कार्रवाई हो रही है इस पर चर्चा की। उपायुक्त माधवी मिश्रा ने कहा सरकारी भूमि घोटाला करनेवालों को प्रशासन बख्शेगा नहीं। उन्होंने कहा कि विधायक मथुरा प्रसाद महतो के जांच की मांग पर कार्रवाई करने का आदेश अधिकारियों को दिया गया है। उपायुक्त माधवी मिश्रा ने कहा कि जिन लोगों ने सरकारी जमीन की फर्जीवाड़ा कर कागज बनवाया है और उस पर अवैध दखल जमा रखा है। वैसे अतिक्रमणकारियों को पुलिस और प्रशासन को हटाने का आदेश दिया जाएगा। उपायुक्त माधवी मिश्रा के इस आदेश के बाद भू-माफियाओं में हड़कम्प मच गया है। जांच का मामला यह भी है कि एनजीडीआरएस में गोविन्दपुर मौजा के सरकारी गैर आबाद पुराना खाता नम्बर ८९ और अन्य कई प्लॉटों पर रजिस्ट्री पर रोक है। फिर कैसे हुई रजिस्ट्री फिर कैसे हुआ दाखिल खारिज यह भी जांच का मामला है। पूर्व में भी इस मामले पर धनबाद के अपर समाहर्ता बिरेन्द्र कुमार ने अपने पत्रांक ६१९ दिनांक २६.२.२०२४ में रमेश कुमार राही के शिकायत पर जांच रिपोर्ट भूमि उप समाहर्ता से मांगी थी लेकिन भू-माफियाओं ने उस जांच को भी ठंडे बस्ते में दबा दिया या भ्रष्टाचार का खेल हुआ यह भी सामने आएगा।

निर्माण कार्य में जीएसटी दर 12% से बढ़ाकर 18% की गयी

हेमंत कैबिनेट की बैठक में लगी इन 6 प्रस्तावों पर मुहर

रांची (एजेंसी): मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में २९ जनवरी को आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में निर्णय लिया गया कि निर्माण कार्य श्रेणी की जीएसटी दर में १२.००% के स्थान पर १८.००% की वृद्धि होगी। इस परिप्रेक्ष्य में नगर विकास एवं आवास विभाग अंतर्गत कार्य संविदाओं में भुगतान/अंतर राशि देयता के लिए प्रक्रिया निर्धारण की स्वीकृति दी गई।

लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय : १. झारखण्ड उच्च न्यायालय अन्तर्गत दायर वाद संख्या-डब्ल्यूपीएस ७७७/२०२३, राज कुमार राम बनाम झारखण्ड सरकार एवं अन्य तथा उक्त से उद्भूत अवमाननावाद संख्या-जारी (सी) १९०/२०२४ राज कुमार राम बनाम झारखण्ड सरकार एवं अन्य के क्रम में राज कुमार राम, सेवानिवृत पदचर की सेवा नियमित एवं सम्पुष्ट किये जाने एवं अनुमान्य वित्तीय लाभ दिए जाने की स्वीकृति दी गई।

२. झारखण्ड उच्च न्यायालय में दायर वाद डब्ल्यूपी (एस)-७०८१/२०२३ विजय कुमार ठाकुर बनाम झारखण्ड राज्य एवं अन्य के आलोक में विजय कुमार ठाकुर, सेवानिवृत्त (दिनांक-३०.०४.२४ को), बरीय अनुदेशक (तदर्थ रूप से नियुक्त), हस्तशिल्प संसाधन-सह-विकास केन्द्र, जमशेदपुर की सेवा नियमित करते हुए पेंशनादि लाभों की स्वीकृति दी गई। ३. निर्माण कार्य श्रेणी की वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दर में वृद्धि (यथा १२.००% के स्थान पर १८.००%) के परिप्रेक्ष्य में नगर विकास एवं आवास विभाग अंतर्गत कार्य संविदाओं में भुगतान/अंतर राशि देयता हेतु प्रक्रिया निर्धारण की स्वीकृति दी गई। ४. मतियस विजय टोप्पो, झाप्रसे (कोटि क्रमांक-८६३/०३), तत्कालीन विशेष विनियमन पदाधिकारी, रांची, सम्प्रति-निदेशक, लेखा प्रशासन एवं स्वनियोजन, जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, हजारीबाग को सेवा से बर्खास्त करने संबंधित प्रस्ताव पर स्वीकृति दी गई। ▶▶ 8

दक्षिण सूडान के यूनिटी राज्य में छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त, 20 लोगों की मौत

नई दिल्ली (ईएमएस): दक्षिण सूडान के यूनिटी राज्य में आज बुधवार सुबह एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसमें २० लोगों की मौत हो गई। यह विमान यूनिटी ऑयलफील्ड एयरपोर्ट से उड़ान भरकर राजधानी जुबा जा रहा था तभी यह हादसा हुआ।

यूनिटी राज्य के सूचना मंत्री गटवेच बिपाल ने इस दुर्घटना की पुष्टि की। इस विमान में तेल क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारी सवार थे जो ग्रेटर पायनियर ऑपरेटिंग कंपनी से जुड़े थे। यह कंपनी चाइना नेशनल पेट्रोलियम कॉरपोरेशन और नाइल पेट्रोलियम कॉरपोरेशन के साथ मिलकर काम करती है। मृतकों में दो चीनी नागरिक और एक भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। पहले १८ लोगों की मौत की खबर आई लेकिन बाद में बिपाल ने पुष्टि की कि दो घायल यात्रियों की भी मौत हो गई जिससे कुल मृतकों की संख्या बढ़कर २० हो गई।

हालांकि, एक व्यक्ति इस दुर्घटना में जीवित बच गया। फिलहाल, दुर्घटना के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। दक्षिण सूडान में पिछले कुछ वर्षों में कई हवाई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। साल २०१८ में, जुबा से यिरोल जा रहा एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया ▶▶ 8

महाकुंभ भगदड़ में 30 श्रद्धालुओं की मौत

भगदड़ में महिलाएं नीचे गिरीं, भीड़ कुचलती चली गई, पांटून पुल बंद थे तो जान बचाने कूदे लोग

प्रयागराज (ईएमएस): प्रयागराज के संगम तट पर मंगलवार-बुधवार की रात करीब डेढ़ बजे भगदड़ मच गई। महाकुंभ मेला क्षेत्र के डीआईजी वैभव कृष्ण ने बताया कि महाकुंभ में हुई भगदड़ में ३० लोगों की मौत हुई है। ९० लोगों को अस्पताल लया गया। जिसमें से ३० लोगों ने दम तोड़ दिया, इनमें से २५ लोगों की शिनाख्त हो गई है। जिसमें कर्नाटक के चार, गुजरात के एक श्रद्धालु की मौत हुई है। ६० लोग घायल हैं। बैरिकेड्स टूटने की वजह से भगदड़ हुई। भगदड़ की शुरुआत हुई तो कुछ महिलाएं जमीन पर गिर गईं। लोग उन्हें कुचलते हुए निकल गए। जब भीड़ हटी तो लोग लाशों के बीच अपनों को तलाशते रहे। चारों ओर रोने-चीखने की आवाजें आ रही थीं। दरअसल, अमृत स्नान के पहले ज्यादातर पांटून पुल बंद कर दिए गए थे। ऐसे में लोग जान बचाने के लिए पुल से कूदने लगे। घायलों को जद्दोजहद के बाद अस्पताल पहुंचाया गया। कई मृतकों के शव जमीन पर पड़े रहे।

पीएम मोदी ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने लोगों से संयम बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा-श्रद्धालु संगम पर ही स्नान करने की न सोचें। गंगा हर जगह पवित्र है, वे जहां हैं उसी तट पर स्नान करें। उधर, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि बीआईपी कल्चर और सरकार की बदइंतजामी के कारण भगदड़ मची है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा- महाकुंभ को सेना के हवाले कर देना चाहिए। भारी भीड़ को देखते हुए प्रयागराज में एंट्री करने वाले ८ पॉइंट-भदोही, चित्रकूट, कौशांबी, फतेहपुर, प्रतापगढ़, जौनपुर, मिजापुर बॉर्डर को बंद कर दिया गया है। पूरे मेला क्षेत्र को नो-व्हीकल जोन घोषित कर दिया है। सभी व्हीकल पास रद्द कर दिए गए हैं। यानी मेले में एक भी गाड़ी नहीं चलेगी। रास्ते को वन-वे कर दिया गया है। एक रास्ते से आए श्रद्धालुओं को स्नान के बाद दूसरे रास्ते से भेजा जा रहा है। शहर में चार पहिया वाहनों की एंट्री पर रोक लगा दी गई है। मेला क्षेत्र में यह व्यवस्था ४ फरवरी ▶▶ 8

महाकुंभ भगदड़ पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जताया दुख

नई दिल्ली (ईएमएस): राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उत्तर प्रदेश के प्रयागराज महाकुंभ में हुए हादसे पर गहरी संवेदना जाहिर की है। साथ ही राष्ट्रपति मुर्मू ने हादसे में जान गंवाने वाले परिवार वालों के प्रति संवेदना जताकर घायलों के जल्द से जल्द ठीक होने की कामना की।

राष्ट्रपति मुर्मू के कार्यालय ने पोस्ट पर लिखा,प्रयागराज महाकुंभ में भगदड़ की घटना अत्यंत दुखद है। मैं हताहत हुए श्रद्धालुओं के परिवारजनों के प्रति शोक-संवेदना व्यक्त करती हूं और ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि घायल हुए सभी श्रद्धालु शीघ्र ही स्वस्थ हों।

वहीं केंद्रीय मंत्री रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी महाकुंभ में हुए हादसे पर दुख जताया।

अब मेडिकल के एडमिशन में नहीं मिलेगा मूल निवासी वाला आरक्षण:सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट ने देशभर के मेडिकल कॉलेज में एडमिशन के लिए जारी आरक्षण व्यवस्था पर बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि मेडिकल कॉलेजों में पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स में डोमिसाइल के आधार पर आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा। कोर्ट ने इसे असंवैधानिक माना है। कोर्ट मे कहा कि राज्य कोटे के भीतर पीजी चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए निवास-आधारित आरक्षण असंवैधानिक है क्योंकि यह अनुच्छेद १४ के तहत समानता के अधिकार का उल्लंघन करता है। सुप्रीम कोर्ट में तीन जजों की बेंच ने यह फैसला सुनाया है। इस बेंच में जस्टिस हृषिकेश रॉय, सुधांशु ▶▶ 8

सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दो माओवादी नक्सली मारे गए

चाईबासा (ईएमएस): झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के सोनुआ थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह पुलिस एवं सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दो माओवादी नक्सली मारे गए हैं। इसमें एक महिला नक्सली भी शामिल है। मुठभेड़ के बाद सर्च ऑपरेशन के दौरान नक्सलियों के कुछ हथियार और सामान बरामद किए हैं। पुलिस ने मुठभेड़ में दो नक्सलियों के मारे जाने की पुष्टि की है। इसके बाद पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है। मारे गए नक्सलियों की पहचान फिलहाल पुलिस ने आधिकारिक तौर पर उजागर नहीं की है, लेकिन इनमें से एक भाकपा माओवादी नक्सली संगठन का जोनल कमांडर संजय गंझू बताया जा रहा है।

बताया गया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि नक्सलियों के हथियारबंद दस्ते ने सोनुआ थाना क्षेत्र के जंगल में कैंप कर रखा है और किसी बड़ी घटना को अंजाम देने में जुटे हुए है। सूचना के आधार पर जिला पुलिस बल एवं सीआरपीएफ ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन शुरू किया। इस दौरान नक्सलियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी। जवाब में सुरक्षा बलों ने भी मोर्चा लेकर फायरिंग की। इस दौरान गोली लगने

से दो नक्सलियों की मौत हो गई। बाकी नक्सली घने जंगलों में भागने में सफल रहे। इसके पहले २२ जनवरी को बोकारो जिले में पुलिस और सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में एक पुरुष और एक महिला नक्सली मारे गए थे। मारे गए नक्सलियों की पहचान शांति और मनोज बास्के के रूप में हुई थी। शांति गिरिडीह जिले के खुखरा थाना क्षेत्र अंतर्गत धावाटांड गांव की रहने वाली थी। सीपीआई माओवादी नक्सली संगठन में शांति का ओहदा एरिया कमांडर का था। इस मुठभेड़ में मारा गया दूसरा नक्सली मनोज भी इसी जिले के पीरटांड़ थाना क्षेत्र का निवासी था।

श्री सिद्धिविनायक मंदिर में ड्रेस कोड लागू

मुंबई (ईएमएस): मुंबई के प्रसिद्ध श्री सिद्धिविनायक मंदिर के मैनेजमेंट ने मंदिर में आने वालों के लिए ड्रेस कोड तय किया है। स्कर्ट या रिवीलिंग ड्रेस (खुले कपड़े) पहनकर आने वालों को मंदिर में एंट्री नहीं दी जाएगी। नया नियम अगले हफ्ते से लागू होगा। श्री सिद्धिविनायक गणपति मंदिर ट्रस्ट ने कहा कि मंदिर आने वालों को सभ्य और शरीर को ढकने वाले कपड़े पहनने होंगे। ऐसा नहीं करने पर श्रद्धालुओं को प्रभादेवी एरिया में एंट्री की परमिशन नहीं होगी। ट्रस्ट ने कहा कि मंदिर में देशभर से हर रोज हजारों श्रद्धालु आते हैं। कई लोग कपड़ों को लेकर शिकायत करते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि पूजास्थल में छोटे कपड़े पहनकर आना अपमानजनक है।

रूस के बनाए चक्रव्यूह में फंसा अमेरिका, किम जोंग ने भी ट्रंप को दे दिया धोखा

नई दिल्ली (ईएमएस): डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत कई कार्यकारी आदेशों के साथ की, जिसमें विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से बाहर निकलने का आदेश भी शामिल है। चीन के बढ़ते प्रभाव, चल रहे युद्ध और वैश्विक अर्थव्यवस्था में चीन और अमेरिका की महत्वपूर्ण भूमिका के बीच, ट्रंप को बदली हुई गठबंधनों की दुनिया का सामना करना पड़ रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह के भाषण पर टिप्पणी करते हुए, अमेरिकन एंटरप्राइज इंस्टीट्यूट

के वरिष्ठ साथी जैक कूपर ने कहा कि उन्हें लगता है कि ट्रंप की टीम चीन से देशों को अलग करने की कोशिश करेगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ना चाहते हुए भी ऐसी मुसीबत में फंस गए हैं, जिससे निकलना उनके लिए कहीं से भी मुमकिन नहीं है। ट्रंप जिस रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन को अपना दोस्त बताते हैं, वही उनके खिलाफ जाल बुनने में लगे हैं।

नई जमीनी हकीकत यह है कि पिछले कुछ वर्षों में, वॉशिंगटन के दो प्रमुख प्रतिद्वंद्वी, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, ने एक सीमाहीन साझेदारी बनाई है, और बीजिंग ने रूस को यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई जारी रखने के लिए समर्थन दिया है। दिलचस्प बात यह है कि ट्रंप ने शपथ ग्रहण समारोह पूरा भी नहीं किया था कि शी और पुतिन ने एक लंबी फोन कॉल की, जिसमें उन्होंने अपनी रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने का प्रस्ताव रखा था, जैसा कि रॉयटर्स ने २१ जनवरी को रिपोर्ट किया। रूस ने जून २०२४ में उत्तर कोरिया के साथ और लगभग एक हफ्ते पहले ईरान के साथ भी रणनीतिक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस तरह, एक अनौपचारिक गठबंधन आकार ले रहा है जो वॉशिंगटन के किसी भी कदम का मुकाबला कर सके जो उनके हितों को नुकसान पहुंचा सकता है। गौरतलब है कि पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के चीन में राजदूत ने इसे ▶▶ 8

पुण्य स्मृति

30 जनवरी 1989

स्व. माँ श्रीमती प्रभावती देवी अग्रवाल की 36 वीं पुण्य-स्मृति पर उनकी महान आत्मा की शांति के लिए हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं।

राजेन्द्र कुमार अग्रवाल (पुत्र)
एवं समस्त परिवार

परिवहन कार्यालय से निकली मोटरसाइकिल रैली

धनबाद (कासं) : राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से मंगलवार को परिवहन कार्यालय से मोटरसाइकिल रैली निकाली गई। रैली को जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर सी द्विवेदी, ट्राफिक डीएसपी अरविंद कुमार सिंह तथा आरसीडी के कार्यपालक अभियंता मिथिलेश प्रसाद ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली परिवहन कार्यालय से लुबी सर्कुलर रोड होते हुए पूजा टॉकिज, डीआरएम चौक, कोर्ट मोड़, रणधीर वर्मा चौक से परिवहन कार्यालय पहुंची। रैली को रवाना करने के बाद जिला परिवहन पदाधिकारी ने कहा कि सड़क पर पैदल, टू व्हीलर या चार पहिया वाहन से चलने वाले लोगों को यातायात नियमों का पालन करने का संदेश रैली के माध्यम से दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि यातायात विभाग एवं ट्रैफिक विभाग द्वारा नियमित रूप से ऐसा अभियान चलाया जा रहा है। इस अवसर पर ट्रैफिक डीएसपी ने कहा कि विगत एक माह से चलने वाले जागरुकता अभियान का प्रभाव लोगों पर पड़ा है। परिणामस्वरूप लोग जागरुक हो रहे हैं। जिन वाहन चालकों पर राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का प्रभाव नहीं पड़ा है उनके विरुद्ध अब दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

मौके पर आरसीडी के सहायक अभियंता पंकज कुमार, ओम प्रकाश, कनीय अभियंता अनिल कुमार, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक सुनील कुमार, एमवीआई हरीश कुमार, शुभम कुमार, रोड इंजिनियरिंग एनालिस्ट अमरेश कुमार, आईटी देवेंद्र कुमार एवं यातायात पुलिस कर्मी मौजूद थे।

जरूरतमंदो के बीच कंबल वितरित

कतरास (ससे) : मौनी अमावस्या के शुभ अवसर पर जोगता नागरिक समिति ने जरुरतमंदों के बीच कंबल वितरण का कार्य किया ,जिसमें मुख्य रूप से पुर्व वियाडा के चेयरमैन विजय कुमार झा, जोगता थाना प्रभारी योगेन्द्र कुमार, जोगता नागरिक समिति अध्यक्ष अनुज कुमार सिन्हा, पूर्व पार्षद जसीम अन्सारी शंकर चौहान, मीता सिंह, सुशीला देवी,ने जरूरत मंदों के बीच कंबल वितरण किया गया। जिसमें मुख्य रूप से जोगता नागरिक समिति के सदस्य असगर मियां, हसीब खान, एस के मोबीन, मंगल चौहान, निर्मल कुमार निषाद, श्री धर पान्डे, मन्नु महतो, अजय चौहान, मुसर्त खातुन, खुर्शीदा खातुन, संतोष पासवान, बिन्वा देवी, शांति देवी आदि लोग उपस्थित थे।

50 सर्वश्रेष्ठ कंपनियों की सूची में शामिल हुई कोल इंडिया

धनबाद (कासं) : कोल इंडिया लिमिटेड को भारत के शीर्ष ५० सर्वश्रेष्ठ कार्यस्थलों में शामिल होने का गौरव हासिल हुआ है। नामचीन संस्था ग्रेट प्लेस टू वर्क द्वारा २०२५ में विनिर्माण क्षेत्र की ३४७ संस्थाओं की कार्यपद्धति के व्यापक सर्वे के पश्चात कोल इंडिया लिमिटेड को इस सम्मान से नवाजा गया है। यह प्रतिष्ठित मान्यता अपने कर्मियों के लिए एक सहायक और सशक्त वातावरण प्रदान करते हुए विश्वास, गर्व और सौहार्द की संस्कृति को विकसित करने की कोल इंडिया की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

गौरतलब है कि एक समावेशी और टिकाऊ संगठन बनाने की प्रतिबद्धता के लिए कोल इंडिया को पहले ही ग्रेट प्लेस टू वर्क की मान्यता मिल चुकी है। कोल इंडिया भारत सरकार के कोयला मंत्रालय के अंतर्गत एक महारत्न कंपनी है। दुनिया की सबसे बड़ी कोयला उत्पादक कंपनी के रूप में कोल इंडिया भारत की ८० प्रतिशत से अधिक घरेलू कोयला मांग को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। परिचालन उत्कृष्टता, कर्मचारी कल्याण और पर्यावरणीय स्थिरता को मजबूती से आगे बढ़ाते हुए, कोल इंडिया भारत के ऊर्जा क्षेत्र और आर्थिक विकास में एक अग्रणी संस्थान की भूमिका निभा रही है।

इनर व्हील क्लब ने मनाया समाचार पत्र दिवस

धनबाद (कासं) : बुधवार को धनबाद इनर व्हील क्लब ऑफ़ धनबाद ने भारतीय समाचार पत्र दिवस पर सभी समाचार पत्रों को पढ़ने की आदत को प्रोत्साहित करने, सामाजिक- राजनीतिक मामलों से पाठकों को अवगत कराने और निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए जो भारत के लोकतंत्र की मजबूती में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने, इन सभी महत्वपूर्ण योगदानों के लिए देश के सभी समाचार पत्रों को बधाई व धन्यवाद देकर सेलिब्रेट किया। इनर व्हील क्लब की पदाधिकारी रेनू कौशल ने बताया कि आज हम स्वतंत्रता के पूर्व १७८० में पहले समाचार पत्र हिक्कीस बंगाल गजट के प्रकाशन की स्मृति में इंडियन न्यूज़पेपर डे मना रहे हैं। इसी साप्ताहिक अखबार ने पत्रकारिता के नए युग की शुरुआत की।

कार्यक्रम में क्लब के सभी सदस्याओं ने समाज के प्रति समाचार पत्रों की जिम्मेदारी को अहम बताते हुए प्रेस की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा की। दैनिक जीवन में समाचार पत्र के योगदान की सराहना की गयी। प्रेस प्रतिनिधियों को शॉल, पौधे एवं स्मृतिचिन्ह से सम्मानित किया गया। इनर व्हील क्लब धनबाद माइल्स्टोन की सदस्याओं ने बताया कि प्रतिवर्ष नेशनल न्यूज़पेपर डे का आयोजन इनर व्हील क्लब द्वारा किया जाता है। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष लीना झा, सचिव तु श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष रेनू कौशल, एडिटर गीता चौबे, ऊषा सिंह, मनीषा गांधी आदि सदस्याओं ने भाग लिया।

आउटसोर्सिंग कंपनी की मनमानी से हो रही दुर्घटनाएं

धनबाद (कासं) : कोयलांचल में आउटसोर्सिंग कंपनी की मनमानी के कारण आए दिन घटनाएं होती रहती है। हाल ही बाघमारा में हिलटॉप आउटसोर्सिंग में हिंसक झड़प इसका ताजा उदाहरण है। बावजूद इसके बीसीसीएल के अधीन चलने वाली आउटसोर्सिंग कंपनियों की कार्यशैली में सुधार नहीं हो पा रहा हैं। ताजा मामला बीसीसीएल की पुटकी बलिहारी में काम कर रही आउटसोर्सिंग कंपनी ईगल दीप का है। दरअसल, कंपनी बलिहारी में बाउंड्री का काम कराने पहुंची थी, जिसका ग्रामीणों ने जमकर विरोध किया। ग्रामीण पिछले एक सप्ताह से कंपनी में नियोजन की मांग कर रहे हैं। ग्रामीण पहले से ही अड़े थे कि जबतक कंपनी उन्हें नियोजन नहीं देती तबतक काम नहीं करने देंगे। ग्रामीणों की मांगों का बिना समाधान किए ही कंपनी अपने गुर्गों के साथ काम कराने पहुंच गई, जिसका स्थानीय ग्रामीणों ने जमकर विरोध किया।

इस दौरान कंपनी के लोगों के साथ ग्रामीणों की धक्कामुक्की और नोंकझोंक भी हुई। ग्रामीणों के विरोध और हंगामा की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस की कड़ी मशक्कत के बाद हंगामा शांत हुआ। इसके बाद ग्रामीणों को वार्ता के लिए पुटकी थाना बुलाया गया। महिलाएं थाना के बाहर बैठी रही। जहां सीओ, पुलिस, कंपनी प्रबंधन और ग्रामीणों की वार्ता हुई। ग्रामीणों का कहना है कि पूर्व में भी कई बार अरलगाड़िया के रैयत जमीन के बदले मुआवजा व नियोजन की मांग कर चुके हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि उनलोगों से बिना बात किए ईगल कंपनी ने बाउंड्री का काम शुरू कर दिया था। ग्रामीण ने यह भी बताया कि पूर्व में पीबी एरिया में संचालित ईगल कंपनी मुख्य द्वार पर नियोजन सहित कई मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरना दिया था।

धरना के ८वें दिन प्रबंधक द्वारा नियोजन को लेकर लिखित आश्वासन दिया गया था। वार्ता में नियोजन को लेकर सहमति बनी है। तत्काल ५ लोगों को नियोजन कंपनी देगी, उसके बाद धीरेधीरे लोगों की संख्या बढ़ाएगी। प्रबंधन के साथ ग्रामीणों की सकारात्मक बातचीत हुई। बातचीत में कंपनी को काम करने देने की सहमति बनी। साथ ही कंपनी द्वारा ५ लोगों को नियोजन देने की भी सहमति के लिए ग्रामीण राजी हुए हैं।

पत्रकारिता दिवस पर परिचर्चा का आयोजन

जोड़ापोखर (ससे) : बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय के मॉस कम्युनिकेशन विभाग द्वारा भारतीय समाचार पत्र की स्थापना दिवस पर भारतीय पत्रकारिता पर विशेष सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें २९ जनवरी १७८० से अखबार की शुरुआत से अब तक में पत्रकारिता, अखबार एवं मीडिया उद्योग में विकास के विषय पर चर्चा परिचर्चा की गई। सत्र में विभाग के कई विद्यार्थियों ने भारत में पत्रकारिता की शुरुआत से लेकर अब तक पत्रकारिता का विकास के विषय पर अपनीअपनी प्रस्तुति दी। विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ जितेंद्र आर्यन ने जेम्स ऑगस्टस हिक्की के अखबार की डिजिटल प्रति विद्यार्थियों को दिखाकर इस पर चर्चा की। वहीं विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ विकास चंद्रा एवं हर्षित कच्छप ने १७८० से लेकर अब तक में पत्रकारिता के विकास के घटनाक्रम का जिक्र विद्यार्थियों के बीच किया। ज्ञात हो कि आज ही के दिन २९ जनवरी १७८० को जेम्स ऑगस्टस हिक्की द्वारा भारत में अखबार की शुरुआत मानी जाती है। २९ जनवरी भारतीय पत्रकारिता एवं मीडिया उद्योग के लिए बहुत अहम माना जाता है। मौके पर वसीम, दुलाल, विजय, शिवानी, बजरंग, बहादुर, शौरभ, युधिष्ठिर, राज, आद्या, आनंद, अमित, शारमीन, सिमरन आदि उपस्थित हुए।

कॉमर्स प्रदर्शनी में छात्रछात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

धनबाद (कासं) : बुधवार को गुरु नानक कॉलेज में वाणिज्य विभाग की ओर से द कॉमर्स एग्जीबिशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बीकॉम सेमेस्टर १, ३ एवं ५ के १२० छात्रछात्राओं ने वाणिज्य के विभिन्न विषयों पर मॉडल्स की प्रदर्शनी लगाई। कार्यक्रम के चीफ गेस्ट (मुख्य अतिथि) आईआईटीआईएसएम डिपार्टमेंट ऑफ मैनेजमेंट के विभाग प्रमुख संदीप मंडल थे। जिन्होंने अपने संबोधन में छात्र छात्राओं की रचनात्मकता की खूब प्रशंसा की। कॉलेज प्राचार्य डॉ संजय प्रसाद ने स्वागत भाषण देते हुए वाणिज्य विभाग को बधाई दी और कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से छात्र छात्राओं की प्रतिभाओं को प्लैटफॉर्म मिलता है।

विद्यार्थियों ने भारतीय अर्थव्यवस्था, प्रबंधन के कार्य, प्रोडक्ट लाइफ साइकिल, मुद्रा का विकास, ऑनलाइन बैंकिंग, बाजार के प्रकार, जीएसटी, इनकम टैक्स, ईकॉमर्स आदि विषयों पर मॉडल्स तैयार किए। प्रतिभागियों में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान को प्राचार्य द्वारा पुरस्कृत किया गया।

झारखंड में होगा एक और उलगुलान : वालिया

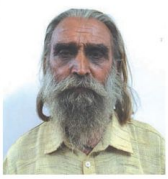

धनबाद (कासं) : बुधवार को झामुमो (यू) के धनबाद महानगर कमिटी के सदस्यों की बैठक सरायढ़ेला के शिव मंदिर प्रांगण में हुई, जिसकी अध्यक्षता धनबाद महानगर अध्यक्ष जेपी वालिया ने की। बैठक में पार्टी के जिला अध्यक्ष मनीलाल महतो समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद थे। बैठक में प्रत्येक वर्ष की भांति इस साल भी सरायढेला मैदान में झामुमो मार्डी गुट का स्थापना दिवस धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया। स्थापना दिवस का कार्यक्रम ४ फरवरी की दोपहर से आरंभ होगा, जो शाम सात बजे तक चलेगा। इस कार्यक्रम में बोकारो, गिरिडीह, हजारीबाग, गोविंदपुर, देवघर, जामताड़ा, रामगढ़ एवं आस पास क्षेत्र के हजारों समर्थक उपस्थित रहेंगे। साथ ही इस मौके पर शहर में विशाल रैली का भी आयोजन किया गया है। बैठक में मार्डी गुट के गणपत महतो, खेदन महतो, बेनी लाल महतो, कृष्णा थापा, सुरेश महतो, मो. युसूफ, मनी लाल महतो, मो. इकबाल, हरी महतो, ध्रुव महतो, विष्णु महतो, रामनाथ सोरेन तथा मो. मस्तान आदि कार्यकर्ता व पार्टी पदाधिकारी मौजूद थे। जेपी वालिया ने कहा कि झारखंड में एक और उलगुलान की शुरुआत होगी।

मृत कर्मियों के आश्रितों ने दी आत्मदाह की धमकी

धनबाद (कासं) : झारखंड मिनरल एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (झमाडा) के दिवंगत कर्मियों के आश्रितों द्वारा अनुकंपा के आधार पर नौकरी की मांग को लेकर पिछले तीन वर्षों से आंदोलन जारी है। बुधवार को स्थिति गंभीर हो गई जब आश्रितों ने झामाडा कार्यालय के सामने आत्मदाह करने का प्रयास किया। इससे पहले उन्होंने प्रशासन को चेतावनी दी थी, जिससे अधिकारी सतर्क हो गए थे। आत्मदाह की चेतावनी को देखते हुए प्रशासन ने कार्यालय के बाहर मजिस्ट्रेट की तैनाती की और भारी संख्या में पुलिस बल भी मौजूद रहा।

किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए १०८ एंबुलेंस और दमकल वाहन भी तैनात किए गए। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि वे जब तक नौकरी का स्पष्ट आश्वासन नहीं पा लेते, तब तक पीछे नहीं हटेंगे। स्थिति बिगड़ने से रोकने के लिए धनबाद थाना प्रभारी भी मौके पर पहुंचे और आंदोलनकारियों को शांत कराने का प्रयास किया। लगभग एक घंटे तक समझाने बुझाने के बाद प्रदर्शनकारी झमाडा के एमडी से वार्ता के लिए सहमत हुए। इसके बाद झमाडा कार्यालय में एमडी और आंदोलनकारियों के बीच बैठक हुई, जिसमें मजिस्ट्रेट रामनारायण, सचिव प्रकाश कुमार सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। एमडी ने आंदोलनकारियों को आश्वासन दिया कि विभाग को चार दिनों के भीतर पत्र भेजकर मार्गदर्शन मांगा जाएगा। लेकिन आंदोलनकारी तत्काल पत्र भेजने की मांग पर अड़े रहे और इस आश्वासन से असंतुष्ट नजर आए।

झमाडा के एचडी रविराज शर्मा ने बताया कि विभाग को पत्र भेजकर निर्देश मांगे गए हैं और आंदोलनकारियों से ४ फरवरी तक का समय देने की अपील की गई है। हालांकि, आंदोलनकारी इस प्रस्ताव से सहमत नहीं हुए और अपनी मांगों पर अड़े रहे। स्थिति को देखते हुए यह स्पष्ट है कि झमाडा प्रबंधन और प्रशासन के लिए यह मामला चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। अब देखना होगा कि अगले कुछ दिनों में कोई ठोस समाधान निकलता है या आंदोलन और तेज होगा।

जीतपुर कोलियरी को बंद नहीं होने देंगे : पार्षद

जोड़ापोखर (ससे) : वार्ड ३८ के पार्षद जय कुमार ने केंद्रीय इस्पात मंत्री एचडी कुमार स्वामी को लिखित आवेदन देकर जीतपुर कोलियरी को चालू करने की मांग की है। जय कुमार ने कहा कि जीतपुर कोलियरी को किसी भी कीमत पर बंद होने नहीं दिया जायेगा। मैनेजमेंट शुरू से जीतपुर कोलियरी को बंद करना चाहती है। पहले पर्यावरण स्वीकृति को लेकर उत्पादन ठप कर रखा था। अब पानी का रिसाव को लेकर कोलियरी बंद करना चाहती है। नौकरी सेल के अधिकारी की नहीं ठेका मजदूरों की गई, जबकि उत्पादन में ९० प्रतिशत योगदान ठेका मजदूरों का रहा है। ठेका मजदूर के परिवार मुखमरी के कगार पर आ गए है। दर्जनों मजदूर को काम नहीं मिलने के कारण यहाँ से पलायन कर रहे है। जय कुमार ने सत्ता पक्ष सत्ता विपक्ष दोनों से कोलियरी चालू करने को लेकर अपील की है। तभी कोलियरी चालू होगा। जय कुमार ने कहा जीतपुर कोलियरी को किसी भी कीमत पर बंद नहीं होने देंगे। जनता के साथ अंतिम लड़ाई तक लड़ेंगे। जय कुमार ने मजदूरों से अपील की है कि वो पलायन ना करे अपना हक लेकर रहेंगे। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा है कि मैनेजमेंट की लापरवाही के कारण ही कोलियरी बंद हुआ है। ये जांच का विषय है। कोलियरी को बंद करने से पहले उच्च स्तरीय जाँच होनी चाहिए थी।

आउटसोर्सिंग से हो रही ओबीआर पत्थरों की तस्करी

कतरास (ससे) : डीजीएमएस का रिपोर्ट के अनुसार आउटसोर्सिंग कंपनी को सेफ्टी पर विशेष ध्यान देना है लेकिन अवैध तरीके से ट्रैक्टर में पथर लोड कर लगातार आते जाते देखा जाता है। कंपनी के लोग देखकर नजर अंदाज कर देते हैं ऐसे में सेफ्टी का ख्याल कितना हो रहा है यह सोचने को विवश है लोग, जो कतरास थाना क्षेत्र अंतर्गत बीसीसीएल एरिया ३ के छाताबाद कैलूडीह में संचालित एसटीजी डेको आउटसोर्सिंग कंपनी से हर रोज तकरीबन सैकड़ों ट्रैक्टर ओबीआर पत्थरों की तस्करी की जा रही है। हैरानी की बात यह है कि स्थानीय पुलिस और सीआईएसएफ के सामने पत्थरों की तस्करी हो रही है लेकिन पुलिस और सीआईएसएफ कोई कार्रवाई करना उचित नहीं समझती है।

विश्वसनीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पत्थर माफिया सीआईएसएफ व स्थानीय पुलिस के भ्रष्ट अधिकारियों एवं आउटसोर्सिंग कंपनी के एक भ्रष्ट अधिकारी को विटामिन एम का मोटा चढ़ावा चढ़ाकर ओबीआर पत्थरों की तस्करी कर रहे हैं। अवैध पत्थरों से लदा कुछ ट्रैक्टर आउटसोर्सिंग कम्पनी से निकलकर भटमुरना मोड़ होते हुए सोनारडीह, सिनीडीह और मधुबन खरखरी की ओर जाते हैं जबकि कुछ ट्रैक्टर आकाशकिनारी, कतरास कॉलेज और राहुल चौक के रास्ते श्यामडीह, फुलवार और अन्य जगह जाते हैं।

एक वीडियो में स्पष्ट देखा जा रहा है कि ओबीआर पत्थर लोड एक ट्रैक्टर ओबीआर डिस्पैच एरिया से निकल रहा है उसके पीछे रोड में अवैध कोयला की ढुलाई कर रहे एक बाइक है और वहीं मुख्य सड़क किनारे क्रॉसिंग के पास कुछ वर्दीधारी खड़े हैं। लेकिन तस्कर बड़ी आसानी से अपने काम को अंजाम दे रहे हैं। उसे न तो पुलिस का ख़ौफ़ है और न ही सीआईएसएफ का।

बताया जाता है कि एक ट्रैक्टर पत्थर की कीमत १ हजार से १३ सौ रुपया तक लिया जाता है। रोजाना लाखों रुपये के पत्थरों की तस्करी में अवैध कारोबारी के अलावा कई लोग मालामाल हो रहे हैं। स्थानीय पुलिस और सीआईएसएफ के जिम्मेदार अधिकारियों के द्वारा अवैध पत्थर के धंधेबाजों पर कार्रवाई नहीं किये जाने से स्थानीय लोगों में भारी रोष देखने को मिल रहा है। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि स्थानीय पुलिस प्रशासन और सीआईएसएफ की मिली भगत से ही दिनदहाड़े पत्थरों की तस्करी की जा रही है। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या पुलिस और सीआईएसएफ इस अवैध पत्थरों की तस्करी पर रोक लगा पाने में कामयाब हो पाएगी।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -नगेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

महिला के गले से चैन की छिनतई

धनसार (ससे) : जोड़ाफाटक के सुरेंद्र कॉलोनी के सूनसान गली में बाइक सवार अपराधी ने

बुधवार की देर शाम अंधेरा का फायदा उठाकर सीआईएसएफ जवान की ३५ वर्षीय पत्नी दिव्या पांडे के गले से सोने का चैन लेकर फरार हो गया। सोने की कीमत एक लाख से अधिक का बताया जा रहा है। सूचना पाकर धनसार थाना प्रभारी मनोज कुमार पांडे घटनास्थल पर जाकर छानबीन करने में जुट गए। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला अपराधी की पहचान करने में जुट गई है।

फुटेज में सफेद बाइक सवार रफ्तार में भागते दिख रहा है। लेकिन अपराधी का चेहरा व बाइक का नंबर स्पष्ट नहीं दिख रहा है। बताया जा रहा है कि कुसुंडा क्षेत्र में सीआईएसएफ में तैनात जवान प्रमोद पांडे अपने परिवार के साथ सुरेंद्र कॉलोनी में भाड़े के मकान में रहते हैं। बुधवार की देर शाम प्रमोद की पत्नी दिव्या अपने सहेली के साथ पुराना बाजार धनबाद गई थी। बाजार करने के बाद अपने घर लौट रही थी। जैसे ही सुरेंद्र गली से जा रही थी। तभी विपरित दिशा से आ रहे बाइक सवार ने उसके गले से सोने की चेन झपट लिया।

इस दौरान महिला ने अपराधी से हाथापाई भी की। लेकिन उसने दिव्या को धक्का दे दिया। जिससे दिव्या गिरकर घायल भी हो गई। महिला ने बताया कि गली में लाइट नहीं होने के कारण पूरा अंधेरा छाया हुआ है। जिसका फायदा उठाकर अपराधी चैन छिनतई कर फरार हो गया। महिला ने पुलिस को बताया कि अपराधी सफेद बाइक पर सवार था। चैन छिनने के बाद वह धनसार चौक की ओर फरार हो गया।

अंतिम संस्कार के दौरान किसान के छिपाए 3 लाख जलकर हो गए राख

माहोली (ईएमएस) : पंजाब के दीनानगर में अनोखी घटना सामने आई, जहां एक ९५ वर्षीय किसान दलबीर सिंह के अंतिम संस्कार के दौरान उनके बिस्तर में छिपाए गए ३ लाख जलकर राख हो गए। यह चौंकाने वाला खुलासा तब हुआ जब जलते हुए बिस्तर से ५०,००० रुपए की अर्धजली गड्डी सामने आई। बता दें कि किसान सिंह का निधन हुआ था और उनके परिवार को इसकी जानकारी नहीं थी कि उन्होंने अपने बैंक खाते से ३ लाख निकालकर बिस्तर में छिपा रखे थे। उनके बेटे की सरकारी नौकरी थी और परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी थी, लेकिन रहस्य तब सामने आया जब अंतिम संस्कार के दौरान बिस्तर के सिरहाने से ५००५०० के नोटों की गड्डी गिरी। हालांकि, अधिकांश नोट जल चुके थे, फिर भी एक अर्धजला गड्डी मिलने पर परिवार ने जांच की। बाद में बैंक पासबुक की जांच से पता चला कि सिंह ने तीन लाख रुपए अपने पास रखे थे, जो अब उनके साथ ही चिता में जल गए। इस घटना के बाद परिवार ने इस विषय पर अधिक बात करने से परहेज किया।

ओबी डंप के समीप लोगों की भीड़ नहीं हो : डीजीएमस

कतरास (ससे) : बीसीसीएल एरिया ४ में त्रिपक्षीय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में प्रबंधन, डीजीएमस और श्रमिक संघ सेप्टी के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

अवैध माइंस से कोयले कारोबारी सैकड़ों ट्रक कोयला ले जाने में कामयाब हो रहा है। ये मुद्दा काफी विवाद बना रहा, इसपर रोक कैसे लगेगा।

बताया जाता है कि लोग दवी जुबान से लोग यह कहते हुए भी नहीं थक रहे हैं कि बीसीसीएल एरिया अंतर्गत चल रही आउटसोर्सिंग कंपनियों में अवैध कोयला खनन में कारोबारियों का कैंजा है। वर्तमान में एरिया से संबंधित कार्य देख रहे हैं इसके बावजूद भी अवैध कोयले का कार्य पर लगाम नहीं लग रहा है। कारोबारी की हर सिम से कितना कोयला कहां निकलेगा यह बताने का काम किया गया है। अवधेश सिंह ने कहा कि माइंस में कोई भी गाड़ी ले कर ना जाए, लीगल माइंस को कौन रोकेगा, ओबी डंप के समीप लोगों की भीड़ को रोका जाय।

छोटू सिंह ने कहा कि टिपला गाड़ी को काट दिया गया, पेड़ को काट दिया गया, फिल्टर प्लांट को दुरुस्त किया जाए।

महादेव महतो ने कहा कि पानी भरा हुआ है जिसके कारण कोयला खनन नहीं हो रहा है। संतोष सिंह ने कहा कि बिलिचिंग पाउडर का उपयोग सही से नहीं किया जा रहा है।

अन्य मौजूद सेप्टी प्रतिनिधियों ने कहा कि माइनिंग सुपरवाइजर की कमी, बाउंड्री बॉल क्षतिगस्त होने से डीजल चोरी हो रहा है। आउटसोर्सिंग कंपनी में चल रहे गाड़ियों के चालक के विशेष प्रशिक्षण प्राप्त नहीं है, सीआईएसफ कोयले व लोहा की चोरी को रोकने में नाकाम साबित हो रहे हैं।

मौके पर सेप्टी बैठक कि अध्यक्षता छोटू सिंह, डीजीएमएस अनिल कुमार दास, डीजीएमएस कौशिक सैन गुप्ता, कतरास क्षेत्र के जीएम राज कुमार, एकेडब्लूएमसी प्रोजेक्ट ऑफिसर मोहन मुरारी, सेप्टी मैनेजर संजय चौधरी, आरके तिवारी, संतोष सिंह, अवधेश सिंह, महादेव महतो आदि लोग मौजूद थे।

कुंभ की घटना पर जताई संवेदना

गोविंदपुर (ससे) : श्री हरदेवराम पुस्तकालय में बुधवार को शोकसभा आयोजित कर कुंभ हादसे पर संवेदना व्यक्त की गई। शोक सभा में शामिल लोगों ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई। उपस्थित लोगों ने घटना पर दुःख प्रकट किया, परंतु योगी सरकार की तत्परता पर संतोष जताया। शोकसभा में बलराम प्रसाद साव, एसएन लाल त्यागी, जय प्रकाश मिश्र, दिनेश कुमार राय, शंकर रविदास, अनूप साव, जितेश जायसवाल, बाबू भगत, जग्गू साव, विपिन रजक, दीपक धीवर, विमल शर्मा, जयदेव मोदी आदि शामिल थे।

राष्ट्रीय खेलों के पहले ही दिन साबित हुई हाईटेक शूटिंग रेंज की गुणवत्ता

देहरादून (ईएमएस) : हरियाणा की रमिता बुधवार को जब अपनी एयर रायफल लिए शूटिंग रेंज पर पहुंची, तो उनकी काबिलियत कसौटी पर थी। कसौटी पर वह नवनिर्मित हाईटेक शूटिंग रेंज भी थी, जिसकी तुलना दिल्ली और भोपाल की शूटिंग रेंज से की जा रही थी। रमिता की रायफल से गोली निकली। स्कोर ६३४.९ रहा और यह १० मीटर की एयर रायफल महिला स्पर्धा के क्वालीफिकेशन राउंड का कीर्तिमान बन गया। रमिता तो कसौटी पर खरी उतरी ही, महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज की शूटिंग रेंज भी खरा सोना साबित हुई।

राष्ट्रीय खेलों के पहले दिन की इससे शानदार शुरुआत हो ही नहीं सकती थी, जबकि शूटिंग की पहली ही स्पर्धा में रिकार्ड टूट गया। भारतीय शूटिंग टीम के असिस्टेंट कोच अरुण सिंह के मुताबिकइससे पहले, शूटिंग की इस स्पर्धा में क्वालीफिकेशन रिकार्ड ६३७.७ स्कोर पर बना था। यह रिकॉर्ड भोपाल में आयोजित वर्ल्ड कप चैंपियनशिप में बना था। रमिता ने दो अतिरिक्त प्वाइंट अर्जित कर नया क्वालीफिकेशन रिकॉर्ड बनाया है। रमिता को अब

बृहस्पतिवार को इस स्पर्धा के फाइनल में खेलना है। दो तरह के रिकॉर्ड मेंटेन किए जाते हैं। एक क्वालीफिकेशन और दूसरा मेडल रिकॉर्ड होता है। राष्ट्रीय खेलों के लिए महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज में बनाई गई हाईटेक शूटिंग रेंज की जितनी तारीफ की जा रही थी, वह पहले ही दिन सही साबित हुई है। भारतीय टीम के असिस्टेंट कोच अरुण सिंह शुरू से ही कह रहे थे कि जिस तरह से इस शूटिंग रेंज को तैयार किया गया है, उससे यहां नए रिकार्ड निकल सकते हैं।

शूटिंग रेंज में कुल १६० टारगेट स्थापित हैं। १० व २५ मीटर रेंज के ६०६० व ५० मीटर रेंज के ४० टारगेट हैं। टारगेट क्षमता के मामले में यह दिल्ली व भोपाल के बाद तीसरे नंबर की शूटिंग रेंज है। २५ मीटर की रेंज में सबसे ज्यादा टारगेट फिक्स करने की क्षमता। अत्याधुनिक हाईटेक उपकरणों से सुसज्जित यह शूटिंग रेंज है। हाईटेक टारगेट से सटीक स्कोरिंग सुनिश्चित हो रही है।

क्वालीफिकेशन रिकॉर्ड बनाने वाली हरियाणा की रमिता पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। वह पेरिस ओलंपिक में अंतिम आठ में जगह बनाने में कामयाब रहीं थीं। रमिता का कहना है कि उन्हें उम्मीद थी कि वह रिकार्ड बनाएंगी। अपनी कोच नेहा चवन को भी वह इस मौके पर याद करने से नहीं चूकी। साथ ही कहा कि दून की शूटिंग रेंज बहुत अच्छी है। पेरिस की शूटिंग रेंज में जो उपकरण लगे थे, वे ही यहां लगाए गए हैं। इससे स्कोरिंग अच्छी हो रही है।

हरियाणा के कुरुक्षेत्र के लाडवा की रहने वाली रमिता हंसराज कॉलेज दिल्ली की बी कॉम ऑनर्स की छात्रा हैं। वर्ष २०१५ से शूटिंग प्रतियोगिता में हिस्सा ले रही हैं।

रमिता का कहना है कि उत्तराखंड उन्हें हमेशा से पसंद रहा है। देहरादून कई बार आई हैं घूमने के लिए। इस बार भी फाइनल मैच हो जाने के बाद जब समय मिलेगा, वह यहां के प्राकृतिक नजारों को देखने के लिए निकलेंगी। वहीं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि राष्ट्रीय खेलों के लिए हमने अंतरराष्ट्रीय मानक वाले उपकरणों की व्यवस्था की है। मुझे उम्मीद है कि देश भर से आए खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन उत्तराखंड की धरती पर करेंगे और खेलों में नएनए कीर्तिमान स्थापित होंगे। मैं सभी को बहुत बहुत शुभकामनाएं देता हूं।

महकुम्भ में मची भगदड़ राज्य प्रशासन द्वारा की गयी हत्या : संजय राउत

नई दिल्ली (ईएमएस) : शिवसेना (उबाठा) के राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने कहा कि विशिष्ट लोगों के दौरे के लिए एक दिन आरक्षित रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में महाकुंभ के प्रबंधन के लिए १०,००० करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए है। राउत ने कहा, पैसा कहां गया। भाजपा कुंभ के माध्यम से राजनीतिक प्रचार कर रही है। वह कुंभ का प्रचार कर आगे चुनाव लड़ना चाहती है। यह उनकी आस्था नहीं बल्कि राजनीति है और लोग इसमें अपनी जान गंवा रहे हैं।

मोदी और केजरीवाल दोनों झूठों के सरदार : मल्लिकार्जुन खड़गे

नई दिल्ली (ईएमएस) : कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर तीखा प्रहार किया और आरोप लगाया कि दोनों ''एक ही सिक्के के दो पहलू' और ''झूठों के सरदार'' हैं। खड़गे ने बुराड़ी में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और आम आदमी पार्टी (आप) ने मिलकर कांग्रेस को सत्ता से हटाया, लेकिन दिल्ली तथा देश के लोगों के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने आप पर कटाक्ष करते हुए कहा, ''ये बातें ऐसी करते हैं कि मानो सीधे स्वर्ग से उतरे हों।'' कांग्रेस अध्यक्ष ने कथित शराब घोटाले का हवाला देते हुए कहा, ''अगर सब ठीक है तो (केजरीवाल) जेल क्यों गए, आबकारी घोटाले में क्यों पकड़े गए? आप दोनों (मोदी और केजरीवाल) हरिश्चंद्र के बेटों

ने मिलकर हमें (सत्ता से) निकाला, लेकिन इसके बाद कुछ नहीं किया।'' खड़गे ने कहा, ''भाजपा के लोग तो कहते हैं कि आजादी २०१४ में मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद मिली। १५ अगस्त, १९४७ को देश को आजादी मिली, वो इसे नहीं मानते।'' उन्होंने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के एक हालिया बयान का हवाला देते हुए कहा, ''दिल्ली और कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक के लोगों ने आजादी के लिए कुर्बानी दी....उस समय महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और कई अन्य नेताओं के नेतृत्व में आजादी मिली। भाजपा और आप की वजह से आजादी नहीं मिली।'' उन्होंने दावा किया कि भाजपा और केजरीवाल ने मिलकर अन्ना हजारे का आंदोलन संचालित किया। खड़गे ने आरोप लगाया, ''मोदी और आप दोनों भाई हैं। ये एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। इधर देखो तो मोदी दिखेंगे, दूसरी तरफ घुमाओ तो केजरीवाल।'' खड़गे ने आरोप लगाया कि 'सबका साथ, सबका विकास' की बात करने वाले ने 'सबका सत्यानाश' कर दिया। उन्होंने यमुना की सफाई का मुद्दा उठाते हुए कहा, ''अगर पानी पीने लायक नहीं दे सकते तो आप कौन से नेता हैं!'' कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''केजरीवाल कहते हैं कि यमुना में जहर मिलाकर भेज दिया। भाजपा कह रही है कि केजरीवाल ने झूठ बोला। आप दोनों झूठों के सरदार हो।'' उन्होंने कहा कि इन लोगों का काम सिर्फ भाषण देना है, इन्हें काम नहीं करना है।

सीएम नायाब सिंह सैनी ने यमुना नदी का पानी पिया

नई दिल्ली (ईएमएस) : यमुना नदी में अमोनिया की मात्रा में हुई वृद्धि को लेकर जुबानी जंग लगातार जारी है। एक तरफ यह मामला चुनाव आयोग तक पहुंच गया है, तो दूसरी तरफ भाजपा और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच भी जुबानी जंग तेज है। अभी हाल ही में हरियाणा के सीएम नायाब सिंह सैनी ने यमुना नदी का पानी पिया। इस पोस्ट को उन्होंने नायाब सिंह सैनी ने शेयर किया है। साथ ही साथ उन्होंने आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल पर आरोप लगाते हुए कहा है कि दिल्ली की जनता उन्हें सबक सिखाएगी। उन्होंने एक्स पर लिखा है, बेहिचक और बेझिझक पवित्र यमुना के जल का आचमन किया हरियाणा की सीमा पर आतिशी जी तो आईं नहीं।कोई नया झूठ रच रही होंगी।झूठ के पांव नहीं

होते।इसलिए आपदा का झूठ चल नहीं पा रहा। दिल्ली की देवतुल्य जनता इन फ़रेबियों को पहचान चुकी है।५ फ़रवरी को आपदा के फरेब काल का अंत निश्चित है। दिल्ली के लोग हरियाणा के कपूत केजरीवाल को सज़ा देंगे क्योंकि हमारा भाईचारा सदियों से मजबूत है।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल समेत अन्य नेता लगातार भाजपा और हरियाणा सरकार पर आरोप लगा रहे हैं कि वह जानबूझकर चुनाव को प्रभावित करने के लिए अमोनिया युक्त पानी दिल्ली की तरफ छोड़ रहे हैं, जिससे दिल्ली के वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बंद हो गए हैं और लगभग ३० प्रतिशत आबादी को पीने के पानी की किल्लत हो गई है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को लिखा, मुझे पता चला है कि आप यमुना नदी के पल्ला घाट जा रहे हैं। मेरा आग्रह है कि आप और मैं साथ चलते हैं, मीडिया के साथियों को भी लेकर चलते हैं। सबके सामने अमोनिया की मात्रा को नापेंगे।

सबको पता चलना चाहिए कि हरियाणा दिल्ली वालों को जहरीला पानी भेज रही है। आतिशी के इस पोस्ट का जवाब देते हुए हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भी कहा, आपदा की खड़ाऊं मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना जी, पल्ला गांव के यमुना तट पर आपका स्वागत है। हरियाणा से दिल्ली आने वाले पानी में तो जहर नहीं है, लेकिन आप लोगों के दिमाग में जहर जरूर भरा हुआ है। कभी पानी की कमी के लिए, कभी पराली के धुएं के लिए तो कभी अपनी तमाम विफलताओं के लिए हमेशा आप हरियाणावासियों को ही कोसती रहती हैं।

अंतर्राष्ट्रीय साइबर धोखाधड़ी सिंडिकेट का पर्दाफाश, 6 गिरफ्तार

पुणे (ईएमएस) : पुणे से सटे पिंपरी चिंचवड़ में बीते कुछ महीनों के दौरान साइबर अपराध बढ़ गया है। पुलिस उन लोगों की तलाश में थी जिन्होंने कई लोगों को ठगा था। इसी तरह, पिंपरी चिंचवड़ शहर पुलिस आयुक्तालय की साइबर पुलिस ने एक अंतरराष्ट्रीय साइबर धोखाधड़ी सिंडिकेट के एक प्रमुख व्यक्ति और उसके अन्य पांच साथियों को गिरफ्तार किया है। ये लोग विभिन्न वेबसाइटें, साथ ही व्हाट्सएप और टेलीग्राम द्वारा लोगों को शेयर बाजार में निवेश करने पर भारी रिटर्न का झांसा देते थे और निवेशकों से लाखों रुपए की ठगी कर रहे थे। इसके अलावा, आरोपी देश में विभिन्न व्यक्तियों के नाम पर बनाए गए बैंक खातों, बैंक पासबुक, चेकबुक और एटीएम का उपयोग करके निवेशकों से करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी कर रहे थे।

पुलिस जांच में पता चला है कि यह गिरोह कंबोडिया से कई भारतीयों से करोड़ों रुपए की ठगी कर रहा है। देश में मुख्य आरोपी सैम उर्फ डेविड उर्फ कुमार श्रीपति नायक (२२, निवासी राउलकिला जिला, ओडिशा) और उसके पांच अन्य साथियों को पिंपरीचिंचवड़ साइबर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इससे कई अपराधों के सुलझने की संभावना है।

कंबोडिया में बैठा इस गिरोह का मुख्य सरगना अभी तक पुलिस की गिरफ्त में नहीं आया है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। पुलिस जांच में पता चला है कि पुलिस द्वारा हिरासत में लिए गए आरोपी के पास मिले बैंक खातों के संबंध में देशभर में करीब १०२ शिकायतें दर्ज की गई हैं।

रेलवे स्टेशन पर मिली लावारिस बच्ची

मुंबई (ईएमएस) : महाराष्ट्र के नवी मुंबई में रेलवे स्टेशन पर एक नाबालिग लड़की लावारिस हाल में मिली। लड़की के बारे में पुलिस को सूचना मिली, इस पर मौके पर पहुंची और लावारिस लड़की को अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस की जांच में लड़की के साथ रेप की जानकारी सामने आई है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। यह मामला नवी मुंबई टाउनशिप में एक रेलवे स्टेशन का है। यहां १२ साल की बच्ची लावारिस हालत में मिली। जांच में सामने आया है कि बच्ची के साथ रेप किया गया है। पुलिस का कहना है कि वाशी सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने मामला दर्ज किया है। पीड़ित बच्ची के उसके परिवार के बारे में पता लगाया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि लड़की घनसोली रेलवे स्टेशन के एक प्लेटफॉर्म पर अकेली मिली थी।

तेल विपणन कंपनियों के लिए इथेनॉल खरीद कीमतों में संशोधन को मंजूरी

नई दिल्ली (ईएमएस) : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) ने इथेनॉल आपूर्ति वर्ष (ईएसवाई) २०२४२५ के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) के लिए इथेनॉल खरीद कीमतों में संशोधन को मंजूरी दे दी। भारत सरकार के इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम के तहत यह अवधि १ नवंबर, २०२४ से ३१ अक्टूबर, २०२५ तक विस्तारित है। सी-हैवी मोलासेस (सीएचएम) से प्राप्त ईबीपी कार्यक्रम के लिए इथेनॉल की एक्समिल कीमत ५६.५८ रुपए प्रति लीटर से ५७.९७ रुपए प्रति लीटर तय की गई है। इस मंजूरी से न केवल सरकार को इथेनॉल आपूर्तिकर्ताओं के लिए मूल्य स्थिरता और लाभकारी मूल्य प्रदान करने की नीति जारी रखने

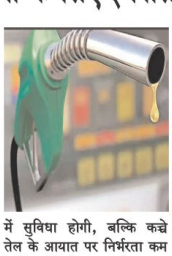

में सुविधा होगी, बल्कि कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करने, विदेशी मुद्रा की बचत करने और पर्यावरण को लाभ पहुंचाने में भी मदद मिलेगी। गन्ना किसानों के हित में जीएसटी और परिवहन शुल्क पहले की तरह अलग से देय होंगे। सीएचएम इथेनॉल की कीमतों में ३ प्रतिशत की वृद्धि से बढ़े हुए मिश्रण लक्ष्य को पूरा करने के लिए इथेनॉल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित होगी। आपको बता दें सरकार इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम लागू कर रही है, जिसके तहत तेल विपणन कंपनियां २० प्रतिशत तक इथेनॉल के साथ मिश्रित पेट्रोल बेचती हैं।

वैकल्पिक और पर्यावरण अनुकूल ईंधन के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए यह कार्यक्रम पूरे देश में लागू किया जा रहा है। इसका उद्देश्य ऊर्जा आयात पर निर्भरता को कम करना और कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देना भी है। गौरतलब हो, पिछले दस वर्षों (३१.१२.२०२४ तक) के दौरान, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) द्वारा पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण के परिणामस्वरूप लगभग १,१३,००७ करोड़ रुपए से अधिक की विदेशी मुद्रा की बचत हुई है और लगभग १९३ लाख मीट्रिक टन कच्चे तेल की जगह इथेनॉल मिश्रित तेल का उपयोग हुआ है।

सरकार ने पेट्रोल में २० प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य पहले के २०३० की जगह २०२५२६ कर दिया है। वहीं, ईबीपी कार्यक्रम के तहत सरकार द्वारा किए गए उपायों के कारण देश भर में ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड डिस्टिलरीज के नेटवर्क, भंडारण और लॉजिस्टिक सुविधाओं के अलावा रोजगार के अवसरों और विभिन्न हितधारकों के बीच देश के भीतर मूल्य के बंटवारे के रूप में निवेश हुआ है। सभी डिस्टिलरी इस योजना का लाभ उठा सकेंगी और उनमें से बड़ी संख्या में ईबीपी कार्यक्रम के लिए इथेनॉल की आपूर्ति किए जाने की उम्मीद है। इससे विदेशी मुद्रा बचत, कच्चे तेल के विकल्प के रूप में, पर्यावरणीय लाभ और गन्ना किसानों को जल्दी भुगतान में मदद मिलेगी।

जिस दिन केजरीवाल ने पार्टी बनाई, तभी से बात करना छोड़ दिया : अन्ना हजारे

मुंबई (ईएमएस) : समाजसेवी अन्ना हजारे ने दिल्ली चुनाव और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि वे केजरीवाल से बात नहीं करते। समाजसेवी अन्ना हजारे ने दिल्ली चुनाव और केजरीवाल पर कहा, जो जैसा करेगा, वैसा भरेगा। दिल्ली के लोग उम्मीदवार देखकर वोट दें। जिस दिन से केजरीवाल ने पार्टी बनाई है, मैं उससे बात नहीं करता। हजारे ने कहा, केजरीवाल शुरुआत में मेरे साथ काम करने के लिए आया था। लेकिन, जिस दिन से केजरीवाल ने राजनैतिक महत्वकांक्षा से पार्टी बनाई, उस दिन से मैंने केजरीवाल से बात करना छोड़ दिया। इसलिए उसके विषय पर मैं कुछ नहीं बोल सकता। दिल्ली चुनाव में जनता के वोट देने को लेकर उन्होंने कहा, जनता उम्मीदवार देखकर शुद्ध आचार, शुद्ध विचार, जीवन निष्कलंक और जीवन में प्यार और जिसमें अपमान सहन करने की शक्ति हो, ये सब गुण जिसमें हो, जनता उस तहर के उम्मीदवार को ही वोट करे। मैं किसी पर आरोप नहीं लगा रहा हूं। जो जैसा करेगा, वैसा भरेगा। दिल्ली चुनाव की तारीख जैसेजैसे नजदीक आ रही है, वैसेवैसे सभी राजनीतिक पार्टियों की सक्रियता बढ़ती जा रही है।

गायत्री फूड प्रोडक्ट लिमिटेड की फैक्ट्री सहित कई ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

सीहोर (ईएमएस) : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को सीहोर में गायत्री फूड प्रोडक्ट लिमिटेड की फैक्ट्री सहित कई ठिकानों पर छापा मारा। यह कार्रवाई फैक्ट्री के मालिक किशन मोदी और उनके बेटे अमित मोदी के निवासों पर हुई। सूत्रों के मुताबिक, ईडी ने पनीर फैक्ट्री, पारस विहार कॉलोनी और क्रिसेंट कॉलोनी में छापेमारी की। यह वहीं फैक्ट्री है, जहां से देश और विदेशों में डेयरी उत्पादों की आपूर्ति की जाती है। ईडी की टीम ने सुबह से ही मुरैना में फैक्ट्री संचालक के निवास और भोपाल स्थित कार्यालय पर भी दबिश दी। इसके पहले भी करीब छह महीने पहले इसी फैक्ट्री पर अलगअलग ठिकानों पर छापा मारा गया था। लेकिन इस बार कार्रवाई को और भी बड़ी और गंभीर माना जा रहा है। ईडी अधिकारी दस्तावेजों की गहन जांच कर रहे हैं।

बताया गया कि जब ईडी की टीम किशन मोदी के घर पहुंची, तब घर बाहर से बंद मिला। जिसके बाद अधिकारियों ने ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और दस्तावेजों की जांच शुरू की। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि ईडी की यह रेड किस वजह से हुई है।

संपादकीय | बहुत मायने रखता है राजनेता का आचरण

राजनीति में बाहुबलियों के प्रवेश पर रोक लगाने की मांग लंबे समय से की जाती रही है। इसे लेकर कुछ मौकों पर कड़े कदम भी उठाने के प्रयास हुए। मगर हकीकत यही है कि हर चुनाव के बाद संसद और विधानसभाओं में आपराधिक छवि के सदस्यों की संख्या कुछ बढ़ी हुई ही दर्ज होती है। निर्वाचन आयोग ने चुनावी पर्चा भरते वक्त प्रत्याशियों से अपनी संपत्ति के साथ-साथ आपराधिक मामलों का ब्योरा भी देने का प्रावधान बनाया। इससे लगा था कि राजनीति में आपराधिक छवि वाले लोगों की पैठ रुक जाएगी। मगर वह नियम बहुत कारगर साबित नहीं हुआ।

सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि अगर कोई राजनीतिक दल ऐसी छवि वाले किसी व्यक्ति को चुनाव मैदान में उतारती है, तो उसे बताना होगा कि उसने उसे ही क्यों चुना, क्या उसके पास उससे बेहतर कोई प्रत्याशी नहीं था। मगर यह नियम भी बहुत बाध्यकारी साबित नहीं हुआ। इसका नतीजा है कि न केवल बाहुबली बहुत आसानी से राजनीति में प्रवेश पा जाते हैं, बल्कि चुनाव जीतने के बाद भी अपने बाहुबल का प्रदर्शन करने से गुरेज नहीं करते। उत्तराखंड में हरिद्वार की खानपुर सीट से वर्तमान विधायक और पूर्व विधायक के बीच हुई गोलीबारी इसका ताजा उदाहरण है।

बताया जा रहा है कि पूर्व विधायक और मौजूदा विधायक के बीच कुछ समय से सोशल मीडिया पर तीखी नोक-झोंक चल रही थी। यह तल्खी इतनी बढ़ी कि मौजूदा विधायक हथियारबंद होकर पूर्व विधायक के घर पहुंच गए और उनके परिजनों को धमकाया। इसकी प्रतिक्रिया में पूर्व विधायक भी हथियार लेकर सदलबल मौजूदा विधायक के दफ्तर पहुंचे और

न केवल उन्हें अपशब्द कहे और ललकारा, बल्कि गोलियां भी दागीं। उसकी तस्वीरें खुद उन्होंने सोशल मीडिया पर भी डालीं।

हालांकि इस घटना के बाद पुलिस ने पूर्व विधायक को गिरफ्तार कर लिया है और वर्तमान विधायक के खिलाफ भी कार्रवाई करने का भरोसा दिलाया है। पूर्व विधायक सत्तारूढ़ दल के हैं और वर्तमान विधायक निर्दलीय। यह भी बताया जा रहा है कि करीब पांच साल पहले भी पूर्व विधायक ने ऐसी अशोभन हरकत और गाली-गलौज की भाषा का इस्तेमाल किया था। उसके बाद पार्टी ने उन्हें निलंबित कर दिया था। मगर बाद में उन्हें फिर पार्टी में जगह दे दी गई।ताजा घटना इसलिए चिंता का विषय है कि जब जनप्रतिनिधि खुद सोशल मीडिया पर इस कदर तल्ख टिप्पणियां करते हैं कि उससे गोली चलाने जैसी उत्तेजना पैदा हो जाती है, तो वे किसी गंभीर समस्या को सुलझाने में कितने संतुलित व्यवहार कर पाते होंगे। राजनेता का आचरण बहुत मायने रखता है। उसके व्यवहार का अनुकरण उसके समर्थक भी करते हैं। अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं कि दोनों विधायकों के नीचे की कार्य करने का भरोसा दिलाया है। पूर्व विधायक सत्तारूढ़ दल के हैं और वर्तमान विधायक निर्दलीय। यह भी बताया जा रहा है कि करीब पांच साल पहले भी पूर्व विधायक ने ऐसी अशोभन हरकत और गाली-गलौज की भाषा का इस्तेमाल किया था। उसके बाद पार्टी ने उन्हें निलंबित कर दिया था। मगर बाद में उन्हें फिर पार्टी में जगह दे दी गई।ताजा घटना इसलिए चिंता का विषय है कि जब जनप्रतिनिधि खुद सोशल मीडिया पर इस कदर तल्ख टिप्पणियां करते हैं कि उससे गोली चलाने जैसी उत्तेजना पैदा हो जाती है, तो वे किसी गंभीर समस्या को सुलझाने में कितने संतुलित व्यवहार कर पाते होंगे। राजनेता का आचरण बहुत मायने रखता है। उसके व्यवहार का अनुकरण उसके समर्थक भी करते हैं। अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं कि दोनों विधायकों के नीचे की कार्य करने के नेताओं, कार्यकर्ताओं पर क्या असर पड़ा होगा। वे भी कभी ऐसा व्यवहार नहीं करेंगे, इसकी क्या गारंटी। अक्सर सत्तापक्ष के नेता इस भरोसे के साथ हिंसक व्यवहार करने से नहीं हिचकते कि कानून के शिकंजे से वे आसानी से निकल जाएंगे।

चुने हुए प्रतिनिधि के आत्मविश्वास का तो अनुमान लगाया जा सकता है। कानून इस मामले में कितनी सख्ती बरत पाएगा, दावा नहीं किया जा सकता, क्योंकि रसूखदार लोगों के मामले में पुलिस का रवैया कोई उत्साहजनक नहीं देखा जाता। मगर इस घटना के बाद राजनीतिक दलों से एक बार फिर यह स्वाभाविक अपेक्षा की जाती है कि वे अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं को अनुशासित करने का प्रयास करेंगे।

भारत-इंडोनेशिया के बीच संबंध पुराना, दोनों देशों का एक दूसरे के प्रति सहयोग का नया सफर

भारत और इंडोनेशिया के बीच संबंधों में सहयोग का सफर बहुत पुराना रहा है और अमूमन हर मौके पर दोनों देशों ने नाजुक मौकों पर एक दूसरे का साथ दिया है। इस वर्ष गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में जब वहां के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो भारत आए, तो रिश्तों के नए आयाम भी खुले। कूटनीतिक पहलू से देखें तो दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती सैन्य ताकत के बीच अंतरराष्ट्रीय कानूनों की एक 'पूर्ण और प्रभावी' आचार संहिता की वकालत करके दोनों देशों ने इस समूचे इलाके में एक मजबूत हस्तक्षेप किया है। यह इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है कि दक्षिण चीन सागर का क्षेत्र हाइड्रोकार्बन का एक बड़ा स्रोत है। इसलिए चीन इस समूचे इलाके पर अपना प्रभुत्व जताता रहा है। वहीं विएतनाम, फिलीपींस और ब्रूनेई भी इस पर दावा करते हैं। साथ ही, भारत और इंडोनेशनिया ने आपस में आतंकवाद विरोधी सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया और बिना किसी 'दोहरे मापदंड' के इस वैश्विक खतरे से निपटने के लिए ठोस प्रयास करने का आह्वान किया। यह छिपा नहीं है कि दुनिया के कई देश और खासकर भारत के पड़ोसी कुछ देशों में आतंकवाद के मसले पर कथनी और करनी में कितना फर्क है। ऐसे में आतंकवाद के खिलाफ मोर्चा लेने के संदर्भ में भारत के साथ इंडोनेशिया का मुखर होना अहम है। साथ ही सांस्कृतिक सहयोग, पारंपरिक चिकित्सा, स्वास्थ्य, डिजिटल विकास और समुद्री सुरक्षा के मामले में कई सहमति पत्रों पर भी हस्ताक्षर हुए और रक्षा के मोर्चे पर भी सहयोग को मजबूत करने की घोषणा हुई। गौरतलब है कि मौजूदा भूराजनीति के बदलते परिदृश्य में अलग-अलग मामलों में देशों के बीच जो नए समीकरण बन रहे हैं या फिर उनकी ओर से जो नीतियां अपनाई जा रही हैं, उससे उपजी चिंता के मद्देनजर संबंधों के नए सिरे खुलना भी स्वाभाविक है। हालांकि इस संदर्भ में मौजूदा दौर में जैसे समीकरण बन रहे हैं, उसके अनुकूल ज्यादा साहस के साथ ठोस पहल की जरूरत है। उम्मीद की जानी चाहिए कि अतीत की बुनियाद से आगे बढ़ते हुए भारत और इंडोनेशिया के बीच अब सहयोग का नया सफर शुरू होगा।

आज का कार्टून

अमित शाह के कुंभ स्नान पर खड़गे का विवादित बयान

आखिर कौन लागू करवाएगा दक्षिण चीन सागर क्षेत्र में आचार संहिता?

दक्षिण चीन सागर क्षेत्र में चीनी दबदबे को नियंत्रित करने के लिए एक आदर्श आचार संहिता लागू करने की मांग सही है, लेकिन वहां पर इसे लागू कौन करवाएगा, इस बात का उत्तर भारत समेत विभिन्न आसियान देशों के पास नहीं है। ये तो सिर्फ वकालत कर रहे हैं कि दक्षिण चीन सागर ऐसा होना चाहिए। जबकि चीन अपनी हठधर्मिता के चलते सैन्य कार्रवाई करने पर उतारू है। इसी दृष्टि से वह लगातार अपनी तैयारी पुख्ता करता जा रहा है। लेकिन उसे रोकने में संयुक्त राष्ट्र संघ भी यहां असहाय प्रतीत हो रहा है। देखा जाए तो चाहे चीन विरोधी अमेरिका हो या चीन समर्थक रूस या फिर इनके-इनके समर्थक विभिन्न विकसित और विकासशील देश, सबकी नीति इस मामले में अभी तक ढुलमुल ही रही है। इसलिए भारत की भूमिका इस मामले में भी अहम और निर्णायक बताई जा रही है। क्योंकि भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया के विभिन्न देशों के बहुत पुराने ऐतिहासिक और सांस्कृतिक सम्बन्ध भी हैं। वहीं, वैश्विक दुनियादारी में चीन को संतुलित रखने के लिए भी भारत और आसियान देशों को एक-दूसरे की जरूरत है। इसलिए आशियान देशों के साथ भारत की निकटता जगजाहिर है।

कमलेश पांडे

समझा जाता है कि भारत ही अमेरिका और रूस दोनों देशों पर दबाव डालकर आसियान देशों के दक्षिण चीन सागर सम्बन्धी दूरगामी हितों की रक्षा कर सकता है। जानकारों की मानें तो चीन की विस्तारवादी नीति से न केवल भारत बल्कि आशियान देशों के विभिन्न हित प्रभावित हो रहे हैं। उधर, जापान, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका की चिंता भी किसी से छिपी हुई नहीं है। हालांकि, इन देशों में अमेरिका के बाद भारत ही एक ऐसा मुल्क है जो चीन की बढ़ती महत्वाकांक्षा को नियंत्रित कर सकता है। इसी नजरिए से क्वाड देशों में भी भारत की भागीदारी प्रमुख है। इधर भारत-चीन सम्बन्धों में भी तू डाल-डाल, मैं पात-पात वाली कहावत चरितार्थ होती है। यही वजह है कि गत 25-26 जनवरी 2025 को भारत ने चीन के खिलाफ एक और बड़ी चाल चलते हुए, दक्षिण चीन सागर क्षेत्र में आचार संहिता लागू करने का आह्वान किया है। वहीं, इसके दूरगामी वैश्विक मायने को समझते हुए इंडोनेशिया जैसे प्रभावशाली देश ने भी भारत का साथ दिया है। उल्लेखनीय है कि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति भारत के 76वें गणतंत्र समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए थे। इसी दौरान हुई विभिन्न बैठकों के क्रम में उपर्युक्त आशय की सहमति बनी है।

दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती सैन्य ताकत के बीच भारत और इंडोनेशिया ने प्रासंगिक अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुसार इस क्षेत्र में पूर्ण और प्रभावी आचार संहिता लागू करने की वकालत की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो के बीच गत शनिवार को हुई व्यापक बातचीत में दक्षिण चीन सागर की मौजूदा स्थिति पर भी चर्चा हुई। इस बैठक में दोनों पक्षों ने भारत के हिंद महासागर क्षेत्र स्थित सूचना संलयन केंद्र (इन्फार्मेशन फ्यूजन सेंटर) में इंडोनेशिया से एक संपर्क अधिकारी तैनात करने पर सहमति व्यक्त की। बता दें कि भारतीय नौसेना ने समान विचारधारा वाले देशों के साथ सहयोगात्मक ढांचे के तहत जहाजों की आवाजाही के साथ-साथ क्षेत्र में अन्य महत्वपूर्ण विकास पर नजर रखने के लिए वर्ष 2018 में गुरुग्राम में इन्फार्मेशन फ्यूजन सेंटर की स्थापना की थी। चूंकि आसियान देश भी दक्षिण चीन सागर पर एक बाध्यकारी आचार संहिता पर जोर दे रहे हैं, क्योंकि चीन द्वारा इस क्षेत्र पर अपने व्यापक दावों को स्थापित करने के लगातार प्रयास जारी हैं।

वहीं, इस मुद्दे पर भारत की अगुवाई में चल रहे कीप एंड बैलेंस की नीति पर चीन का बौखलाना स्वाभाविक है।बीजिंग इस प्रस्तावित आचार संहिता का कड़ा विरोध करता रहा है। वह पूरे दक्षिण चीन सागर पर अपनी संप्रभुता का दावा करता है, जो हाइड्रोकार्बन का एक बड़ा स्त्रोत है। जबकि, वियतनाम, फिलीपींस और ब्रूनेई सहित कई आसियान सदस्य देशों ने चीन के इस दावे पर आपत्ति जताई है। गौरतलब है कि एक ओर दक्षिण चीन सागर में जहां चीन अपनी सैन्य ताकत में निरंतर इजाफा करने में जुटा हुआ है, जिससे आसपास के छोटे देश भयभीत हैं। वहीं अब भारत ने चीन के खिलाफ अपनी चाल चलते हुए दक्षिण चीन सागर क्षेत्र में आचार संहिता लागू करने का आह्वान किया है। सुकून की बात यह है कि भारत को इस मुद्दे पर इंडोनेशिया जैसे महत्वपूर्ण देश का भी साथ मिल गया है। जबकि दूसरी तरफ चीन इस क्षेत्र में आचार संहिता का खुलकर विरोध करता है। इसलिए दक्षिण चीन

सागर से जुड़े हुए विभिन्न प्रभावित देशों के साथ-साथ भारत और अमेरिका की चिंताएं स्वाभाविक हैं।

बता दें कि अक्टूबर 2024 में भी जब पीएम मोदी ने ईस्ट एशिया सम्मेलन में हिस्सा लिया तो उन्होंने चीन पर इस बाबत निशाना साधा था। इससे एक दिन पहले आसियान-भारत सालाना सम्मेलन में भी उन्होंने चीन की तरफ इशारा करते हुए हिंद प्रशांत क्षेत्र और साउथ चाईना सी को लेकर जो सारी बातें कहीं, वह इस क्षेत्र में आक्रामक रवैया अपना रहे चीन को नागवार गुजर सकती है। तब पीएम मोदी ने आसियान-भारत सालाना सम्मेलन में दक्षिण पूर्वी एशियाई क्षेत्र के देशों के भौगोलिक संप्रभुता को समर्थन देकर चीन की तरफ इशारा किया था। वहीं, ईस्ट एशिया सम्मेलन में भी उन्होंने हिंद प्रशांत क्षेत्र और साउथ चाईना सी को लेकर दो टूक चिताएं जताईं। मोदी ने समूचे हिंद प्रशांत क्षेत्र को कानून सम्मत बनाते हुए यहां की समुद्री गतिविधियों को संयुक्त राष्ट्र के संबंधित कानून (अनक्लोस) से तय होने की मांग की और साउथ चाईना सी के संदर्भ में एक ठोस व प्रभावी आचार संहिता बनाने की भी बात कही। बता दें कि आसियान के सभी दस सदस्य देश भी इसकी मांग कर रहे हैं। वहीं, एक दिन पहले चीन के प्रधानमंत्री ली शियांग के साथ बैठक में आसियान नेताओं ने इन मुद्दों को जोरदार तरीके से उठाया था। इसके साथ ही भारतीय प्रधानमंत्री ने दुनिया के दूसरे क्षेत्रों में चल रहे तनाव के संदर्भ में कहा, विश्व के अलग-अलग क्षेत्रों में चल रहे संघर्षों का सबसे नकारात्मक प्रभाव ग्लोबल साउथ के देशों पर हो रहा है। सभी चाहते हैं कि चाहे यूरेशिया हो या पश्चिम एशिया, जल्द से जल्द शांति और स्थिरता की बहाली हो।

तब पीएम मोदी ने यहां तक कहा था, मैं बुद्ध की धरती से आता हूं और मैंने बार-बार कहा है कि यह युद्ध का युग नहीं है। समस्याओं का समाधान रणभूमि से नहीं, बल्कि सकारात्मक रणनीति से निकल सकता है। संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और अन्तर्राष्ट्रीय कानूनों का आदर करना आवश्यक है। वहीं, मानवीय दृष्टिकोण रखते हुए, ड्रायलॉग और कूटनीति को भी प्रमुखता देनी होगी। विश्वबंधु के दायित्व को निभाते हुए, भारत इस दिशा में हर संभव योगदान करता रहेगा। तब मोदी ने आतंकवाद को भी वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए एक गंभीर चुनौती बताते हुए मानवता में विश्वास रखने वाली ताकतों को एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया। बता दें कि इस सालाना आसियान सम्मेलन में शामिल सभी नेताओं में सबसे ज्यादा बार (नौ बार) पीएम मोदी ने ही हिस्सा लिया है। यह आसियान के मामलों में भारत की बढ़ती भूमिका को भी बताता है। वहीं, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गत रविवार की शाम इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के सम्मान में डिनर आयोजित किया। इस दौरान इंडोनेशियाई राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने कुछ ऐसा कहा, जिसे सुनकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत सभी गणमान्य लोग खिलखिलाकर हंस पड़े। दरअसल, इंडोनेशियाई राष्ट्रपति ने भारत और इंडोनेशिया के बीच प्राचीन संबंधों की बात कहते हुए कहा कि हमारी भाषा के कई अहम शब्द संस्कृत भाषा से आते हैं।

बकौल इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो, भारत और इंडोनेशिया के आपसी संबंधों का इतिहास बेहद पुराना है। दोनों देशों की सभ्यताओं में भी गहरा जुड़ाव रहा है, यहां तक कि हमारी भाषा के कई अहम शब्द संस्कृत भाषा के हैं। हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में भी प्राचीन भारतीय सभ्यता का प्रभाव है। यहां तक कि हमारे जीन्स यानी डीएनए में भी समानता है। इंडोनेशियाई राष्ट्रपति ने यहां तक कहा कि कुछ हफ्ते पहले ही मैंने अपनी जेनेटिक्स सीक्वेंसिंग और डीएनए टेस्ट कराया। मुझे बताया गया कि मेरा डीएनए भारतीय है। सभी जानते हैं कि जैसे ही मैं भारतीय संगीत सुनता हूं, तभी मैं थिरकना शुरू कर देता हूं। वहीं, मासूमियत पूर्वक सुबियांतो ने आगे कहा कि मुझे यहां (भारत) आने पर गर्व है। मैं कोई खांटी राजनेता नहीं हूं, न ही अच्छा कूटनीतिकार हूं, मैं जो भी कहता हूं, दिल से कहता हूं। मुझे यहां आए हुए कुछ ही दिन हुए हैं, लेकिन मैंने पीएम मोदी के नेतृत्व और उनके समर्पण से काफी कुछ सीखा है। उनका गरीबी को दूर करने और कमजोर वर्ग की मदद करने के लिए जो समर्पण है, वह हमारे लिए प्रेरणा है। इंडोनेशिया ने भारत की समृद्धि, शांति के लिए कामना की और उम्मीद जताई कि भारत और इंडोनेशिया के संबंध आगे भी मजबूत होते रहेंगे। यही वजह है कि मोदी और सुबियांटो ने भारत-इंडोनेशिया के आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के तरीकों पर भी चर्चा की। ताकि मजबूती पूर्वक दोनों देश अपने अंतर्राष्ट्रीय एजेंडे को आगे बढ़ा सकें। इस दौरान उन्होंने द्विपक्षीय लेन-देन के लिए स्थानीय मुद्राओं के उपयोग के लिए पिछले वर्ष हुए समझौता ज्ञापन के शीघ्र कार्यान्वयन के महत्व पर भी बल दिया। उनका मानना है कि द्विपक्षीय लेन-देन के लिए स्थानीय मुद्राओं के उपयोग से व्यापार को और बढ़ावा मिलेगा और दोनों अर्थव्यवस्थाओं के बीच वित्तीय एकीकरण गहरा होगा। वहीं, मोदी और सुबियांटो ने आतंकवाद के सभी रूपों की कड़ी निंदा करते हुए भारत-इंडोनेशिया आतंकवाद विरोधी सहयोग बढ़ाने का संकल्प दोहराया और बिना किसी दोहरे मापदंड के इस खतरे से निपटने के लिए ठोस वैश्विक प्रयासों का आह्वान किया। दोनों नेताओं ने सभी देशों से संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों और उनके सहयोगियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई करने का आह्वान किया। इससे स्पष्ट है कि देर सबेर भारत, चीन पर दबाव बढ़ाने की अपनी रणनीति में कामयाब रहेगा। क्योंकि इस मसले पर उसे अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान के अलावा आसियान देशों का भी साथ मिल रहा है। चूंकि रूस भारत का मित्र देश है, इसलिए उसकी तटस्थता भी भारत के लिए मायने रखेगी।

सोशल मीडिया पर दिखावे का जीवन...

हमारे दिखावापसंद समाज में आजकल सरल होना सबसे कठिन काम हो गया है। लोग दिखावे के लिए अनाप-शनाप खर्च करते हैं, अनावश्यक फैशन करते और फिर उसका सोशल मीडिया पर प्रदर्शन करते हैं। खुद को सुर्खियों में रखने के लिए लोग ऊटपटांग हरकतों से भी बाज नहीं आते। हमारी आत्ममुग्धता सिर चढ़ कर बोलने लगी है। कुछ समय पहले तक कोई भी व्यक्ति अपनी छोटी-मोटी उपलब्धियों का बखान खुद नहीं करता था।

शिखर चंद जैन

कोई बड़ा सम्मान या उपलब्धि हासिल होती और लोग प्रशंसा करते तो भी सम्मानित व्यक्ति बड़े संकोच से लोगों का धन्यवाद करता था। आजकल हम अपनी जिंदगी की छोटी से छोटी बात या उपलब्धियों को इतराकर और बढ़ा-चढ़ाकर सोशल मीडिया पर तुरंत प्रचारित करते चले जाते हैं। हमने अपनी निजी जिंदगी में शायद ही कुछ ऐसा छोड़ा हो, जो हमारा निजी रह गया हो। इस मामले में जापानी सिद्धांत किंत्सुगी अपनी सहजता या कमियां छिपाने के बजाय, उन्हें दुरुस्त करने पर जोर देता है। इसमें बताया गया है कि हमारी खामियां ही हमें सुंदर और मूल्यवान बनाती हैं। सच्चाई ही ज्यादा प्रामाणिक और वास्तविक होती है। सरल होने का मतलब असफल या पिछड़ा हुआ होना बिल्कुल नहीं होता। बल्कि बिना मकसद के दिखावा करना, निरर्थक खर्च करना, अपनी बेहतरी के बजाय दूसरों को प्रभावित करने के लिए श्रम, संसाधन और समय की बर्बादी करना बेवकूफी या नासमझी अवश्य है। सामान्य होना नहीं, बल्कि असामान्य होना समस्यामूलक या गलत हो सकता है।

दुनिया के कई महान राजनेता, खिलाड़ी, कलाकार, समाजसेवी और वैज्ञानिक सामान्य जीवन शैली का पालन करते हुए भी असाधारण व्यक्तित्व के स्वामी और दुनिया में करोड़ों लोगों

के चहेते बने हैं। इसकी वजह यह है कि उनके जीवन का मकसद दूसरों को प्रभावित करना नहीं, बल्कि उन्हें उनके लिए कुछ प्रभावशाली करना और लाभ पहुंचाना था। वे अपने सिद्धांतों और लक्ष्यों के प्रति समर्पित रहे। उनका मकसद अपने सिद्धांत और लक्ष्य प्राप्त करना रहा। जीवन के जापानी फलसफे वाबी साबी में कहा गया है कि आप जो करते हैं, उसमें खूबसूरती ढूंढ़ें, भले ही इनमें कुछ कमियां हों। आपको कुदरत से सीखना चाहिए, जिसमें कमियों के बावजूद ढेर सारी खूबसूरती मौजूद है।

कई बार सोशल मीडिया पर लोगों को अत्यधिक सक्रिय, सफल और प्रशंसित होता देख हमें ईर्ष्या का अनुभव होता है और हम बेवजह एक ऐसी प्रतियोगिता में उलझ जाते हैं, जिसकी न कोई जरूरत होती है और न ही कोई मकसद। हम महंगे कपड़े पहनकर, धनी इलाके में मकान खरीद कर या करोड़ों की संपत्ति के स्वामी बनाकर असाधारण नहीं बन सकते, बल्कि किसी भूखे को रोटी खिलाकर, गरीब बच्चों की शिक्षा का प्रबंध करके, अकाल या बाढ़ से पीड़ित लोगों को राहत पहुंचा कर असाधारण व्यक्तित्व के स्वामी अवश्य बन सकते हैं।

हमारी सफलता सोशल मीडिया मंच पर सुर्खियों में रहने में नहीं, बल्कि अपने माता-पिता को सुखपूर्वक जीवन व्यतीत करने का मौका देने, अपनी संतान को पथभ्रष्ट होने से बचाने और समाज-परिवार के प्रति अपने दायित्व पूरे करने में है। इस संबंध में इकीगाई नामक जापानी विचार कहता है कि हमें एक अर्थपूर्ण और तृप्ति देने वाला जीवन जीना चाहिए। हम वही करें जो हमें अच्छा लगता है और जिसकी इस दुनिया को वास्तव में जरूरत है। साथ ही, जो हमारे लिए अर्थपूर्ण, उपयोगी और फायदेमंद भी हो।

हमारी पहचान जीवन के अलग-अलग पहलुओं पर निर्भर करती है। हर व्यक्ति की अपनी कई तरह की पहचान और विभिन्न व्यक्तित्व होते हैं। उन्हें धार देना, गढ़ना और प्रभावशाली बनाना जरूरी है। हमारी पहचान सामाजिक, पेशेवर, बौद्धिक, भावनात्मक और शारीरिक पहलुओं की एक कड़ी होती है। यह एक पेशेवर, कारोबारी, मित्र, रिश्तेदार या संबंधी आदि के रूप में होती है। अपनी हर पहचान को प्रभावशाली बनाना ही सफलता का द्योतक है। हमें अपने सामाजिक, पेशेवर, पारिवारिक दायरे के लोग महत्त्वपूर्ण, सहायक, उपयोगी, मिलनसार और विश्वसनीय मानते हों तो यह किसी भव्य भवन में रहने, महंगी कार में घूमने और ब्रांडेड कपड़े पहनने से ज्यादा अच्छा माना जाएगा। सोशल मीडिया पर हमें कितने लोग पसंद करते हैं, यह मायने नहीं रखता। मायने यह रखता है कि विकट परिस्थिति में हमारी बीमारी में या हमारे निमंत्रण पर हमारे घर कितने लोग आते हैं और हमारी मदद के लिए तत्पर रहते हैं। सामाजिक समूह हों या व्यक्तिगत रिश्ते या फिर हमारा कुदरती माहौल हो, हमारी सार्थकता और सफलता इनके साथ मेलजोल रखने में ही है।

हम सोशल मीडिया पर ज्यादा से ज्यादा प्रशंसा पाने के लिए अपनी झूठी छवि गढ़ रहे हैं। इसके लिए हम अपनी असली जिंदगी और जरूरी कामों से समझौता करने लगे हैं। आंकड़े बताते हैं कि इस वक्त दुनिया में अस्सी करोड़ लोग सोशल मंचों का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसकी वजह से नई पीढ़ी की कार्य क्षमता और कार्य कुशलता पर विपरीत असर पड़ रहा है। हम आभासी दुनिया के फरेब में फंस जाते हैं और अपने वास्तविक लक्ष्य और जीवन के मकसद को भूल जाते हैं। हम सतही चमक दमक में व्यस्त और मस्त होकर अपने आप को ही भूलने लगते हैं। इसका अंत अक्सर अवसाद, तनाव, उदासी और चिड़चिड़ापन के रूप में और हर मोर्चे पर असफलता और कभी-कभी आत्महत्या में होता है।

लोगों पर प्रभाव जमाना है तो समानुभूति का गुण सीखना चाहिए। इसमें हम खुद को दूसरों के स्थान पर रखकर सोचते हैं कि मैं इस व्यक्ति के लिए अब क्या कर सकता हूं? यह व्यक्ति क्या महसूस कर रहा है? इस व्यक्ति को अब किस प्रकार की परेशानी या समस्या हो रही है..!

अभिभावकों की सहमति से कुपोषित 2 बच्चों को लें गोद : डीडीसी

बोकारो (ससे) : उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर उप विकास आयुक्त (डीडीसी) गिरजा शंकर प्रसाद ने समाहरणालय स्थित सभागार में बुधवार को जिला समाज कल्याण विभाग एवं सामाजिक सुरक्षा द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के प्रगति कार्य की समीक्षा किया। मौके पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डा. सुमन गुप्ता, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा श्री पियूष, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, सभी प्रखंडों की महिला पर्वेक्षिका आदि उपस्थित थे।

बैठक में उप विकास आयुक्त ने सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना में परियोजनावार लक्ष्य और उपलब्धि की समीक्षा की। इस क्रम में शिक्षा विभाग द्वारा उपलब्ध आंकड़ों एवं परियोजना से जिला को प्राप्त आवेदनों में लगभग ९,७०६ अंतर है। इस अंतर को समाप्त करने, सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों से समन्वय स्थापित करते हुए विद्यालयों में उपलब्ध आवेदनों को प्राप्त कर जिला कार्यालय को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि सभी विद्यालय प्रधानाध्यापकों से इसका सर्टिफिकेट प्राप्त करें कि उनके यहां योजना से जुड़ने की आहर्ता रखने वाली कोई भी छात्रा छूटी नहीं है। उप विकास आयुक्त ने इस कार्य को हर हाल में महिला पर्वेक्षिकाओं (एलएस) को ०५ फरवरी २०२५ तक पूरा करने को कहा।

उप विकास आयुक्त ने परियोजनावार *गंभीर तीव्र कुपोषण (सैम) - मध्यम तीव्र कुपोषण (मैम) की समीक्षा की। इस क्रम में उन्होंने गंभीर तीव्र कुपोषण (सैम) पीड़ित ०२ बच्चों को सभी महिला पर्वेक्षिकाओं (एलएस) को अभिभावकों के सहमति से गोद लेने की बात कही। उन्हें गोद लेकर नजदीकी कुपोषण उपचार केंद्र (एमटीसी) में भर्ती कराएं, उनका क्लोज मानीटरिंग करें। उन्हें डाइट/फ्रुट बासकेट उपलब्ध करें। इन बच्चों की तब -तक देखभाल करें, जब तक वह ग्रीन जोन में नहीं आ जाएं।

मौके पर उपस्थित जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने कहा कि परियोजना स्तर पर महिला पर्वेक्षिकाओं द्वारा जिन दो अति कुपोषित बच्चों को गोद लेंगी। उनका एक अलग से प्रोफाइल सहित संचिका खोलेंगे, परियोजना स्तर पर जिसका संधारण होगा। ताकि यह पता चल सके कि बच्चा अति कुपोषित से सामान्य श्रेणी में आ चुका है। साथ ही, यह कार्य महिला पर्वेक्षिका के मूल्यांकन का एक बिंदु होगा।

उप विकास आयुक्त ने इसके अलावा प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना (पीएमएमवीवाई), पोषण ट्रैकर एप, आंगनबाड़ी केंद्र भवन निर्माण हेतु जमीन चिन्हितकरण, केंद्रों में विद्युत कनेक्शन, सेविका/सहायिक चयन, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना आदि के प्रगति की भी समीक्षा की और जरूरी दिशा निर्देश दिया।

पोषण ट्रेकर एप का इस्तेमाल करते हुए डाटा को अपडेट करने/मानीटरिंग को कहा। वहीं, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के तहत लाभुकों को चिन्हित कर उन्हें योजना के तहत किस्त की राशि भुगतान करने का निर्देश दिया। उधर, सामाजिक सुरक्षा कोषांग की समीक्षा क्रम में उप विकास आयुक्त ने झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना (जेएमएमएसवाई) के तहत जिला से उपलब्ध लगभग ०७ हजार लाभुकों के डाटा का पुनः घर - घर जाकर भौतिक सत्यापन करने का निर्देश दिया। उन्होंने तीन दिनों में सभी एलएस को आंगनबाड़ी कर्मियों के सहयोग से इसे पूरा करने को कहा। मौके पर उपस्थित सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा ने कई जरूरी जानकारी दी।

बैठक में उपस्थित डीपीएम यूआइडी शैलेंद्र कुमार मिश्र ने आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों के आधार पंजीकरण के लिए आयोजित शिविर की जानकारी देते हुए कहा कि पोषक क्षेत्र में शून्य से ०५ वर्ष तक के सभी बच्चों का शत प्रतिशत आधार पंजीकरण सुनिश्चित करें। स्थानीय स्तर पर इसका प्रचार - प्रसार करें।

घटवार आदिवासी महासभा ने निकाला आक्रोश मार्च

डुमरी (ससे): निमियाघाट थाना काण्ड संख्या ०५/२०२५ के विरूद्ध उचित कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाकर घटवार आदिवासी महासभा के जिला अध्यक्ष महावीर सिंह के नेतृत्व में बुधवार को आक्रोश मार्च निकाला गया जो कलाली रोड इसरी से निकल कर बस स्टैण्ड, बेरमो मोड़ होते हुए अनुमंडल कार्यालय परिसर पहुंच कर नुक्कड़ सभा में तब्दील हो गया।

आक्रोश मार्च में शामिल लोगों से जिलाध्यक्ष ने कहा कि मेरी स्वीफ्ट गाड़ी को ४ जनवरी की रात्रि जला दिया गया,जिसके चपेट में आकर एक अन्य वाहन भी जल गया।मामले को लेकर पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर नामजद प्राथमिकी दर्ज भी किया लेकिन आरोपी के विरूद्ध उचित कार्रवाई करने के बजाय वह मामले की लीपापोती में लगी है जिसे किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कार्यक्रम में शामिल लोगों के द्वारा पुलिस के विरोध में नारेबाजी की जा रही थी।

अंत में एक ज्ञापन एसडीपीओ कार्यालय को सौंपा गया।पत्र में उक्त कांड के आरोपी के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है।इस दौरान घटवार आदिवासी महासभा के जिलाध्यक्ष बिनोद सिंह, अर्जुन सिंह, गोपाल राय, गोविंद राय, तेजलाल सिंह, चेतलाल सिंह, खुबलाल सिंह, प्रेम सिंह, फलेश्वर सिंह आदि दर्जनों महिला पुरुष उपस्थित थे।इस संबंध में निमियाघाट थाना प्रभारी सुमन कुमार ने कहा की इस कांड के बादी महावीर सिंह द्वारा संदेह के आधार पर सिकन्दर यादव और उनके पुत्र दिपांशु यादव के विरूद्ध आपसी विवाद में उसके स्विपट कार जलाने के आरोप पर कांड संख्या ५/२५ दर्ज कर ली गई थी।कहा कि प्राथमिक अभियुक्त दिपान्शु यादव गिरफ्तारी के डर से घटना की रात्रि युपी होते हुए दिल्ली फिर मुम्बई चला गया।बताया कि पुलिस की दबिश के कारण दोनों अभियुक्त ने न्यायालय में आत्म समर्पण कर दिया। न्यायालय से दोनों की रिहाई हुई है।

जिले में योजना के तहत कुल 11,200 डुप्लीकेट आवेदन मिले

बोकारो (ससे): राज्य सरकार की महत्वकांक्षी योजना झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना (जेएमएमएसवाई) के भौतिक सत्यापन में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर सामाजिक सुरक्षा विभाग द्वारा योजना के लाभुकों का भौतिक सत्यापन के क्रम में एक ही बैंक खाता का नंबर दर्ज कर अलग - अलग नाम से अलग - अलग प्रखंडों से कुल ९५ बार आवेदन किया गया है।

जिसमें चास प्रखंड - चास नगर निगम क्षेत्र से कुल ६७ बार एवं गोमिया प्रखंड से २८ बार आवेदन किया गया है। जांच क्रम में यह पता चला है कि इंडसइंड बैंक में ही ऐसे ज्यादतर बैंक खाता खुला है। यह सभी आवेदन पलामू जिले के डालटेनगंज के मेदनीनगर स्थित सीएससी वीएलई सुमीत कुमार के आइ डी सं. ५४२३१६२२००१३ से किया गया है।

सत्यापन क्रम में यह स्पष्ट हुआ है कि बैंक खाता संख्या १००२५३३८७०४७, जिसके खाता धारक का नाम यूसुफ है, पता - पतागोड़ा, बड़ाखांती, उत्तरदिनाजपुर, राज्य- पश्चिम बंगाल* है। इस खाता का इस्तेमाल कुल ९५ बार अलग - अलग नाम से योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन किया गया है। इस दौरान दर्ज राशन कार्ड का संख्या भी फर्जी अंकित है, जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने जांच के क्रम में इसकी पुष्टी की है। वहीं, सभी नामों के उप नाम में किस्कू, हांसदा और मुर्मू शब्द जोड़ा गया है। २१ नवंबर २०२४ को एक ही साथ कई बार आवेदन किया गया है। उपायुक्त ने खाता धारक के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया है।

स्वीकृति के क्रम में कई आवेदनों को बीडीओ/सीओ स्तर से स्वीकृत भी किया गया है। लेकिन, उपायुक्त के निर्देश पर सामाजिक सुरक्षा द्वारा एक से ज्यादा बार इंट्री एक ही खाता का संविक्षा के बाद राशि हस्तांतरित करने की स्वीकृति पर रोक लगाएं जाने के कारण राशि का हस्तांतरण खातों में नहीं किया गया ।

उधर, झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना (जेएमएम एसवाई) सत्यापन क्रम में जिले में ऐसे कुल ११,२०० डुप्लीकेट आवेदन प्राप्त हुआ है। जिसका पुनः एक बार आंगनबाड़ी कर्मियों से भौतिक सत्यापन कराया जा रहा है। जिसके बाद संबधितों को चिन्हित कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

सांसद से शव वाहन उपलब्ध कराने की मांग

डुमरी (ससे): जिप सदस्या सुनीता कुमारी ने गिरिडीह सांसद चन्द्रप्रकाश चौधरी से भेंट कर पत्र सौंपकर डुमरी में सांसद निधि से शव वाहन उपलब्ध कराने की मांग की है।पत्र में लिखा है कि डुमरी प्रखंड में करीब ३ लाख आबादी है तथा दो नेशनल हाईवे गुजरी है। यहां कई तरह की सड़क दुर्घटना घटती रहती है।

इस दौरान शव को पोस्टमार्टम कराने के लिए गिरिडीह ले जाना होता है परंतु शव को गिरिडीह ले जाने के लिए जब वाहन की जरूरत पड़ती है तो वाहन ढूंढने से नहीं मिलता है मजबूरन माल ढोवा पिक-अप वाहन में शव ले जाना पड़ता है।कई बार तो शव को ठेले से भेज दी जाती है जिसका विरोध करने पर मुकदमा भी दर्ज की जाती है इसलिए प्रखंड में एक शव वाहन की आवश्यकता है। जिप सदस्या ने बताया कि सांसद ने भरोसा दिया है कि सांसद निधि से डुमरी प्रखंड में शव वाहन जल्द ही उपलब्ध कराया जाएगा।

अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा 16 रहे अनुपस्थित

बोकारो (ससे): राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की ओर से इंजीनियरिंग संस्थानों में नामांकन के लिए जारी संयुक्त प्रवेश परीक्षा मुख्य (जेईई मेन) के प्रथम सत्र के तहत बुधवार को बोकारो के दो परीक्षा केंद्रों पर कुल ६५३ अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। जबकि, कुल ६६९ परीक्षार्थियों में से १६ कैंडिडेट अनुपस्थित रहे। एनटीए के सिटी कोआर्डिनेटर एवं डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार के अनुसार, अल्फा आईसीटी सेंटर में बने केंद्र में पहली पाली में कुल २२१ में २१४ कैंडिडेट ने परीक्षा दी, जबकि ०७ अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। इसी केंद्र पर दूसरी पाली में कुल २१९ में २१७ ने परीक्षा दी और ०२ परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार, आरआर टेक्नोलॉजी सेंटर पर पहली पाली में कुल ११४ में १११ अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि ०३ अनुपस्थित रहे।

वहीं, दूसरी पाली में कुल ११५ में १११ विद्यार्थियों ने परीक्षा दी और ०४ अनुपस्थित रहे। सिटी कोआर्डिनेटर डॉ. गंगवार ने बताया कि परीक्षाएं शांतिपूर्वक एवं कदाचारमुक्त चल रही हैं। गुरुवार (३० जनवरी) को अल्फा आईसीटी सेंटर में केवल पहली पाली में ५४ अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे।

किशोरियों के साथ आत्म रक्षा गतिविधि कार्यक्रम

गिरिडीह(ससे): बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के १० वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आज समाज कल्याण विभाग के द्वारा राजकीयकृत मध्य विद्यालय, मकतपुर में किशोरियों के साथ आत्म रक्षा गतिविधि (कराटे) का कार्यक्रम चलाया गया। इसके अतिरिक्त गुड टच-बैड टच, जेंडर समानता, यौन उत्पीडन एवं बालक-बालिकाओं से संबंधित अन्य कानूनी संबंधी जानकारी दी गई तथा इस संबंध में किशोरियों के बीच व्यापक जागरूकता चलाया गया। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के माध्यम से लिंग आधारित भेदभाव को कम करने, शिक्षा को बढ़ावा देने तथा बालिकाओं के अस्तित्व और सुरक्षा को सुनिश्चित करना है।

यह कार्यक्रम बालिकाओं के लिए अधिक अवसरों का समर्थन करने, शिक्षा, कानूनी अधिकार, चिकित्सा, देखभाल, महिलाओं के प्रति हिंसा और बाल विवाह जैसे विषयों पर व्यापक जागरूकता लाना है। इसके अलावा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं अभियान के तहत बाल विवाह को रोकने, बेटियों की पढ़ाई और सुरक्षा को लेकर शपथ दिलाई गई। इस दौरान किशोरियों के लिए चार मुख्य अधिकार १. जीने का अधिकार २. विकास का अधिकार ३. सुरक्षा का अधिकार तथा ४. सहभागिता का अधिकार आदि के संबंध में जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि बालक एवं बालिकाओं का जन्मदर अनुपात को समान करना है तथा कन्या भ्रूण हत्या को रोका जाना है। इस अभियान के कुरीतियों को दूर किया जाना है।

अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष का स्वागत

डुमरी (ससे): झारखंड अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष प्राणेश सॉलेमन मंगलवार की रात्रि हजारीबाग से गोड्डा जा रहे थे।इस दौरान युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने अनुमंडल कार्यालय डुमरी समीप स्थित एक होटल में आयोग के उपाध्यक्ष का बुके देकर स्वागत किया। वहीं इस दौरान अल्पसंख्यक आयोग से संबंधित कार्यों पर चर्चा की गई साथ ही अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों की समस्याओं पर भी चर्चा की गई।उपाध्यक्ष नें युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को यह आश्वासन दिया कि आयोग से संबंधित जो भी समस्या है,उसके समाधान के दिशा में वह हरसंभव प्रयास करेंगे।मौके पर आयोग के सदस्य कारी बरकत अली युवा कांग्रेस के जिला महासचिव गुड्डु मलिक,सन्नाउल्लाह अंसारी, सादिक अली आदि उपस्थित थे।

बिहार को नहीं मिला टेक्सटाइल पार्क

पटना (एजेंसी): केंद्र सरकार द्वारा भारत को सबल और प्रबल बनाने के लिए कई तरह की योजनाएं चलाई जा रही है। इन्ही योजनाओं में से एक योजना पीएम मित्र पार्क है। केंद्र सरकार ने इस योजना को सफल बनाने के लिए हाल ही में देश के कई राज्यों को चुना है। इन राज्यों में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, गुजरात, तेलंगाना, महाराष्ट्र सहित तमिलनाडु के नाम शामिल है। वहीं इस लिस्ट में बिहार का मान नहीं होने पर सवाल उठने लगे हैं. बता दें कि देश के कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह बिहार से ही आते हैं, लेकिन बिहार को आज तक एक भी टेक्सटाइल पार्क नहीं मिला.

कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह से जब इस बारे में सवाल पूछा गया तो वो भड़क गए. दरअसल भारत के कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह से जब पूछा गया लिया कि आप बिहार से आते हैं, तो बिहार के लोग ये जानना चाहते हैं कि बिहार को टेक्सटाइल पार्क क्यों नहीं मिला? इस सवाल को सुनते ही गिरिराज सिंह ने ह्चिक हुए कहा कि जिन भी राज्यों को टेक्सटाइल पार्क मिला है, उन्होंने इसके लिए जरुरी सभी क्राइटेरिया को पूरा किया है, आगे और देखेंगे. वहीं इस सवाल से केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह नाराज भी हो गए और उन्होंने कहा कि ऐसा नेगेटिव प्रश्न क्यों करते हैं?

पीएम मित्र पार्क योजना के माध्यम से सरकार देश में कपड़ा उद्योग को बढ़ावा देने वाली है. इस योजना के तहत इन पार्कों में कपड़े पर किए जाने वाले हर एक काम को किया जाएगा. जिन राज्यों ने इसके लिए सभी जरुरी क्राइटेरिया को पूरा किया है, अब उन राज्यों को में इन पार्कों का निर्माण होगा, लेकिन गिरिराज सिंह ने आश्वासन भी दिया है कि बिहार के लिए भी वो इस टेक्सटाइल पार्क की योजना को पूरा कराएंगे.

कुंभ स्पेशल ट्रेन पर पथराव

झांसी (ईएमएस): झांसी से प्रयागराज जा रही एक विशेष ट्रेन पर हरपालपुर स्टेशन पर तब पथराव किया गया, जब प्लेटफार्म पर इंतजार कर रहे यात्रियों ने डिब्बों के दरवाजे बंद मिले। वीडियो में हमलावरों को ट्रेन पर पत्थर फेंकते और उसकी खिड़कियां तोड़ते हुए दिखाई दिए है, जबकि यात्री डर के मारे चीख रहे हैं। वीडियो में एक यात्री यह कहते हुए सुना जा सकता है कि ट्रेन कल रात करीब ८ बजे झांसी स्टेशन से प्रयागराज के लिए रवाना हुई थी।

ट्रेन हरपालपुर पहुंची और तभी हमला हुआ। उन्होंने ट्रेन को नुकसान पहुंचाया और अंदर पत्थर फेंके। उन्होंने यात्रियों को मारने की कोशिश की। यहां महिलाएं और बच्चे भी हैं।

अली अनवर व भगीरथ मांझी ने थामा कांग्रेस का हाथ

पटना,(ईएमएस): बिहार की जेडीयू को बुधवार को दोहरा झटका लगा है। जेडीयू के पूर्व राज्यसभा सांसद अली अनवर और माउंटेन मैन कहे जाने वाले दशरथ मांझी के बेटे और जेडीयू नेता भगीरथ मांझी कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। दोनों ने बुधवार को दिल्ली में होने वाले मिलन समारोह में कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। कांग्रेस बिहार विधानसभा चुनाव में सवर्ण के साथ अल्पसंख्यक और दलित वोटबैंक को साधने की तैयारी कर रही है। इसको देखते हुए दोनों को पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई जा रही है।

जरूरतमंद लड़कियों को दी गयी सिलाई मशीन

गिरिडीह(ससे): इनर व्हील क्लब गिरिडीह ने डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन अलकनन्दा बख्शी के आधिकारिक दौरे एवम ३५वे चार्टर डे के अवसर पर कई सेवाकार्य किये ।तीन जरूरतमंद लड़कियों को सिलाई मशीन दिया गया ताकि वे आर्थिक रूप से स्वतंत्र हो सकें तथा एक जरूरतमंद व्यक्ति को व्हील चेयर दिया गया । डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन अलकनन्दा बख्शी के औपचारिक दौरे के अवसर पर होटल गार्डन ब्यू में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया साथ ही क्लब का पैंतीसवां चार्टर डे मनाया गया ।कार्यक्रम में शहर के कई संस्थाओं के महिला पुरुष उपस्थित हुए । क्लब अध्यक्ष डाक्टर रूपाश्री खैतान ने सभी सम्मानित अतिथियों को पौधा देकर सम्मानित किया ।क्लब सेक्रेटरी निवेदिता पोद्दार ने क्लब द्वारा अब तक किये गए कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया ।क्लब में दो नई सदस्याओं रिया बादल और नीलम कंधवे को सम्मिलित किया गया ।डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन अलकनन्दा बख्शी ने क्लब द्वारा किये गए कार्यो की बहुत सराहना की ।

चार्टर डे सेलेब्रेशन के दौरान क्लब की चार्टर मेम्बर एवम पास्ट इंटरनेशनल एडिटर प्रभा रघुनन्दन ने ३५ वर्षों के क्लब के गौरवमयी इतिहास की जानकारी दी ।क्लब अधयक्ष रूपाश्री खैतान ने क्लब की सभी पास्ट प्रेसिडेंट को सम्मानित किया ।इस अवसर पर इनर व्हील क्लब गिरिडीह के नाम का स्मरणीय डेस्क टॉप कैलेंडर रिलीज किया गया । क्लब की उपस्थित सदस्याएं - डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन अलकनन्दा बख्शी , क्लब अध्यक्ष डॉक्टर रूपाश्री खैतान , क्लब वाईस प्रेसिडेंट हेमा दत्ता , सेक्रेटरी निवेदिता पोद्दार , ट्रेजरर डॉक्टर पायल वर्मा , एडिटर सोनी कंधवे , सी जी आर रेखा तर्वे , डिस्ट्रिक्ट वाईस चेयरमैन रश्मि गुप्ता , पास्ट इंटरनेशनल एडिटर प्रभा रघुनन्दन , पास्ट डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन रुही अहमद , क्लब सदस्या, आराधना , उमा , साध्वी सिंह , चित्रलेखा डे, नौशाबा अहमद , डॉली हलधर आदि उपस्थित थे।

एनटीपीसी जूनियर तीरंदाजी चैंपियनशिप में पहुंचे राहुल महतो

बोकारो (ससे) : वेदांता ईएसएल तीरंदाजी अकादमी के प्रतिभावान राहुल महतो ४४वीं एनटीपीसी जूनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी चैंपियनशिप के लिए चयनित हुए हैं। बुढ़ीबिनोर गांव के सत्रह वर्षीय राहुल महतो ने १० से १७ फरवरी, २०२५ तक पश्चिम बंगाल के बोलपुर में होने वाली ४४वीं एनटीपीसी जूनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी चैंपियनशिप में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे। उनकी यह उपलब्धि चैंपियन बनाने और जमीनी स्तर की प्रतिभाओं को बढ़ावा देने में वेदांता ई एस एल तीरंदाजी अकादमी की निरंतर सफलता को दर्शाती है।

राहुल की साधारण शुरुआत से राष्ट्रीय मंच तक की यात्रा, सहनशीलता, समर्पण और वेदांता ई एस एल तीरंदाजी अकादमी द्वारा प्रदान की जाने वाली विश्व स्तरीय प्रशिक्षण के प्रभाव का एक सच्चा प्रमाण है। एसएमजी +२ हाई स्कूल बिजुलिया में कक्षा ११ के छात्र राहुल चार सदस्यों के एक साधारण परिवार से आते हैं। जहाँ आर्थिक तंगी ने तीरंदाजी में उत्कृष्टता हासिल करने के उनके प्रयासों को कभी नहीं रोका। जून २०२२ में अकादमी में शामिल होने के बाद से, राहुल ने विशेषज्ञ कोचिंग के तहत अपने कौशल को निखारा है और खेल में असाधारण कौशल का प्रदर्शन किया है।

जमशेदपुर के जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित झारखंड जूनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी टीम चयन ट्रायल में उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन ने राज्य के शीर्ष प्रतियोगियों में उनका स्थान सुनिश्चित किया। ६० शीर्ष तीरंदाजों के खिलाफ प्रभावशाली ६६५ अंक हासिल करके, राहुल इस क्षेत्र की सबसे प्रतिभाशाली प्रतिभाओं में से एक के रूप में उभरे। राहुल की सफलता ने उनके समुदाय में अपार गर्व की भावना जगाई है। जिससे खेल के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाने के लिए अकादमी की प्रतिबद्धता को बल मिला है।

राहुल एनटीपीसी जूनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी चैंपियनशिप की तैयारी कर रहे हैं। वे अपने परिवार, अकादमी और समुदाय की आकांक्षाओं को अपने साथ लेकर चल रहे हैं। उनकी ये उपलब्धि पूरे देश के युवा एथलीटों के लिए प्रेरणा का स्रोत है, जो व्यक्तिगत और सामाजिक विकास के लिए उत्प्रेरक के रूप में खेलों की परिवर्तनकारी शक्ति को प्रदर्शित करती है।

राहुल की उपलब्धि पर बोलते हुए, ई एस एल स्टील लिमिटेड के सीएसआर प्रमुख श्री कुणाल दरिपा ने कहा, राहुल की यात्रा दृढ़ता और समर्पण का एक शानदार उदाहरण है। हमें उनकी उपलब्धियों पर बेहद गर्व है और हमें विश्वास है कि वह झारखंड को गौरवान्वित करते रहेंगे। उनकी सफलता युवा प्रतिभाओं को पोषित करने और उन्हें सर्वोत्तम संभव प्रशिक्षण और सहायता प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।

उन्होंने आगे कहा, वेदांता ई एस एल तीरंदाजी अकादमी राहुल महतो को इस अविश्वसनीय उपलब्धि के लिए बधाई देती है और उनके राष्ट्रीय अभियान में उनकी शानदार सफलता की कामना करती है। हमें विश्वास है कि वह झारखंड को गौरवान्वित करेंगे और अनगिनत युवा खेल उत्साही लोगों को अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करते रहेंगे।

वेदांता ई एस एल तीरंदाजी अकादमी ने लगातार खुद को उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में साबित किया है। महत्वाकांक्षी एथलीटों को पोषित किया है और उन्हें शीर्ष स्तरीय सुविधाओं और प्रशिक्षण से लैस किया है। चयन ट्रायल में भाग लेने वाले बोकारो के आठ प्रतिभागियों में से सात को अकादमी में प्रशिक्षित किया गया था । यह एक ऐसी उपलब्धि है जो युवा प्रतिभाओं को विकसित करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करती है।

सियालजोरी ई एस एल स्टील लिमिटेड प्लांट परिसर के अंदर स्थित, अकादमी को झारखंड में तीरंदाजी की अंतर्निहित समृद्ध विरासत को बढ़ावा देने के लिए ई एस एल स्टील लिमिटेड की सीएसआर पहल के माध्यम से २०२० में लॉन्च किया गया था। यह परियोजना अब एक प्रमुख संस्थान मानी जाती है और ग्रामीण क्षेत्रों से २१ वर्ष की आयु तक के सभी आयु समूहों के ५० तीरंदाजों को मार्गदर्शन, प्रशिक्षण, पोषण, संसाधन और प्रेरणा प्रदान करती है। अकादमी का संचालन प्रसिद्ध पेशेवरों द्वारा किया जाता है जो निम्नलिखित श्रेणियों के तहत तीन साल तक प्रशिक्षण प्रदान करते हैं: अंडर ९, अंडर १४, अंडर १७ और अंडर २१।

झारखंड के बोकारो जिले के सियालजोरी गाँव में स्थित, वेदांता ई एस एल स्टील लिमिटेड स्टील उत्पादों का एक प्रमुख निर्माता है। कंपनी २.५ मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) की क्षमता वाला एक ग्रीनफील्ड एकीकृत स्टील प्लांट संचालित करती है, जो पिग आयरन, बिलेट्स, टीएमटी बार, वायर रॉड और डक्टाइल आयरन पाइप सहित कई तरह के उत्पादों का उत्पादन करती है। यह प्लांट कड़े पर्यावरण मानकों का पालन करता है और विश्व स्तरीय उत्पाद और सेवाएँ देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञता और समाधानों का लाभ उठाता है।

पटना में ट्रेन एक्सीडेंट, 5 यात्रियों की मौत

पटना (एजेंसी): बिहार की राजधानी पटना में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब दानापुर रेलवे स्टेशन पर एक भीषण ट्रेन दुर्घटना की जानकारी मिली. दानापुर रेलवे स्टेशन के पश्चिमी छोर पर एक यात्री ट्रेन के बेपटरी होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई है. इस हादसे में दो बोगियां पटरी से उतर गईं, जिनमें से एक में आग लग गई. जिससे वहां अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया.

दुर्घटना में ५ यात्रियों की मौत हो गई है, जबकि २५ अन्य घायल हुए हैं. घबराइए नहीं... यह सच्चाई नहीं है, बल्कि दानापुर रेल मंडल के अधिकारियों की तरफ से मॉक ड्रिल किया गया था. इसमें घटना की जानकारी के बाद मौके पर अग्निशमन दल, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, रेलवे की आपातकालीन टीम और चिकित्सकों की टीम कितनी जल्दी पहुंचती है, इसकी जांच की गई.

इस मॉक ड्रिल में सभी टीमों ने सही टाइम पार पहुंचकर अपनी भूमिका की जिम्मेदारी निभाई. इस मौके पर दानापुर मंडल के एडीआरएम आधार राज समेत अन्य अधिकारी बचाव और राहत कार्यों में जुटे रहे. दानापुर एएसपी भानु प्रताप सिंह भी मौके पर मौजूद रहे. इस मॉक ड्रिल की घटना में दानापुर रेल मंडल की टीम ने एडीआरएम आधार राज के नेतृत्व में आयोजित किया था. इस मॉक ड्रिल का उद्देश्य आपातकालीन स्थितियों में त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना था. इस मॉक ड्रिल के दौरान, लाइव तस्वीरों में देखा सकते है कि कैसे विभिन्न आपातकालीन सेवाएं प्रभावी रूप से कार्य करती हैं.

अग्निशमन दल ने आग बुझाने का प्रदर्शन किया, जबकि एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमों ने घायलों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया. चिकित्सकीय टीमों ने घायलों को प्राथमिक उपचार प्रदान किया और गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को नजदीकी अस्पतालों में भेजा. दानापुर रेल मंडल के अधिकारियों ने इस मॉक ड्रिल के माध्यम से अपनी तैयारियों का मूल्यांकन किया और भविष्य में किसी भी वास्तविक आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए अपनी क्षमताओं को मजबूत किया.

एडीआरएम ने कहा कि इस तरह की मॉक ड्रिल्स रेलवे सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि ये आपातकालीन स्थितियों में त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने में मदद करती हैं.

झारखण्ड शिक्षा परियोजना, जामताड़ा
DISTRICT LEVEL OFFICE BLOCK-C NEW COMBINED BUILDING
DISTRICT- JAMTARA, PHONE/ FAX- 06433-223342, Email –ssajmt1@gmail.com

इच्छा की अभिव्यक्ति से संबंधित सूचना

राज्य परियोजना निदेशक, झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद्, राँची के पत्रांक 117 दिनांक 09.01.2025 के निदेश के आलोक में जामताड़ा जिला के 15 विद्यालयों (CM SoE, ULB, KGBV, JBAV एवं Block Level आदर्श विद्यालय) में अधिष्ठापित पुस्तकालय हेतु पुस्तकों का क्रय किया जाना है। इस निमित दिनांक 07.02.2025 को स्थान– CM SoE School JBC+2, जामताड़ा में पूर्वाह्न 11:00 बजे से पुस्तक मेला का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है।

पुस्तक मेला में भाग लेने हेतु इच्छुक प्रकाशक अपनी सहमति पत्र झारखण्ड शिक्षा परियोजना, जामताड़ा कार्यालय, कम्बाईण्ड बिल्डिंग ब्लॉक–सी, तृतीय तल्ला, समाहरणालय, जामताड़ा (Email ID- ssajmt1@gmail.com) को दिनांक 04.02.2025 तक ई–मेल अथवा डाक द्वारा समर्पित करते हुए पुस्तक मेला में भाग ले सकते हैं।

जिला शिक्षा पदाधिकारी–सह–
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी,
समग्र शिक्षा, जामताड़ा

PR 345417 District(24-25)#D

कार्यालय, धनबाद नगर निगम, धनबाद
email :-dhanbadmunicipalcorporationadm@gmail.com
Toll Free No.-18008904160

–ःआम सूचनाः–

पिछड़े वर्गों के लिए राज्य आयोग, झारखण्ड, राँची के पत्रांक 701/राँची दिनांक 03.12.2024 के आलोक में नगरपालिका आम निर्वाचन, 2024 के निमित्त पिछड़े वर्गों को आरक्षण दिये जाने की पात्रता निर्धारण हेतु धनबाद नगर निगम के **वार्ड-01** से **वार्ड-55** में डोर–टू–डोर सर्वेक्षण कार्य किया गया है। प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी के पर्यवेक्षण में तैयार एवं **अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित** प्रपत्र-01 से प्राप्त सूचना के आधार पर आंकड़ों का प्रारूप जिला के वेबसाइट-www.dhanbad.nic.in, धनबाद नगर निगम की वेबसाइट www.dhanbadmunicipalcorporation.com पर कार्यालय पत्रांक **167 दिनांक 24.01.2025** द्वारा आमजनों के लिए सूचना प्रकाशित किया गया था,परन्तु तकनिकी त्रुटि के कारण कुछ वार्ड के आंकड़ें प्रकाशित नहीं किये जा सके।

अतः उपरोक्त के आलोक में धनबाद नगर निगम कार्यालय, जिला एवं धनबाद नगर निगम के वेबसाइट पर आंकड़ों के प्रकाशन एवं आपत्ति की तिथि दिनांक **03.02.2025** तक के लिए विस्तारित की जाती है, एवं आंकड़ों से संबंधित विस्तृत प्रतिवेदन धनबाद नगर निगम कार्यालय में दिनांक **03.02.2025** तक कार्यालय दिवस के कार्यालय अवधि में अवलोकन किया जा सकता है।

सर्वेक्षण में प्रस्तुत आंकड़ों के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो दिनांक **03.02.2025** तक कार्यालय अवधि में लिखित रूप में अपनी आपत्ति, साक्ष्य सहित धनबाद नगर निगम कार्यालय में जमा कर सकते हैं।

प्रशासक–सह–नगर आयुक्त,
धनबाद

PR 345383 Urban Development and Housing(24-25)#D

कार्यालय :–असैनिक शल्य चिकित्सक–सह–मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, बोकारो।

विज्ञापन संख्या– 52/एन0यू0एच0एम0 — बोकारो, दिनांक– 28.01.2025

Walk in Interview

अपर मुख्य सचिव, स्वा0 चि0 शि0 एवं प0 क0 विभाग, झारखण्ड रॉची के पत्रांक 32(5)ब, यो0स्वा0 दिनांक 25.05.2023 के आलोक में राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन, बोकारो अंतर्गत अटल मुहल्ला क्लीनिक में **आयुष चिकित्सकों** की सेवा प्राप्त करने हेतु सूचिबद्ध/चयन किया जाना हैं। चिकित्सकों को सूचिबद्ध/चयन हेतु निम्नलिखित शर्तो के अधीन आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं।

1	न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता	BHMS/ BAMS/ BUMS की डिग्री।
2	उम्र सीमा	अधिकतम 67 वर्ष (सिविल सर्जन के माध्यम से निर्गत मेडिकल फिटनेस प्रमाण पत्र के आधार पर 70 वर्ष तक के चिकित्सकों की सेवा प्राप्त की जा सकती है। मेडिकल फिटनेस प्रमाण पत्र की वैधता एक वर्ष के लिए मान्य होगी)।
3	मानदेय	रू 20000.00 (बीस हजार मात्र) प्रतिमाह ।
4	कार्य का समय	प्रातः 08:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक।
5	सूचीबद्ध/चयन किए गये चिकित्सकों द्वारा भविष्य में नियमितिकरण हेतु किसी भी प्रकार का दावा मान्य नहीं होगा।	
6	Walk in interview में उपस्थित होने के लिए किसी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।	

इच्छुक उम्मीदवार अपना बायोडाटा, सभी मूल प्रमाण पत्र एवं प्रमाण पत्र की छाया प्रति के साथ **सिविल सर्जन कार्यालय (कैम्प–II), बोकारो** में दिनांक–**06/02/2025** को **11:30 बजे अपराह्न** Walk in Interview में उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगें।

असैनिक शल्य चिकित्सक–सह–
मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, बोकारो।

PR 345341 (Health Med Edu and Family Welfare) 24-25 (D)

कार्यालय, धनबाद नगर निगम, धनबाद
टोल फ्री नं0 :–18008904160 ई-मेल : dhanbadmunicipalcorporationadm@gmail.com

पत्रांक – 191 — दिनांक – 29.01.2025

–: अतिअल्पकालीन बन्दोबस्ती नीलामी सूचना :–

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि धनबाद नगर निगम के अन्तर्गत कतरास बाजार हटिया स्थित बकरी हट्टा पार्किंग/सैरात एवं स्टोल स्थल की बन्दोबस्ती प्रक्रिया दिनांक 07.02.2025 से 31.03.2025 तक के लिए खुली निलामी बन्दोबस्ती प्रक्रिया के द्वारा दिनांक 06.02.2025 को 3:00 PM में सम्पन्न की जानी है।

पंजीकरण शुल्क :–

इच्छुक डाक वक्ता दिनांक 05.02.2025 तक पंजीकरण शुल्क 1000/- (एक हजार) रूपया डिमांड ड्राफ्ट धनबाद नगर निगम के नाम से बनाकर कार्यालय में अपराहन् 3:00 बजे तक जमा करें। पंजीकरण शुल्क पूर्ण रूप से Non Refundable होगा।

जमानत राशि :–

डाक वक्ता को जमानत राशि धनबाद नगर निगम के नाम से बन्दोबस्ती राशि का दस प्रतिशत (10%) भुगतेय डिमांड ड्राफ्ट के रूप में जमा करना होगा। असफल डाक वक्ता की जमानत की राशि एकरारनामा के पश्चात् लौटा दी जाएगी।

क्र0सं0	अंचल	सैरात का नाम	2024–25 के लिए न्युनतम डाक राशि	जमानत राशि का 10%
1	कतरास	कतरास बाजार हटिया स्थित बकरी हट्टा पार्किंग एवं स्टोल स्थल की बन्दोबस्ती	2,41,985.00	24,198.00

नोटः–1. आवेदन तथा पंजीकरण शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 05.02.2025 अपराह्न 3:00 बजे तक।
2. खुली नीलामी बंदोबस्ती प्रक्रिया दिनांक 06.02.2025 अपराहन 3:00 बजे अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में की जाएगी।
3. नियम एवं शर्तें बेवसाइट www.udhd.jharkhand.gov.in पर एवं कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित है।

सहायक नगर आयुक्त, धनबाद नगर निगम।

PR.NO.345365 Urban Development and Housing(24-25):D

रजिस्ट्री सं. डी. एल.-33004/99 — REGD- No- D- L-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.–डी.एल.–अ.–22012025–260363 CG-DL-E-22012025-260363
असाधारण EXTRAORDINARY
भाग II— खण्ड 3—उप- खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY
सं. 329] नई दिल्ली, सोमवार, जनवरी 20, 2025/पौष 30,1946
No- 329] NEW DELHI, MONDAY, JANUARY 20, 2025/PAUSHA 30, 1946

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय
अधिसूचना
नई दिल्ली, 20 जनवरी, 2025

का.आ. 331(अ).–केन्द्रीय सरकार ने, राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम, 1956 (1956 का 48) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3क की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 468(अ) तारीख 02/02/2024, जो भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खण्ड 3, उपखड (ii) में प्रकाशित की गई थी, द्वारा झारखंड राज्य के जामतारा जिले में राष्ट्रीय उच्च पथ संख्या 419 के कि.मी. 8.56 (रूपनारायणपुर) से कि.मी. 43.800 (पोखरिया मोड़) तक के पथांश में चौड़ीकरण/पेव्डिशोल्डर सहित 2–लेन निर्माण, अनुरक्षण, प्रबंधन और प्रचालन के लिए उस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी ;

और उक्त अधिसूचना का सार उक्त अधिनियम की धारा 3क की उपधारा (3) के अधीन तारीख "14 फरवरी 2024 एवं 15 फरवरी 2024" को "प्रभार खबर" और "हिन्दुस्तान" दोनों में प्रकाशित किया गया था ;

जबकि सक्षम प्राधिकारी को धारा 3–ग के तहत दायर आपत्ति प्राप्त हुई है, जिस पर विचार किया गया है और उसका उचित रूप से निपटान किया गया;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 3घ की उपधारा (1) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दी है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, सक्षम प्राधिकारी की उक्त रिपोर्ट प्राप्त हो जाने पर और उक्त अधिनियम की धारा 3घ की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि का पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए अर्जन किया जाना चाहिए ;

और अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 3घ की उपधारा (2) के अनुसरण में यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन पर, उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि सभी विल्लंगमों से मुक्त होकर अत्यन्तिक रूप से केन्द्रीय सरकार में निहित हो जाएगी।

अनुसूची

झारखंड राज्य के जामतारा जिले में NH419 के कि.मी. 8.56 से कि.मी. 43.80 के लिए अर्जन की जाने वाली संरचना सहित अथवा संरचना रहित भूमि का संक्षिप्त विवरण।

राज्य का नाम: झारखंड			जिले का नाम: जामतारा		
क्रमिक संख्या	सर्वेक्षण संख्या	भूमि का प्रकार	भूमि की प्रकृति	भूमि का क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	भूस्वामी/हितबद्ध व्यक्तियों का नाम
1	2	3	4	5	6
तालुक का नाम: जामतारा सदर					
गांव का नाम: बेवा					
1	2438	निजी	वाड़ी दोयम	0.1193849	काली मंडल वो श्रीपति मंडल (आर0टी0) वंशज– रामकृष्ण मंडल वो मंटु मंडल वो दिलीप मंडल पिता– स्व0 हारू मंडल वो चन्द्रशेखर मंडल वो सिन्दुशेखर मंडल वो इन्दुशेखर मंडल वो नगेन्द्रनाथ मंडल वो गणेशचन्द्र मंडल वो राजीव मंडल पिता– स्व0 अर्जुन मंडल वो सेफाली मंडल पति– स्व0 किरिटी भूषण मंडल वो नीलकंठ मंडल वो शिव शंकर मंडल वो कैलाशपति मंडल पिता– स्व0 किर्तन मंडल वो वासुदेव मंडल पिता–स्व0 श्रीपति मंडल
2	2439	निजी	बाडी दोयम	0.0141643	काली मंडल वो श्रीपति मंडल (आर0टी0) वंशज– रामकृष्ण मंडल वो मंटु मंडल वो दिलीप मंडल पिता– स्व0 हारू मंडल वो चन्द्रशेखर मंडल वो सिन्दुशेखर मंडल वो इन्दुशेखर मंडल वो नगेन्द्रनाथ मंडल वो गणेशचन्द्र मंडल वो राजीव मंडल पिता– स्व0 अर्जुन मंडल वो सेफाली मंडल पति– स्व0 किरिटी भूषण मंडल वो नीलकंठ मंडल वो शिव शंकर मंडल वो कैलाशपति मंडल पिता– स्व0 किर्तन मंडल वो वासुदेव मंडल पिता–स्व0 श्रीपति मंडल
3	2441	निजी	वाड़ी दोयम	0.0748685	काली मंडल वो श्रीपति मंडल (आर0टी0) वंशज– रामकृष्ण मंडल वो मंटु मंडल वो दिलीप मंडल पिता– स्व0 हारू मंडल वो चन्द्रशेखर मंडल वो सिन्दुशेखर मंडल वो इन्दुशेखर मंडल वो नगेन्द्रनाथ मंडल वो गणेशचन्द्र मंडल वो राजीव मंडल पिता– स्व0 अर्जुन मंडल वो सेफाली मंडल पति– स्व0 किरिटी भूषण मंडल वो नीलकंठ मंडल वो शिव शंकर मंडल वो कैलाशपति मंडल पिता– स्व0 किर्तन मंडल वो वासुदेव मंडल पिता–स्व0 श्रीपति मंडल
4	2487	निजी	धानी सेम	0.0060704	बागदु मुर्मू (आर0टी0)
5	2488	निजी	धानी सेम	0.0566572	बागदु मुर्मू (आर0टी0)
6	2489	निजी	धानी दोयम	0.0080939	बागदु मुर्मू (आर0टी0)
7	2491	निजी	वाड़ी दोयम	0.0020235	बागदु मुर्मू (आर0टी0)
8	2492	निजी	धानी दोयम	0.038446	बागदु मुर्मू (आर0टी0)
9	2493	निजी	धानी दोयम	0.0364225	भुटल मुर्मू (आर0टी0)
10	2494	निजी	धानी सेम	0.0202347	बागदु मुर्मू (आर0टी0)
11	2495	निजी	धानी सेम	0.0040469	सुकल मुर्मू (आर0टी0)
12	2497	निजी	धानी सेम	0.0060704	सुकल मुर्मू (आर0टी0)
13	2498	निजी	धानी सेम	0.0242817	भुटल मुर्मू (आर0टी0)
14	2500	निजी	वाड़ी दोयम	0.0242817	जंगल मियाँ (आर0टी0)
15	2505	निजी	धानी आउल	0.0141643	भुटल मुर्मू (आर0टी0)
16	2506	निजी	धानी आउल	0.0526103	रेंघा मुर्मू (आर0टी0) वंशज– मीहिर मुर्मू वो मेनेजर मुर्मू पिता– सीबीनी मुर्मू
17	2509	निजी	धानी सेम	0.0283286	रेखा मुर्मू (आर0टी0)
18	2510	निजी	वाड़ी दोयम	0.0010117	दखिन मुर्मू (आर0टी0)
19	2517	निजी	धानी आउल	0.0768919	मन मथ नाथ घोष (आर0टी0)
20	2518	निजी	धानी आउल	0.0465399	प्रफुल कुमार घोष (आर0टी0)
21	2521	निजी	धानी दोयम	0.0080939	जंगल मियाँ (आर0टी0)
22	2522	निजी	धानी दोयम	0.111291	काली मंडल वो श्रीपति मंडल (आर0टी0) वंशज– रामकृष्ण मंडल वो मंटु मंडल वो दिलीप मंडल पिता– स्व0 हारू मंडल वो चन्द्रशेखर मंडल वो सिन्दुशेखर मंडल वो इन्दुशेखर मंडल वो नगेन्द्रनाथ मंडल वो गणेशचन्द्र मंडल वो राजीव मंडल पिता– स्व0 अर्जुन मंडल वो सेफाली मंडल पति– स्व0 किरिटी भूषण मंडल वो नीलकंठ मंडल वो शिव शंकर मंडल वो कैलाशपति मंडल पिता– स्व0 किर्तन मंडल वो वासुदेव मंडल पिता–स्व0 श्रीपति मंडल
23	2524	निजी	धानी दोयम	0.0364225	काली मंडल वो श्रीपति मंडल (आर0टी0) वंशज– रामकृष्ण मंडल वो मंटु मंडल वो दिलीप मंडल पिता– स्व0 हारू मंडल वो चन्द्रशेखर मंडल वो सिन्दुशेखर मंडल वो इन्दुशेखर मंडल वो नगेन्द्रनाथ मंडल वो गणेशचन्द्र मंडल वो राजीव मंडल पिता– स्व0 अर्जुन मंडल वो सेफाली मंडल पति– स्व0 किरिटी भूषण मंडल वो नीलकंठ मंडल वो शिव शंकर मंडल वो कैलाशपति मंडल पिता– स्व0 किर्तन मंडल वो वासुदेव मंडल पिता–स्व0 श्रीपति मंडल
24	2525	निजी	धानी दोयम	0.0526103	पति मियाँ (आर0टी0) वंशज– बेगम बीबी पति– खलील मियाँ वो खातिर अंसारी वो जाकिर अंसारी वो नजरूल अंसारी वो फजलुल अंसारी पिता– मियाँजान मियाँ
25	2526	निजी	धानी दोयम	0.0222582	मंगल मियाँ वो छोटो कबीर मियाँ (आर0टी0) वंशज– भंगल मियाँ (आ0टी0) वो अब्दुल मजीद अंसारी पिता– स्व0 उषमान मियाँ वो गुंजरी बीबी पति– रब्बान मियाँ वो मो0 नाजीर हुसैन वो मो0 रजाउल अंसारी पिता– लुकमान मियाँ मजलुम बीबी पिता– स्व0 नासीर मियाँ
26	2527	निजी	धानी आउल	0.0080939	काली मंडल वो श्रीपति मंडल (आर0टी0) वंशज– रामकृष्ण मंडल वो मंटु मंडल वो दिलीप मंडल पिता– स्व0 हारू मंडल वो चन्द्रशेखर मंडल वो सिन्दुशेखर मंडल वो इन्दुशेखर मंडल वो नगेन्द्रनाथ मंडल वो गणेशचन्द्र मंडल वो राजीव मंडल पिता– स्व0 अर्जुन मंडल वो सेफाली मंडल पति– स्व0 किरिटी भूषण मंडल वो नीलकंठ मंडल वो शिव शंकर मंडल वो कैलाशपति मंडल पिता– स्व0 किर्तन मंडल वो वासुदेव मंडल पिता–स्व0 श्रीपति मंडल
27	2553	निजी	धानी आउल	0.0010117	काली मंडल वो श्रीपति मंडल (आर0टी0) वंशज– रामकृष्ण मंडल वो मंटु मंडल वो दिलीप मंडल पिता– स्व0 हारू मंडल वो चन्द्रशेखर मंडल वो सिन्दुशेखर मंडल वो इन्दुशेखर मंडल वो नगेन्द्रनाथ मंडल वो गणेशचन्द्र मंडल वो राजीव मंडल पिता– स्व0 अर्जुन मंडल वो सेफाली मंडल पति– स्व0 किरिटी भूषण मंडल वो नीलकंठ मंडल वो शिव शंकर मंडल वो कैलाशपति मंडल पिता– स्व0 किर्तन मंडल वो वासुदेव मंडल पिता–स्व0 श्रीपति मंडल
28	2554	निजी	धानी दोयम	0.0080939	गोउर मंडल वो मोती मंडल वो जादु मंडल (आर0टी0)
29	2559	निजी	धानी आउल	0.0263051	जंगल मियाँ (आर0टी0)
30	2560	निजी	धानी आउल	0.0060704	पति मियाँ (आर0टी0) वंशज– बेगम बीबी पति– खलील मियाँ वो खातिर अंसारी वो जाकिर अंसारी वो नजरूल अंसारी वो फजलुल अंसारी पिता– मियाँजान मियाँ
31	2561	निजी	वाड़ी दोयम	0.0080939	पति मियाँ (आर0टी0) वंशज– बेगम बीबी पति– खलील मियाँ वो खातिर अंसारी वो जाकिर अंसारी वो नजरूल अंसारी वो फजलुल अंसारी पिता– मियाँजान मियाँ
32	2562	निजी	धानी सेम	0.0080939	पति मियाँ (आर0टी0) वंशज– बेगम बीबी पति– खलील मियाँ वो खातिर अंसारी वो जाकिर अंसारी वो नजरूल अंसारी वो फजलुल अंसारी पिता– मियाँजान मियाँ
33	2563	निजी	धानी सेम	0.0323756	लखी मंडल (आर0टी0)
34	2564	निजी	धानी सेम	0.0141643	गोउर मंडल वो मोती मंडल वो जादु मंडल (आर0टी0)
35	2565	निजी	धानी सेम	0.0121408	मंगल मियाँ वो छोटो कबीर मियाँ (आर0टी0) वंशज– भंगल मियाँ (आ0टी0) वो अब्दुल मजीद अंसारी पिता– स्व0 उषमान मियाँ वो गुंजरी बीबी पति– रब्बान मियाँ वो मो0 नाजीर हुसैन वो मो0 रजाउल अंसारी पिता– लुकमान मियाँ मजलुम बीबी पिता– स्व0 नासीर मियाँ
36	2566	निजी	धानी सेम	0.0364225	जंगल मियां (आर0टी0)
37	2567	निजी	धानी दोयम	0.0080939	जंगल मियां (आर0टी0)
38	2568	निजी	धानी आउल	0.0101174	जंगल मियाँ (आर0टी0)
39	2571	निजी	धानी दोयम	0.0222582	लखाइ मंडल (आर0टी0) वंशज– समीर कुमार मंडल पिता– स्व0 शशांक शेखर मंडल वो उज्जल कुमार मंडल वो काजल मंडल वो लालटु मंडल पिता– स्व0 अवश्या मंडल वो श्यामल मंडल पिता– स्व0 राजु मंडल वो नरायण मंडल पिता– स्व0 अनाथ मंडल
40	2572	निजी	धानी सेम	0.0404694	रेसना बीबी (आर0टी0) वंशज– सकीला बीबी पिता– स्व0 अली मोहम्मद वो रबीया बीबी माता– स्व0 रेसना बीबी वो अशीक मियाँ वो मेमुन बीबी माता– स्व0 सोनाली बीबी
41	2573	निजी	धानी सेम	0.0161878	काली मंडल (आर0टी0)
42	2574	निजी	पोखर	0.034399	काली मंडल (आर0टी0)
43	2577	निजी	वाड़ी आउल	0.0121408	चुड़की हेम्ब्रम (आर0टी0)
44	2578	निजी	वाड़ी आउल	0.0748685	भीमा टुडू (आर0टी0)
45	2579	निजी	वाड़ी आउल	0.0809389	सुफल टुडू वो बादुड़ टुडू (आर0टी0)
46	2580	निजी	वाड़ी दोयम	0.0202347	देवेन्द्रनाथ मंडल वो विभूति मंडल (आर0टी0) वंशज– देवेन्द्रनाथ मंडल (आर0टी0) वो नव कुमार मंडल पिता– विभूति मंडल
47	2581	निजी	वाड़ी दोयम	0.0202347	कुशुमवाला दासी (आर0टी0)
48	2582	निजी	वाड़ी दोयम	0.0101174	वासना वाला दासी (आर0टी0) वंशज– काशीनाथ मंडल वो ललिन मंडल माता– जरिवाल दासी वो रमनी वाला दासी माता– स्व0 वासनावाला दासी
49	2583	निजी	वाड़ी दोयम	0.0404694	रामकल्प मंडल (आर0टी0)
50	2584	निजी	वाड़ी दोयम	0.0404694	कुमोदा दासी (आर0टी0)

[फा. सं. RW/Ranchi/LA/km.8.56 to km.30.930/NH-419/JHR/2021-22/3D] अभय जैन, निदेशक
जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, जामताड़ा।

PR 345367 District(24-25)D

माले विधायक रविदास व ग्रामीणों के बीच विवाद

पटना (ईएमएस) : पटना के फुलवारी शरीफ से माले विधायक गोपाल रविदास और ग्रामीणों के बीच का विवाद बढ़ गया है। विधायक ने गांववालों पर एससी समाज से होने के कारण अभद्र व्यवहार करने और उद्घाटन करने से रोकने का आरोप लगाया है। वहीं, गांववालों का तर्क हैं कि चुनाव नजदीक है, तब बिन बुलाए फीता काटने पहुंच गए थे। मुखिया के फंड से काम हुआ था, वे श्रेय लेने की कोशिश कर रहे थे, इसकारण रोका गया।

मामला २६ जनवरी का है। विधायक नवनिर्मित स्कूल का उद्घाटन करने कुरथौल गांव पहुंचे थे। गांववालों के विरोध के बाद उन्हें वापस लौटना पड़ा। इसके बाद उन्होंने थाने में चुन्नू सिंह, मिथलेश सिंह और हंसराज हंस के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट में केस दर्ज कराया है। पूरे विवाद पर माले विधायक ने बताया, मैं अपने समर्थकों के साथ सरकारी स्कूल (उच्च माध्यमिक) की नई इमारत का उद्घाटन करने गया था। मेरी सिफारिश पर बनाया गया है। दोपहर तीन बजे जैसे ही वहां पहुंचे दबंग जाति के करीब ५० लोगों ने विरोध करना शुरू कर दिया।

सरकारी जमीन पर कब्जा करने पर होगी कार्रवाई

पटना (एजेंसी): बिहार में किसी ने सरकारी जमीन पर कब्जा किया है तो तुरंत छोड़ दीजिए, वरना बिहार सरकार आपके खिलाफ सख्त एक्शन लेने वाली है. दरअसल, नीतीश सरकार ने राज्य में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले के खिलाफ कार्रवाई का पूरा मन बना लिया है. बिहार सरकार ने सरकारी परिसर एक्ट २०२४ लागू किया है. वहीं, इस कानून का पालन नहीं करने वालों पर सरकार सख्त एक्शन लेगी. कानून लागू करने के लिए गजट अधिसूचना जारी कर दिया गया है. बिहार सरकारी परिसर एक्ट २०२४ के तहत राज्य सरकार सरकारी जमीन पर कब्जा करने पर कार्रवाई करेगी. इस कानून के तहत पहले अवैध कब्जाधारियों के खिलाफ नोटिस जारी करेंगी. इसके बाद एक्शन लेगी. बिहार के इस एक्ट के तहत अब कानून को तोड़ने वालों पर जुर्माना और जेल दोनों हो सकता है. इसके तहत जिसमें १० हजार रुपए तक का जुर्माना. साथ ही ६ महीने की जेल की सजा हो सकती है.

ध्यान दीजिए कि बिहार सरकार ने सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ कानून बनाया है. इस कानून को मंत्रिमंडल से पारित किया जाएगा. इसके बाद विधानमंडल से मंजूरी मिलने के बाद बिहार सरकारी परिसर (आवंटन, किराया, वसूली और बेदखली) अधिनियम २०२४ को लागू किया जा सकता है. इसके बाद फिर इस कानून के तहक कार्रवाई की जाएगी.

पटना में अतिक्रमण हटाने गई टीम पर पत्थराव

पटना (ईएमएस): पटना के दीघा थाना क्षेत्र में मछली मंडी में जिला प्रशासन और नगर निगम की टीम अतिक्रमण हटाने गई थी। इसका वहां के स्थानीय लोगों ने विरोध किया। लोगों ने हंगामा कर रोड जाम कर दिया। इसी बीच कुछ असामाजिक तत्वों ने पुलिस और नगरनिगम की टीम पर पत्थरबाजी की है। वहां खड़ी मजिस्ट्रेट की गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। मौके पर पहुंच कर पुलिस ने रास्ता साफ कराया है। वहीं, ५ लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है।

दोषियों के पहचान में जुटी पुलिस पथराव में वहां तैनात मजिस्ट्रेट गजेंद्र कुमार की बोलेरो गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। मजिस्ट्रेट गजेंद्र कुमार के आवेदन पर मामले दर्ज किया जा रहा है। पुलिस दोषियों की पहचान करने में जुटी है। फिलहाल पुलिस ने वहां से ५ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

हरियाणा से तस्करी कर बिहार भेजी जा रही शराब

पटना (एजेंसी): हरियाणा से तस्करी कर बिहार भेजी जा रही शराब की एक खेप आबकारी और थाना दादरी पुलिस ने ज्वाइंट ऑपरेशन में पकड़ी है. इसमें अलग-अलग ब्रांड की १३५ पेटी अंग्रेजी शराब बरामद की गई जिसकी कुल कीमत करीब २० लाख रुपये आंकी गई है. जिस ट्रक में यह शराब पकड़ी गई है उस ट्रक में बाहर की तरफ कई बोरियों में मुरमुरे भरे हुए थे, ताकि चेकिंग के दौरान किसी को शक न हो.

आबकारी विभाग और थाना दादरी की टीम संयुक्त रूप से ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे से उतरने वाले लुहारली कट टोल प्लाजा पर वाहन चेकिंग कर रही थी. इस दौरान एक टाटा अल्ट्रा गुड्स कैरियर को रोक कर चेक किया गया. वाहन में मुरमुरे की बोरियों के पीछे छुपाकर रखी गई भारी मात्रा में शराब की खेप बरामद की गई.

इसमें अंग्रेजी शराब की रॉयल ग्रीन ३७५ एमएल की २० पेटी, रॉयल ग्रीन १८० एमएल की ३० पेटी, ऑफिसर्स चॉइस ब्लू १८० एमएल २० पेटी, इंपीरियल ब्लू ७५० एमएल की १० पेटी, इंपीरियल ब्लू १८० एमएल की १० पेटी, मैकडॉवेल' नंबर-१ की ७५० एमएल की १० पेटी, मैकडॉवेल' नंबर-१ की १८० एमएल की ३५ पेटी बरामद हुई. कुल १३५ पेटी बरामद की गई है.

महाकुंभ को इवेंट बनाकर रख दिया : स्वामी यतींद्रानंद गिरि

प्रयागराज (ईएमएस): महाकुंभ मेले में भगदड़ को लेकर आम श्रद्धालुओं से लेकर अखाड़ों व संतों में बेहद नाराजगी देखी गयी। श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा के वरिष्ठ महामंडलेश्वर स्वामी यतींद्रानंद गिरि ने हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने वीआईपी कल्चर के साथ ही महाकुंभ को एक इवेंट बना दिए जाने पर निशाना साधा है। संत ने प्रशासन की व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। इससे पहले निरंजनी अखाड़े के महामंडलेश्वर स्वामी प्रेमानंद गिरि ने भी जमकर निशाना साधते हुए मेले की सुरक्षा को सेना के हवाले किए जाने की मांग उठाई।

महामंडलेश्वर स्वामी यतींद्रानंद गिरी ने कहा कि कुंभ मेला प्रयागराज मौनी अमावस्या के स्नान के वक्त मची भगदड़ एवं अनेक लोगों की की मृत्यु बहुत दुखद पीड़ा दायक है। कुंभ मेला प्रशासन की हठधर्मिता तथा नासमझी के चलते यह घटना घटी हमने अनेक कुम्भ किए हैं और देखे हैं। किंतु पहली बार किसी कुंभ में इतनी अव्यवस्था देखी है। अभी तक कुंभ समाप्ति की ओर है। किंतु कुंभ में किए जाने वाले कार्य अभी तक लंबित पड़े हैं। स्वामी यतींद्रानंद गिरी ने वीडियो बयान जारी करते हुए लिखा कि परंपरागत साधु संतों और संस्थाओं को मिलने वाली सुविधाएं टैन्ट, शौचालय, नल के लिए अभी तक साधु संतों को परेशान होना पड़ रहा है। मेला प्रशासन के अधिकारी जहां प्रतीक कुंभ में अपने-अपने सेक्टर और पूरे मेले में शिवरों में घूम-घूम कर खुद संतों को मिलने वाली सुविधाओं का ध्यान रखते थे।

इस बार साधु-संत अधिकारियों को खोज रहे हैं प्रशासन अधिकारी केवल वीआईपी जनों की आवभगत और उनके सुख सुविधा में लगे हुए हैं। इस कुंभ मेले में ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त है। जगह-जगह पुलिस केवल रास्ता और पुलों को बंद करने में लगी है क्योंकि रास्ते और पुल केवल वीआईपी लोगों की सुविधा के लिए है। मेला प्रशासन के अधिकारी कुंभ मेले की आध्यात्मिक और धार्मिक भावनाओं को ना जानते हैं और ना ही मानते हैं।

मेले को भव्य और दिव्या कहा गया। किंतु वीआईपी और व्यावसायिक बनाकर भव्य बनाने का प्रयास तो हुआ किंतु मेले की आत्मा आध्यात्मिक और धार्मिकता जो की दिव्यता थी उसको दरकिनार कर दिया गया। उन्होंने कहा कि शासन और प्रशासन ने पूरा मेला एक इवेंट बनाकर रख दिया। कुंभ कोई इवेंट या व्यावसायिक मेला नहीं है। कुंभ एक धार्मिक और आध्यात्मिक मेला है यहां देवता आते हैं। साधु संत और कल्पवासी साधना करते हैं। शासन और प्रशासन दोनों के द्वारा

देवताओं का मान सम्मान नहीं किया गया, उनको आदर नहीं दिया गया।

साधु संत तथा कल्पवासियों का आदर और उनकी सुविधाओं का ध्यान नहीं रखा गया जिसके चलते मकर संक्रांति का स्नान भी दुर्व्यवस्थाओं से भरा रहा तथा इस मेले का मुख्य स्नान मौनी अमावस्या का देवताओं की नाराजगी को प्रकट करते हुए स्वीकार नहीं किया है। मेले में भीड़ यह दुर्व्यवस्था का कारण नहीं है क्योंकि उत्तर प्रदेश सरकार ने पूरे विश्व में निमंत्रण दिया १४४ साल के बाद कुंभ आ रहा है। अतः यह महाकुंभ होगा ऐसा प्रचारित किया क्या कुंभ का इतिहास क्या केवल १४४ वर्ष का है? प्रत्येक १२ वर्ष में लगने वाला कुंभ अपने आप में १४४ वर्ष बाद आता है।

यह महाकुंभ कैसे हो गया? सरकार खुद कहती थी ४० से ४५ करोड़ लोग आएंगे। सरकार का जो अनुमान था। लोग उसी अनुमान के अंतर्गत ही आए हैं। उससे अधिक नहीं तो फिर शासन और प्रशासन ने उसी अनुमान के अनुसार व्यवस्था क्यों नहीं कि यह प्रश्न उठता है। समूचे मेले में चाहे मेला अधिकारी हो अपार मेला अधिकारी हो एसएसपी मेला, डीआईजी मेला। किसी भी अधिकारी का मिलना तो दूर, फोन तक उठना भी संभव नहीं है। पूरे मेले में केवल चार-पांच राजनीतिक और आर्थिक प्रभावशाली संतों के अलावा मेला प्रशासन ने किसी को भी महत्व नहीं दिया।

कुंभ मेले का दुखद पहलू यह है की साधु संत अपने परंपरागत स्नान को नहीं कर सके तथा अखाड़े के देवता भी स्नान से वंचित रहे। शायद मेला प्रशासन के व्यवहार से देवता संतुष्ट नहीं थे। इसलिए देवताओं ने स्नान नहीं किया। अब देखना है मेले की दुर्व्यवस्था आज की घटना की नैतिक जिम्मेदारी कौन लेता है। उत्तर प्रदेश सरकार कुंभ में पधारे साधु संत तपस्वी और कल्पवासियों तथा श्रद्धालु भक्तजनों की भावनाओं और पीड़ा को कितना समझ पाती है और ऐसे संवेदनहीन मेला प्रशासनिक अधिकारियों के ऊपर क्या कार्रवाई करती है।

हम अखाड़ा परिषद के सभी पदाधिकारी को साधुवाद धन्यवाद देते हैं कि उन्होंने अमृत स्नान स्थगित करने का निर्णय किया क्योंकि अगर अमृत स्नान स्थगित ना होता तो आज प्रयाग में अकल्पनीय दुखद घटना निश्चित रूप से होती। क्योंकि मेला प्रशासन के पास अमृत स्थान कराने की ना कोई योजना थी ना तैयारी थी। और ना ही उनकी आंतरिक भावना थी। किंतु एक आश्चर्य है आखिर क्या बात है अखाड़ा परिषद, अखाड़ों के प्रमुख संत तथाकथित कुछ बड़े नाम वाले राजनीतिक संत और मीडिया इस दृष्टि से मौन और नेत्रहीन क्यों है।

इससे पहले महाकुंभ मेला में भगदड़ को लेकर निरंजनी अखाड़े के महामंडलेश्वर स्वामी प्रेमानंद गिरि ने पुलिस-प्रशासन पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि जब सरकार को पता था कि कुंभ में इतने करोड़ लोग आएंगे तो महाकुंभ मेले का आयोजन सेना के माध्यम से क्यों नहीं कराया गया? प्रेमानंद गिरि ने कहा कि पिछले स्नान के बाद हम सभी अखाड़ों ने पूरे प्रशासन को सचेत किया था। प्रशासन को पता था कि ५० करोड़ लोग आने वाले हैं तो सेना के हवाले से कुंभ का आयोजन क्यों नहीं किया गया है। मैं उत्तर प्रदेश के डीजीपी और चीफ सेक्रेटरी को व्यक्तिगत कहता रहा कि आप लोग सेना बुलवाई और कुंभ को सेना के हवाले कीजिए।

इतनी भीड़ आने के बाद पुलिस-प्रशासन के बस की बात नहीं है और उसी का ही परिणाम है कि किसी का बाप चला गया तो किसी का पुत्र चला गया। बहुत दुखद समाचार है और व्यथित करने वाला है।

निशांत कुमार को सौंपी जाएगी जेडीयू की कमान : अवधेश कुमार

पटना (एजेंसी): मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार काफी सुर्खियों में हैं. चर्चा है कि निशांत कुमार जल्द राजनीति में एंट्री कर सकते हैं. कहा जा रहा है कि नीतीश कुमार की सेहत को देखते हुए बेटे निशांत को राजनीति में लाया जाएगा और जेडीयू की कमान सौंपी जाएगी.

हालांकि, पार्टी की ओर से इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है. अब इस मामले में मुख्यमंत्री के काफी करीबी रिश्तेदार अवधेश कुमार ने बड़ी बात कही है. ज़ी न्यूज़ से खास बातचीत में अवधेश कुमार ने कहा कि चर्चा तो चल रही है और आना भी चाहिए. उन्होंने कहा कि स्थिति अब ऐसी हो गई है कि निशांत कुमार को रजनीति में आना ही पड़ेगा.

अवधेश कुमार ने कहा कि अभी तक तो ना मुख्यमंत्री इसके लिए तैयार हैं और ना ही निशांत की ऐसी कोई इच्छा है. उन्होंने कहा कि निशांत कुमार को राजनीति में आना ही पड़ेगा, क्योंकि सारे परिवार, पार्टी के लोग, जिला के तमाम लोग यही चाहते हैं. उन्होंने कहा कि विपक्ष की पार्टियों के लोग भी चाहते हैं कि निशांत को बिहार की राजनीति में आना चाहिए. अगर वो राजनीति में आते हैं तो हर्ज क्या है. उन्होंने कहा कि सब लोग तो वंशज ही हैं.

अवधेश कुमार ने कहा कि रामविलास जी के पुत्र चिराग पासवान, मांझी जी के बेटे संतोष सुमन, लालू यादव के बेटे तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव, सम्राट चौधरी सब लोग राजनीति में आए हैं. निशांत को भी आना चाहिए. अब स्थिति बदल गई है. स्थिति बदलने के अनुसार पहले हम लोग कहते थे आना चाहिए, लेकिन अब हम लोग कह रहे हैं आना ही होगा. निशांत को लाना होगा, क्योंकि कोई दूसरा सब्सीट्यूट नहीं है. जदयू में नेता तो बहुत लोग हैं, लेकिन सबके प्रति सबका एक्सेप्टेंस नहीं होगा. अगर निशांत आ जाएं तो कोई ना तो नहीं कह सकता है.

अनंत सिंह से भिड़ने वाले मोनू का मिला सुराग

पटना (एजेंसी): मोकामा फायरिंग मामले में एक नई जानकारी सामने आ रही है. वारदात के बाद फरार चल रहे मोनू सिंह की लोकेशन का पता चल गया है! बताया जा रहा है कि मोनू सिंह दियारा में छिपा बैठा है. ग्रामीणों का आरोप है कि सोनू मोनू गैंग के लोगों के आतंक से सभी डरे हैं. किसी ने भी पंचमहला थाना की पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज नहीं कराई है. गांव के कुछ लोगों ने पुलिस को इसकी शिकायत की, पर आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई. ग्रामीणों का कहना है कि जिसे न्याय देना था, वही उन लोगों की मदद कर रहा था. दरअसल, नौरंगा जलालपुर गांव में गंगा के घाटों पर लगातार बालू की ढुलाई होती रही. लोगों की जमीन से जबर्दस्ती मिट्टी काट ली जाती थी. कई सालों से गंगा नदी के किनारे बालू की ढुलाई से गंगा घाट समाप्त हो गए. नौरंगा जलालपुर गांव में हुई फायरिंग के दौरान भी पुलिस निष्क्रिय रही. वह फायरिंग की घटना से भी इंकार करती रही.

उप मुख्यमंत्री विजय सिन्हा पर भड़के तेजस्वी यादव

पटना (एजेंसी): बिहार के उप मुख्यमंत्री सह पथ निर्माण मंत्री विजय कुमार सिन्हा के पूर्व पथ निर्माण मंत्री तेजस्वी यादव के कार्यकाल में गया पथ प्रमंडल में हुए पथ निर्माण में घोटाले के आरोप पर बुधवार को राजद नेता तेजस्वी यादव भड़क गए. उन्होंने उप मुख्यमंत्री विजय सिन्हा को 'पराजय सिन्हा' बताते हुए कहा कि इन्हें न सम्राट चौधरी भाव देते हैं, न मुख्यमंत्री नीतीश कुमार.

पटना में पत्रकारों से बातचीत के दौरान विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि विजय सिन्हा को खुद अपने ऊपर विश्वास नहीं होगा कि वे उप मुख्यमंत्री बन गए हैं. उन्होंने कुछ दिन पहले ही कहा था कि २०० गोली चलती है तो वह मामूली घटना है. तेजस्वी यादव ने उप

मुख्यमंत्री विजय सिन्हा को अज्ञानी व्यक्ति बताते हुए कहा कि इनको विभाग के अधिकारी और इंजीनियर भी भाव नहीं देते हैं. इनके कहने का कोई मतलब नहीं है. भाजपा के नेताओं में लालू यादव और तेजस्वी यादव को गाली देने की होड़ मची हुई है. उन्होंने आगे कहा कि इनके कहने और न कहने से कोई मतलब नहीं है, समय आने पर सब भंडाफोड़ होगा.

महाकुंभ में हुए भगदड़ को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने दुख व्यक्त किया. उन्होंने कहा कि सुबह-सुबह जो दर्दनाक खबर हम लोगों तक पहुंची, वह दुख देने वाला था. महाकुंभ में जिन श्रद्धालुओं की मौत हुई है, हम ईश्वर से कामना करेंगे कि उनकी आत्मा को शांति मिले. हम लोग चाहेंगे कि वहां जो कमी रह गई है, उसे दुरुस्त किया जाए.

उन्होंने कहा कि जब यही लोग अपराध को बढ़ावा दे रहे हैं, तो इनका कोई मतलब नहीं रह गया है. बहुत मामूली घटना है ना २०० राउंड गोलियां चलना, यह तो उप मुख्यमंत्री बोल रहे हैं. केंद्रीय मंत्री तो बचाव में बोल रहे हैं कि सेल्फ डिफेंस में चल रहा है. अगर यही और किसी का राज होता है, इन लोगों के जुबान से क्या-क्या नहीं निकलता.

महाकुंभ में जाने वालों से हर ट्रेन फुल

समस्तीपुर,(ईएमएस): आस्था के महाकुंभ में मौनी अमावस्या पर हर कोई संगम में डुबकी लगाना चाहता है। इसके लिए प्रयागराज जाने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ ट्रेनों में उमड़ पड़ी है। बिहार के समस्तीपुर रेलवे स्टेशन से सामने आई तस्वीरों ने हर किसी को अचंभित कर दिया है।

जयनगर से दिल्ली जाने वाली स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस में चढ़ने के लिए लोग धक्का-मुक्की करते नजर आए। ट्रेन के चलने तक किसी तरह यात्री चढ़ गए। जब यह ट्रेन जयनगर से समस्तीपुर पहुंची तो इसके सारे जरनल कोच खचाखच भरे हुए थे। फिर क्या था, सभी श्रद्धालु स्लीपर और एसी कोच की ओर भागे। यह देख पहले से ट्रेन में चढ़े यात्री गेट को बंद करने लगे, जिस कोच के गेट बंद किए जा रहे थे उसमें काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

सीएम योगी ने अधिकारियों के साथ की हाईलेवल मीटिंग

लखनऊ (ईएमएस): उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज महाकुंभ में हुई भगदड़ की घटना के बाद लखनऊ में एक उच्च स्तरीय बैठक की और कहा कि बैरिकेड्स फांदकर आने की कोशिश में कुछ श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

सीएम योगी ने राजधानी लखनऊ में प्रदेश के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, गृह विभाग के प्रमुख सचिव तथा अपर पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। संवाददाताओं से बातचीत में आदित्यनाथ ने कहा कि प्रातः काल से ही श्रद्धालुजन स्नान कर सकें, इसके लिए यहां पर हम लोगों की उच्च स्तरीय बैठक चल रही है।

उन्होंने बताया कि प्रयागराज महाकुंभ में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ है। रात में एक से दो बजे के बीच अखाड़ा मार्ग पर जहां से अमृत स्नान की दृष्टि से बैरिकेड्स लगाए गए थे, उन बैरिकेड्स को फांदकर आने में कुछ श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उपचार की व्यवस्था की गई है।

उनमें से कुछ श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने सुबह से ही लगभग चार बार फोन करके हाल-चाल लिया है। इसके अलावा गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल भी लगातार संपर्क में हैं तथा सभी के कुशलक्षेम और सकुशल स्नान करने के बारे में निरंतर जानकारी ले रहे हैं। उन्होंने कहा, 'प्रयागराज में वर्तमान में हालात नियंत्रण में हैं लेकिन भीड़ का दबाव बहुत है। अखाड़ा परिषद से जुड़े हुए पदाधिकारियों के साथ मैंने खुद भी बातचीत की है।

आचार्य, महामंडलेश्वरों और पूज्य संतों के साथ भी बातचीत हुई है और उन्होंने बड़ी ही विनम्रता के साथ कहा है कि श्रद्धालु जन पहले स्नान करेंगे और फिर जब उनका दबाव कुछ कम होगा और वे सकुशल वहां से निकल जाएंगे तब हम लोग स्नान करने के लिए संगम की तरफ जाएंगे।' मुख्यमंत्री ने कहा, 'आज सुबह साढ़े आठ बजे तक लगभग तीन करोड़ श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं और यह सिलसिला जारी है लेकिन संगम नोज, अखाड़ा मार्ग और नाग वासुकी मार्ग पर लगातार दबाव बना हुआ है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रशासन मुस्तैद है।

मेरी प्रदेशवासियों, देशवासियों और सभी श्रद्धालुओं से भी अपील है कि वे अफवाह पर ध्यान ना दें। संयम से काम लें। यह आयोजन सभी लोगों का है। प्रशासन उनकी सेवा के लिए पूरी तत्परता से लगा हुआ है। केंद्र और राज्य सरकार पूरी मजबूती के साथ वहां पर हर प्रकार का सहयोग करने के लिए तत्पर हैं।'

उन्होंने स्नानार्थियों से अपील करते हुए कहा, 'जहां पर हैं आप, लगभग १५ से २० किलोमीटर के दायरे में अस्थाई घाट बनाए गए हैं उसमें कहीं भी आप स्नान कर सकते हैं। आवश्यक नहीं है कि संगम नोज की तरफ ही आएं। भीड़ को देखते हुए खास तौर पर जो बुजुर्ग हैं, बच्चे हैं, सांस के रोगी है उनको लंबी दूरी तय नहीं करनी चाहिए और जो नजदीक के घाट हैं वहीं पर स्नान करेंगे। सब गंगा जी के घाट हैं और गंगा जी के उस भाग में भी वही पुण्य प्राप्त होगा।'

सीएम ने कहा, 'देर रात्रि तक अमृत स्नान का मुहूर्त है। मौनी अमावस्या का मुहूर्त पूरी रात्रि है। आवश्यक नहीं है कि हम केवल अभी स्नान करेंगे। सभी से मेरी विनम्र अपील होगी कि अगर श्रद्धालुगण सहयोग करेंगे तो सभी को सकुशल स्नान करने में और इस महापर्व का आयोजन करने में प्रशासन को और शासन को मदद मिलेगी।' मुख्यमंत्री ने कहा, 'प्रातः काल से लगभग ४० मेला स्पेशल ट्रेन प्रयागराज और अन्य स्टेशनों से श्रद्धालुओं को स्नान करने के बाद लेकर गंतव्य की ओर आगे बढ़ी हैं।'

B.I.T. SINDRI, P.O.-SINDRI INSTITUTE
DIST; DHANBAD (JHARKHAND) PIN: 828123

e-Corrigendum Notice

Corrigendum Notice No. : BIT/Poly/ Corrigendum/1/2024-25
Tender Title : Supply of Electrical Engineering Lab Equipments for different Govt. Polytechnic 1
Tender Reference Number : RE/BIT/Poly/10/2024-25/Ele1
PR 344304 Higher Education, Technical Education and Skill Development Department (24-25).D
Tender ID : 2025_DHTE_97452_1
Corrigendum Type : Date Extend
Corrigendum Title : Extension of dates for bid submission

The following dates are extended herewith. Rest will be same as in the original tender.

Sl. No.	Activity	Earlier Date and Time	Changed Date and Time
1	Document Download End Date	27/01/2025 ; 12:30 P.M.	05/02/2025 ; 12:30 P.M.
2	Bid Submission End Date	27/01/2025 ; 12:30 P.M.	05/02/2025 ; 12:30 P.M.
3	Bid Opening Date	28/10/2025 ; 01:00 P.M.	06/02/2025 ; 01:00 P.M.

Further details can be seen on website :- https://jharkhandtenders.gov.in

PR 345370 Higher Education,Technical Education and Skill Development Department (24-25)_D

Sd/-
Director, B.I.T. Sindri

B.I.T. SINDRI
P.O.-SINDRI INSTITUTE,DIST; DHANBAD (JHARKHAND) PIN: 828123

e-Corrigendum Notice

Corrigendum Notice No. : BIT/Poly/ Corrigendum/6/2024-25
Tender Title : Supply of Mining Engineering Lab Equipments for different Govt.Polytechnic 3
Tender Reference Number : RE/BIT/Poly/21/2024-25/Min3
PR 344297 (Higher Education, Technical Education and Skill Development Department) 24-25*D
Tender ID : 2025_DHTE_97481_1
Corrigendum Type : Date Extend
Corrigendum Title : Extension of dates for bid submission

The following dates are extended herewith. Rest will be same as in the original tender.

Sl. No.	Activity	Earlier Date and Time	Changed Date and Time
1	Document Download End Date	27/01/2025 ; 12:30 P.M.	05/02/2025 ; 12:30 P.M.
2	Bid Submission End Date	27/01/2025 ; 12:30 P.M.	05/02/2025 ; 12:30 P.M.
3	Bid Opening Date	28/10/2025 ; 01:00 P.M.	06/02/2025 ; 01:00 P.M.

Further details can be seen on website :- https://jharkhandtenders.gov.in

PR 345375 Higher Education,Technical Education and Skill Development Department(24-25).D

Sd/-
Director,
B.I.T., Sindri.

B.I.T. SINDRI P.O.-SINDRI INSTITUTE
DIST; DHANBAD (JHARKHAND) PIN: 828123

e-Corrigendum Notice

Corrigendum Notice No. : BIT/Poly/Corrigendum/8/2024-25
Tender Title : Supply of CSE Lab Equipments for different Govt.Polytechnic
Tender Reference Number : RE/BIT/Poly/23/2024-25/CSE
PR 344295 Higher Education, Technical Education and Skill Development Department (24-25).D
Tender ID : 2025_DHTE_97448_1
Corrigendum Type : Date Extend
Corrigendum Title : Extension of dates for bid submission

The following dates are extended herewith. Rest will be same as in the original tender.

Sl. No.	Activity	Earlier Date and Time	Changed Date and Time
1	Document Download End Date	27/01/2025 ; 12:30 P.M.	05/02/2025 ; 12:30 P.M.
2	Bid Submission End Date	27/01/2025 ; 12:30 P.M.	05/02/2025 ; 12:30 P.M.
3	Bid Opening Date	28/10/2025 ; 01:00 P.M.	06/02/2025 ; 01:00 P.M.

Further details can be seen on website :- https://jharkhandtenders.gov.in

Sd/-
Director,B.I.T., Sindri.

PR 345378 (Higher Education,Technical Education and Skill Development Department)24-25*D

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

उप मुख्य अभियंता (निर्माण) का कार्यालय, पूर्व मध्य रेल, धनबाद, दिनांक: 27.01.2025

ई–निविदा संख्या : ECR-DCE-WT-DHN-01-2024-25, क्र. सं. : 1. **कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि** : पूर्व मध्य रेलवे, धनबाद मंडल में उप–मुख्य अभियन्ता/निर्माण/धनबाद के अधिकार क्षेत्र के तहत तिलैया से कोडरमा के बीच नई बीजी लाइन के संबंध में खेरौंद और झरही खंड के बीच 6 प्रमुख पुलों पर निरीक्षण पथ का निर्माण, ऊंचाई गेज, नाली कार्य, बोल्डर दीवार, टो दीवार का निर्माण और अन्य संबंधित विविध कार्य। (09 महीने), **कार्य की लगभग लागत (रू. में)** : ₹ 18,92,78,455.29, **बयाने की राशि (रू. में)**: बयाने की राशि (रू. में) http://www.ireps.gov.in पोर्टल पर दिखाये राशि के अनुसार लागू, **निविदा बंद होने एवं खुलने की तारीख तथा समयः** ई–निविदा बंद होने की तारीख 18.02.2025 को 15:30 बजे तक, ई–निविदा खुलने की तारीख 19.02.2025 को 12:00 बजे से, **वेबसाईट का विवरण** : http:// www.ireps.gov.in ई–निविदा के तहत मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं की जाएगी। **नोट** : (i) हिन्दी और अंग्रेजी भाषा में सूचना में अंतर होने पर अंग्रेजी भाषा में सूचना ही मान्य होगी। (ii) प्रत्याशित निविदादाताओं को यह सलाह दी जाती है कि इस ई–निविदा की जारी होने की कोई भी परिवर्तन और शुद्धि पत्र की ओर ध्यान देने के लिए निविदा बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम पंद्रह दिन पहले वेबसाइट http://www.ireps.gov.in अवलोकन करें। (iii) डाक/कूरियर/फैक्स या हाथ से भेजा गया कोई भी ई–निविदा स्वीकार नहीं किया जाएगा। निविदा की ऐसी सभी मैन्युअल प्रस्तुति, चाहे वह फर्म के लेटर पैड पर हो या समय पर प्राप्त हो, स्वीकार नहीं की जाएगी। उपरोक्त ई–निविदा दस्तावेज और पूरी जानकारी वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

उप–मुख्य अभियन्ता (निर्माण)
पूर्व मध्य रेल, धनबाद

पीआर/02017/सीडीएचएन/इंजी./टी/24–25/52

पूर्व मध्य रेल

विद्युत (परिचालन) विभाग, धनबाद से सम्बंधित कार्य हेतु खुले ई–निविदा के लिए निविदा सूचना की प्रति

मंडल रेल प्रबन्धक (विद्युत/परिचालन), पूर्व मध्य रेल, धनबाद द्वारा भारत के राष्ट्रपति की तरफ से निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन हेतु सक्षम संविदाकारों से ई–निविदा आमंत्रित की जाती है :–

ई–निविदा संख्या : GEM/2025/B/5872671 Dt. : 27/01/2025, क्र.सं. : 1, **कार्य का नाम, स्थान एवं समापन की अवधि** : धनबाद मंडल के धनबाद रनिंग रूम में इच्छुक क्रू को रियायती भोजन के लिए कच्चे माल की आपूर्ति और रियायती भोजन बनाने हेतु आउटसोर्सिंग के द्वारा कार्य कराने के संबंध में।, क्र.सं. : 2, **कार्य के लिए प्राक्कलित राशि** : रू. 53,09,900.1, क्र.सं. : 3, **अग्रधन राशि** : रू. 1,06,200/–, क्र.सं. : 4, **ई–निविदा बंद होने और खुलने की तिथि एवं समय** : ई–निविदा का बंद होना : 17.02.2025 को 18:00 बजे। ई–निविदा का खुलना : 17.02.2025 को 18:30 बजे। क्र.सं. : 5, **वेबसाईट का विवरण** : वेबसाईट : http://gem.gov.in. **विशेष** : ई–निविदा के तहत किसी भी प्रकार के मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किये जाएंगे।

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत/परि.)
पूर्व मध्य रेल, धनबाद

पीआर/02018/डीएचएन/ईओपीएन/टी/24–25/40

पूर्व मध्य रेल

ई ऑक्शन सूचना सं. : Catering -16-25

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य) पूर्व मध्य रेलवे, धनबाद द्वारा पाँच (05) वर्षों की अवधि के लिए धनबाद मंडल के अंतर्गत GMU और SMU के लिए A1 और D श्रेणी स्टेशन पर खान–पान सेवा के लिए ई ऑक्शन आमंत्रित किया जाना है। विस्तृत विवरण निम्नानुसार है :–

क्र.सं.	ठेके का प्रकार	लॉट संख्या	स्टेशन	श्रेणी	पी.एफ.नंबर	स्टाल नं.
1	खान–पान सेवा	DHN-BRWD-GMU-53	बरवाडीह	सामान्य	01	03
2	खान–पान सेवा	DHN-DHN-SMU-123	धनबाद	एस.सी.(महिला)	01	02

सभी लॉट के लिए ई–नीलामी की तारीख और समय : 13.02.2025, 15:00 बजे से
Catalogue No:- Catering-16-25, Website: www.ireps.gov.in

Note- (4) The e-Auction will be online on the IREPS (e-Auction leasing portal) on the prescribed date and time. (5) Desirous of participating in the e-Auction shall pay Rs. 10000/- + GST (non refundable) Online submission of one time registration is required and also having current account linked to IREPS, Payment/Deduction of Security Deposit (EMD) online from the same account. (6) Complete information about the terms and conditions related to e-Auction is available in the e-Auction leasing selection of the IREPS portal (www.ireps.gov.in)

पीआर/02015/डीएचएन/वा./एन/24–25/40 स.वा.प्र., पू.म.रेल, धनबाद

मेयर के बेटे शिशिर शाहू पर अवैध वसूली का आरोप

पटना (एजेंसी): पटना नगर निगम में फर्जीवाड़ा के एक बड़े मामले का खुलासा हुआ है. पटना मेयर के बेटे शिशिर शाहू पर अवैध वसूली का आरोप लगा है. खास बात ये है कि ये आरोप किसी और ने नहीं, बल्कि नगर निगम के अधिकारियों ने लगाए हैं. नगर निगम के अधिकारियों ने साफ साफ कहा है कि मेयर सीता साहू के बेटे और बीजेपी नेता शिशिर कुमार ने लूट की सारी हदें पार कर दी हैं.

इससे त्रस्त आकर नगर निगम के कमिश्नर ने सरकार से शिकायत की है और अपील की है कि पटना नगर निगम में टेंडर से लेकर एजेंसी चुनने का काम सरकार खुद करे. कमिश्नर ने अपने लेटर में कहा कि अगर पटना नगर के जिम्मे ये काम सौंपा गया तो मेयर के बेटे को पैसा वसूलने का मौका मिलेगा.

पटना नगर आयुक्त कार्यालय की ओर से मीडिया को दी गई जानकारी के मुताबिक, महापौर

के बेटे शिशिर कुमार द्वारा पटना नगर निगम के विभिन्न वेंडर के अवधि का एक्सटेंशन के नाम से बलपूर्वक राशि की वसूली की जाती है और व्यक्तिगत स्वार्थ हित प्राप्त होने के बाद ही एक्सटेंशन दिया जाता है. कुछ चुने हुए वेंडरों को ही कार्य-विस्तार दिया जाता है.

इस संबंध में पटना नगर निगम कार्यालय द्वारा सशक्त स्थायी समिति के समक्ष अगस्त महीने में ही यह प्रस्ताव रखा गया था, लेकिन इस पर कोई निर्णय नहीं लिया गया. इस संबंध में उनके द्वारा संबंधित एजेंसी से राशि की मांग की गई, लेकिन राशि प्राप्त नहीं होने की स्थिति में एक्सटेंशन पर कोई निर्णय नहीं लिया गया.

आयुक्त ने आगे कहा कि इस संबंध में विभाग को प्रस्ताव भेजा जा रहा है कि अब से किसी एजेंसी को टेंडर में ही कार्य-अवधि निर्धारित कर दी जाय और एक्सटेंशन की प्रक्रिया को समाप्त कर दिया जाए. पटना नगर निगम में अवैध वसूली रोकने के लिए एजेंसी के एक्सटेंशन का अधिकार विभाग को दिया जा रहा है.

नगर आयुक्त द्वारा पत्र लिखकर सरकार को प्रस्ताव भेजा जा रहा है. बता दें कि निरंतर एजेंसी के कर्मियों द्वारा यह आरोप लगाया गया है कि मेयर के बेटे शिशिर कुमार द्वारा पैसे की मांग की जा रही है.

लोकमाता अहिल्याबाई होलकर सुशासन, परोपकार और नारी शक्ति की अमर ज्योति थीं : संतोष गंगवार

रांची (एजेंसी): रांची विश्वविद्यालय के आर्यभट सभागार में राष्ट्र सेविका समिति द्वारा लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर के त्रिशताब्दी जयंती महोत्सव का आयोजन भव्य रूप से संपन्न हुआ। इस ऐतिहासिक अवसर पर विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।

मुख्य अतिथि महामहिम राज्यपाल संतोष गंगवार ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से इस आयोजन को विशेष बनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसके पश्चात राष्ट्र सेविका समिति के सदस्यों ने वंदे मातरम् गीत का सामूहिक गायन किया। मुख्य वक्ताओं ने लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के जीवन दर्शन और उनके योगदान पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर का योगदान

राज्यपाल महोदय ने लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर के जीवन परिचय को विस्तार से बताए हुए कहा मैं इस कार्यक्रम में सम्मिलित होकर खुद को धन्य समझता हूँ, उनका पूरा जीवन प्रेरणादायी है। इस समारोह के आयोजन हेतु राष्ट्र सेविका समिति एवं इतिहास विभाग, रांची

यूनिवर्सिटी बधाई के पात्र हैं। लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर केवल कुशल प्रशासक ही नहीं थी अपितु उन्होंने समाज में सेवा, न्याय, एवं धर्मपरायणता का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। उनकी शासन व्यवस्था प्रजा को न केवल सुरक्षा प्रदान करती थी बल्कि, शिक्षा, कला, संस्कृति और धर्म के संरक्षण के लिए प्रेरणादायक थी।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता मा. वी. शांताकुमारी जी ने लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के जीवन के प्रेरणादायक पहलुओं को साझा किया। अध्यक्ष डॉ. अजीत सिन्हा जी ने लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के जीवन पर विस्तृत चर्चा की और इतिहास विभाग को निर्देश दिया कि इस विषय पर शोध कार्य किया जाए। इसके अतिरिक्त, विभिन्न शोधार्थियों ने इस अवसर पर अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए, जिनमें अहिल्याबाई की शासन नीतियों, सामाजिक सुधारों, कला और संस्कृति में उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। शोधार्थियों और इतिहासकारों ने इस बात पर भी बल दिया कि आधुनिक भारत में सुशासन और प्रशासन के संदर्भ में उनके जीवन से महत्वपूर्ण शिक्षा ली जा सकती है।

कार्यक्रम के अंत में राष्ट्र सेविका समिति की ओर से अतिथियों को सम्मानित किया गया और स्मृति चिह्न प्रदान किए गए। वन्देमातरम गीत के साथ इस भव्य समारोह का समापन हुआ। इस अवसर पर उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों ने लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के जीवन से प्रेरणा लेने और उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विद्वान, छात्र-छात्राएँ एवं समाज के विभिन्न वर्गों से आए लोग उपस्थित रहे।

महाकुंभ में हुई दुखद भगदड़ की खबर सुनकर मन व्यथित है : मुख्यमंत्री

रांची (एजेंसी): सूबे के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कुंभ हादसे पर चिंता जाहिर की है। सीएम हेमंत ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर ट्वीट कर लिखा कि महाकुंभ में हुई दुखद भगदड़ की खबर सुनकर मन व्यथित है, जिसमें कम से कम १५ निर्दोष लोगों की जान चली गई है।

मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं शोकसंतप्त तीर्थयात्री परिवारों के साथ हैं। इस दुखद घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

पूर्ण आशा है की भारत सरकार इस घटना की पूरी तरह से जांच करेगी और ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाएगी।

हम सभी को मिलकर ऐसी त्रासदियों से सबक लेना चाहिए और भविष्य में सुरक्षा के उचित इंतजाम सुनिश्चित करने चाहिए ताकि ऐसी घटना दुबारा ना हो।

बता दें कि प्रयागराज के संगम तट पर मंगलवार-बुधवार की रात करीब १:३० बजे अचानक भगदड़ मच गई थी। इस हादसे में १४ लोगों की मौत की खबर है।

५० से ज्यादा लोग घायल हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रशासन ने अभी तक मरने वालों और घायलों की आधिकारिक संख्या की पुष्टि नहीं की है। स्वरूपरानी अस्पताल में अब तक १४ शव पोस्टमार्टम के लिए लाए जा चुके हैं।

राज्य में बन रहे 19 कोल्ड स्टोरेज का काम समय पर हो पूरा-शिल्पी नेहा तिर्की का अफसरों को निर्देश

रांची (एजेंसी): कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने विभाग से जुड़े भवनों के निर्माण कार्य में गुणवत्ता पर जोर देने का निर्देश दिया है। नेपाल हाउस में भवन निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने राज्य में निर्माणाधीन १९ कोल्ड स्टोरेज का कार्य समय सीमा के अंदर पूर्ण करने को कहा है।

बैठक के दौरान इस बात पर जोर दिया गया की नये भवन के निर्माण कार्य के साथ-साथ पहले से बन कर तैयार भवन का भी रख रखाव जरूरी है। खासकर कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग से जुड़े लैंप-पैक्स के लिए ये निर्देश ज्यादा जरूरी है।

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि कृषि उत्पाद के स्टोरेज से जुड़े भवनों का निर्माण कार्य तय समय सीमा के अंदर होनी चाहिए। राज्य में जर्जर लैंप-पैक्स के स्थान पर नये भवन का निर्माण समय की आवश्यकता है। राज्य में निर्माणाधीन १९ कोल्ड स्टोरेज के साथ-साथ छोटे कोल्ड स्टोरेज की भी समीक्षा की गई। राज्य में प्रयाप्त संख्या में कोल्ड स्टोरेज नहीं होने से कृषि उत्पाद, फल, सब्जी के रख रखाव में किसानों को परेशानी हो रही है। ऐसे कोल्ड स्टोरेज के निर्माण के क्रम में गुणवत्ता पर सबसे ज्यादा जोर देने का निर्देश दिया गया है।

बैठक में मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि इस बार मौसम अनुकूल रहने की वजह से धान की अच्छी पैदावार हुई है। मोटा अनाज और दलहन की भी पैदावार पहले की तुलना में बेहतर है।

किसानों को समय पर बीज वितरण के लिए राज्य में स्टोरेज की बेहतर व्यवस्था होनी चाहिए। इसके लिए विभाग को भवन की जरूरत है और भवन निर्माण विभाग को इसके लिए समय सीमा के अंदर भवन उपलब्ध कराना होगा।

बैठक में विभागीय सचिव अबू बक्कर सिद्धिख, भवन निर्माण विभाग के सचिव अरवा राजकमल और दूसरे विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

जनजातीय कलाकारों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए सरकार करेगी पहल:चमरा लिंडा

रांची (एजेंसी): कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने कहा कि सरकार, झारखंड की जनजातीय संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है। झारखंड की जनजातीय कला और संस्कृति को संजोने और जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के गौरवशाली इतिहास को चित्रों के माध्यम से प्रदर्शित करने के उद्देश्य से ही राज्य-स्तरीय जनजातीय चित्रकार शिविर का आयोजन किया जा रहा है। वह बुधवार को डॉ. राम दयाल मुंडा जनजातीय कल्याण शोध संस्थान परिसर, मोराबादी, रांची में राज्य-स्तरीय जनजातीय चित्रकार शिविर का उद्घाटन कर रहे थे। यह ऐतिहासिक आयोजन जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार एवं झारखंड सरकार के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है।

मंत्री चमरा लिंडा ने कहा कि झारखंड के जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों का संघर्ष हमारी अस्मिता और प्रेरणा का प्रतीक है। उनकी शौर्यगाथा को कला के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाना बेहद आवश्यक है। इस चित्रकार शिविर के माध्यम से हमें उन वीर सेनानियों की वीरता को पुनः जीवंत करने का अवसर मिला है। साथ ही झारखंड का जनजातीय समाज हमेशा से अपनी कला, संस्कृति और संघर्षशीलता के लिए जाना जाता है। यहां के कलाकारों की प्रतिभा अद्भुत है, और यह शिविर उन कलाकारों को एक मंच प्रदान करेगा जिससे, वे अपनी कला के माध्यम से इतिहास को संजो सकें।

शिविर का उद्देश्य और महत्व

इस वर्ष धरती आबा बिरसा मुंडा की १५०वीं जयंती का ऐतिहासिक उत्सव मनाया जा रहा है। इस उपलक्ष्य में झारखंड के वीर जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के चित्रांकन हेतु यह चार दिवसीय जनजातीय चित्रकार शिविर (२९ जनवरी से १ फरवरी २०२५) आयोजित किया गया है।

इस शिविर का मुख्य उद्देश्य झारखंड की वीरभूमि से जुड़े जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों जैसे बिरसा मुंडा, सिद्धू-कान्हू, चांद-भैरव, तिलका मांझी, वीर बुधु भगत, नीलांबर-पीतांबर सहित अन्य अमर योद्धाओं के संघर्ष और योगदान को चित्रों के माध्यम से जीवंत करना है।

पृष्ठ एक का शेषांश

निर्माण कार्य में जीएसटी---

५. राज्य में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाले शिक्षकों, छात्रों, प्रशासकों एवं संस्थानों को सम्मानित करने के उद्देश्य से झारखण्ड राज्य उच्चतर शिक्षा पुरस्कार योजना (झारखंड राज्य उच्च शिक्षा पुरस्कार योजना) लागू करने की स्वीकृति दी गई। ६. उच्च न्यायालय, झारखण्ड, रांची द्वारा डब्ल्यूपी(एस) ४०७४/२०१६, रश्मि प्रसाद बनाम् राज्य सरकार एवं अन्य तथा डब्ल्यूपी(एस) ४४१८/२०१६, दीपक कुमार बनाम् राज्य सरकार एवं अन्य वाद में दिनांक २३.०१.२०२४ को पारित आदेश के अनुपालन में वादीगण की स्नातक प्रशिक्षित वेतनमान में नियुक्ति के अनुमोदन हेतु गैर-सरकारी सहायता प्राप्त भाषायी अल्पसंख्यक विद्यालय, डोरण्डा बालिका उच्च विद्यालय, डोरण्डा, रांची में सहायक शिक्षकों के ०२ छाया पद, २६ फरवरी, २००९ से ३१ दिसम्बर, २०१७ तक की अवधि हेतु सृजन की स्वीकृति दी गई।

दक्षिण सूडान के यूनिटी---

था जिसमें १९ लोगों की मौत हुई थी। २०१५ में भी, जुबा हवाई अड्डे से उड़ान भरते ही एक रूसी मालवाहक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें दर्जनों लोगों की जान चली गई थी।

महाकुंभ भगदड़ में---

तक लागू रहेगी। यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री संजय निषाद ने कहा कि श्रद्धालु जहां जगह हो वहीं स्नान करें। जहां इतनी बड़ी भीड़ होती है, इतना बड़ा प्रबंधन होता है, ऐसी छोटी-मोटी घटना हो जाती है। महाकुंभ में भगदड़ की कई वजहें बताई जा रही हैं। अमृत स्नान की वजह से ज्यादातर पांटून पुल बंद थे। इसके कारण संगम पर पहुंचने वाली करोड़ों की भीड़ इकट्ठा होती चली गई। जिससे बैरिकेड्स में फंसकर कुछ लोग गिर गए। यह देखकर भगदड़ की अफवाह फैल गई। संगम नोज पर एंट्री और एग्जिट के रास्ते अलग-अलग नहीं थे। लोग जिस रास्ते से आ रहे थे, उसी रास्ते से वापस जा रहे थे। ऐसे में जब भगदड़ मची तो लोगों को भागने का मौका नहीं मिला। वे एक-दूसरे के ऊपर गिरते गए। हादसे के बाद ७० से ज्यादा एम्बुलेंस संगम तट पर पहुंचीं। इनसे घायलों और मृतकों को अस्पताल ले जाया गया। हादसे के बाद संगम तट पर हृस्र कमांडो ने मोर्चा संभाल लिया। संगम नोज इलाके में आम लोगों की एंट्री बंद कर दी गई। भीड़ और न बढ़े, इसलिए प्रयागराज से सटे जिलों में श्रद्धालुओं को रोक दिया गया है। वहां प्रशासन को अलर्ट कर दिया गया है।

बूढ़े, जवान, बच्चे सबको भीड़ ने रौंद दिया

मां को खोने वाले बिहार के बेटे ने रो-रोकर कहा- बूढ़े, जवान, बच्चे सबको भीड़ रौंद रही थी। मैं भी दब गया था। किसी तरह बच गया। मेरी आंखों के सामने मां की मौत हो गई। मां को गोदी में उठाकर बाहर लाया। मगर, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। सोचा, मैं भी मां के साथ मर जाता हूं। अपनों की मौत के बाद परिवार वाले रो रहे हैं। एक महिला बेसुध है, तो दूसरी उसे सांत्वना दे रही है। रो-रोकर यही बोल रही कि जो चला गया वह अब दोबारा कैसे आएगा।

आमने-सामने लोग आए, भगदड़ मच गई

हम लोग नहाने गए तो वहां भगदड़ मच गई। एक ही रास्ते से लोग आ-जा रहे थे। आमने-सामने लोग हो गए तो धक्का-मुक्की शुरू हो गई। मानों अचानक जैसे सैलाब आ गया। लोग एक-दूसरे पर गिरने लगे। बस यही लग रहा था कि आज बच नहीं पाएंगे। किसी तरह बचे। हमारी ननद बिछड़ गई है।

अब मेडिकल के एडमिशन---

धूलिया और एस वी एन भट्टी शामिल थे। उन्होंने माना कि पीजी मेडिकल पाठ्यक्रमों में निवास-आधारित आरक्षण स्पष्ट रूप से संविधान के अनुच्छेद १४ का उल्लंघन है।। बेंच ने कहा कि हम सभी भारत के में निवासी हैं। यहां राज्य या प्रांतीय डोमिसाइल जैसा कुछ नहीं है। केवल एक डोमिसाइल है। वह है हम सभी भारत के निवासी हैं। हमें भारत में कहीं भी निवास चुनने और देश में कहीं भी व्यापार और पेशा करने का अधिकार है। संविधान हमें पूरे भारत में शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश चुनने का अधिकार भी देता है।

पीजी कोर्स के लिए यह स्वीकार नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि किसी विशेष राज्य में रहने वाले छात्रों के लिए एमबीबीएस पाठ्यक्रमों में एक निश्चित डिग्री तक आरक्षण की अनुमति हो सकती है, लेकिन पीजी मेडिकल पाठ्यक्रमों में यह अस्वीकार्य है। कोर्ट ने कहा कि मेडिकल कॉलेजों सहित शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण का लाभ किसी विशेष राज्य में रहने वालों को एमबीबीएस पाठ्यक्रमों में एक निश्चित डिग्री तक ही दिया जा सकता है।

रूस के बनाए चक्रव्यूह में---

अशुभ गठबंधन कहा था। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि यह अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए प्रभाव खोने जैसा है। प्रोफेसर केएन पंडिता ने कहा कि पिछले चार सालों में अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक समीकरण में कई बदलाव आए हैं। नए गठबंधनों को उभरते हुए देख रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप के जाने-माने विरोधियों ने एक तरह का गठबंधन बना लिया है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। एक महत्वपूर्ण विकास यह है कि रूस-यूक्रेन युद्ध के २०२२ में शुरू होने के बाद से ये असंतुष्ट देश एक-दूसरे के करीब आ गए हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने चुनाव अभियान के दौरान और पद की शपथ लेने के तुरंत बाद महत्वपूर्ण घोषणाएं की थीं।

सलीमा टेटे और निक्की प्रधान मिली जमीन, घर बनाने के सरकार देगी 35-35 लाख

रांची (एजेंसी): मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आज झारखंड की दो महिला हॉकी खिलाड़ियों, सलीमा टेटे और निक्की प्रधान को रांची के हरमू स्थित आवासीय कॉलोनी में ३७५० वर्ग फीट भूखंड आवंटन का कागजात सौंपा। यह सम्मान इन खिलाड़ियों की हॉकी में उत्कृष्ट प्रदर्शन और राज्य एवं देश का नाम रोशन करने के लिए दिया गया है। मुख्यमंत्री के इस कदम से सलीमा और निक्की का रांची में अपना घर होने का सपना पूरा हुआ है। उन्हें हरमू आवासीय कॉलोनी के प्लॉट नंबर १० बी और १० ए में ३७५० वर्ग फीट भूखंड आवंटित किया गया है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि आज उत्साह का दिन है। राज्य की दो होनहार हॉकी खिलाड़ी बेटियों का सम्मानित किया जा रहा है। हमारी बेटियों ने अपने हुनर और काबिलियत से सिर्फ राज्य का ही नही बल्कि पूरे देश का नाम रोशन किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले कई दशकों से झारखंड की बेटियों ने अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर देश और दुनिया में अलग पहचान बनाई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपने प्रदर्शन की बदौलत कई बार हमारी बेटियों ने लोगों को आश्चर्यचकित किया है कि झारखंड जैसे पिछड़े और आदिवासी बहुत क्षेत्र जहां सीमित संसाधनों में तैयारी कर इतनी बड़ी सफलता हासिल की जा सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कई ऐसे मौकों पर देखने को मिला कि राज्य के खिलाड़ियों ने देश और दुनिया में अपनी प्रतिभाओं का लोहा मनवाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने खेल पर फोकस करते हुए नई रास्ता तलाशने का काम किया है जिससे यहां के युवाओं को अपनी प्रतिभा को निखारने का मौका मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने रांची में हॉकी के अंतरराष्ट्रीय मैच के साथ-साथ कई बड़ी-बड़ी खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन सफलतापूर्वक कर दिखाया है। ऐसे खेल आयोजनों से यहां के खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का बेहतर मौका मिल रहा है। खेल स्वस्थ मानसिकता को विकसित करने का एक बेहतर माध्यम है।

राज्य सरकार ने वादा पूरा किया

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि सलीमा टेटे और निक्की प्रधान को रांची में भूखंड देने का निर्णय हमारी सरकार का ही था। आज ये वादा हम पूरा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने भूखंड देने के साथ-साथ यह भी घोषणा किया कि इन दोनों खिलाड़ियों को अपना आशियाना बनाने के लिए राज्य सरकार खेल नीति के तहत ३५-३५ लाख रुपए उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि समय के साथ भले हमारी ये स्टार बेटियां आर्थिक रूप से मजबूत हुई हों, परंतु संघर्ष के दिनों में जब मैं इनके गांव-घर पहुंचा था तब इनकी आर्थिक स्थिति को देखा था, उसी समय किया गया वादा आज मैं पूरा कर रहा हूं। आज हमारी इन बेटियों को मिल रहा सम्मान राज्य के अन्य बेटियों एवं युवा वर्ग के लिए आशा और अवसर का प्रतीक बनेगा, इनसे प्रेरित होकर राज्य के अन्य खिलाड़ी अपने हुनर और प्रदर्शन को बेहतर करने का काम करेंगे।

डीसी ने हाजिरी बनाकर गायब रहने वाले बड़ा बाबू और लिपिक का वेतन काटने और शो-कॉज का दिया निर्देश

रांची (एजेंसी): उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजन्त्री ने अरगोड़ा अंचल कार्यालय से हाजिरी बनाकर गायब रहनेवाले बड़ा बाबू और लिपिक के एक दिन का वेतन काटने और शो-कॉज का निर्देश दिया है।

आज २९ जनवरी को संध्या समय औचक निरीक्षण के दौरान दोनों अनुपस्थित पाये गये। कार्यालय में उपस्थित कर्मियों की उपस्थिति पंजी और बायोमेट्रिक उपस्थिति की जांच के दौरान बड़ा बाबू अश्विनी कुमार वास्तव और लिपिक अनीता कुमारी की हाजिरी बनी हुई थी लेकिन दोनों गायब थे।

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने इसे गंभीरता से लेते हुए दोनों के एक दिन का वेतन काटने और शो-कॉज करने को कहा। उन्होंने कहा कि सभी कर्मचारी कार्यालय समय से आएं, बायोमेट्रिक हाजिरी बनाना सुनिश्चित करें और आवेदन स्वीकृति के पश्चात् ही अवकाश पर जाएं।

10 डिसिमल तक के म्यूटेशन के मामलों का शत-प्रतिशत वेरिफिकेशन

उपायुक्त, मंजूनाथ भजंत्री ने अंचल अधिकारी सुमन कुमार सौरभ से दाखिल-खारिज के लंबित मामलों की जानकारी ली। सीओ द्वारा बताया गया कि सूची अनुसार १० डिसिमल तक के म्यूटेशन के मामलों का शत-प्रतिशत वेरिफिकेशन सीआई और कर्मचारी स्तर से हो चुका है। उपायुक्त द्वारा आगामी रविवार को कैम्प लगाकर वेरिफाइड मामलों के निष्पादन का निर्देश गया। उन्होंने परिशोधन पोर्टल के कार्य में तेजी लाने के भी निर्देश दिये।

सरकारी जमीन की बिक्री पर नजर रखें

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा अंचल कार्यालय के पदाधिकारियों/कर्मियों से सरकारी जमीन की खरीद-बिक्री पर पैनी नजर रखने को कहा। उपायुक्त ने राज्य या केन्द्र सरकार की जमीन की खरीद-बिक्री पर फौरन एक्शन लेने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि अंचल कार्यालय में बिचौलियों दिखते हैं तो फौरन नजदीकी थाना को बतायें।

उपायुक्त ने आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि बिचौलियों की जानकारी अबुआ साथी (९४३०३२८०८०) पर दें, जन शिकायत हेतु जिला प्रशासन के व्हाट्सएप नंबर पर चौबीस घंटे सतत निगरानी होती है और प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई होती है।

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा अंचल कार्यालय परिसर का भी भ्रमण किया गया। उन्होंने अंचल अधिकारी को कार्यालय के आधारभूत संरचना को और सुदृढ़ बनाने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने सभी अंचल कर्मियों को दक्षता-पूर्वक और पूरी पारदर्शिता के साथ जन कर्तव्यों का निर्वहन करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि कार्यालय को अपने घर जैसा समझें और उचित साफ-सफाई रखें।

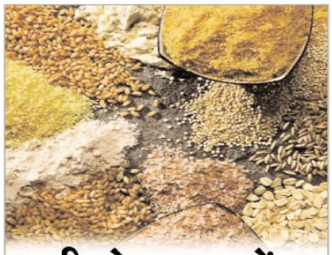

सभी पोषक तत्वों की कमी पूरी करता है मल्टीग्रेन आटा

मल्टीग्रेन आटे का अर्थ है मिला जुला आटा या कई तरह के अनाज का मिक्स आटा। इस में गेहूं के साथ ही ज्वार, बाजरा, जौ, काला चना, रागी, जई, मक्का, क्विनोआ, सूजी, चावल, सिंघाड़े, राजगिरा आदि के आटे को मिलाकर आटा तैयार किया जाता है। इस आटे में विटामिन, प्रोटीन, डाइटरी फाइबर, कार्ब्स, आयरन, कैल्शियम, खनिज आदि कई तरह के पोषक तत्व होते हैं। मल्टीग्रेन आटा ज्यादातर ग्लूटेन फ्री होता है।

वजन होता है कम

इसके लिए आपको गेहूं के आटे में जई, मक्का, ज्वार और चना मिलाकर उसकी रोटी बनाकर खाना चाहिए। इसमें फाइबर अधिक होने से यह पाचन के लिए ठीक रहेगा और साथ ही यह वेट लॉस करेगा। यह कई सूक्ष्म पोषक तत्वों से भरपूर होने के साथ-साथ शरीर को संपूर्ण पोषण प्रदान करता है।

विटामिन की कमी को करता है दूर

इसमें कई तरह के विटामिन होते हैं जिसके चलते शरीर में विटामिन की कभी कमी नहीं होती है।

पाचन तंत्र को सुधारता

यह फाइबर से भरा होता है जो अच्छे आंत बैक्टीरिया का पोषण करता है, जिसके चलते पाचन तंत्र में सुधार होता है और मेटाबॉलिज्म में भी सुधार करता है।

शारीरिक दर्द और सूजन को कम करता है बाजरा

बाजरा में सूजन-रोधी गुण होते हैं। मल्टीग्रेन आटा में बाजरे का आटा मिला होने से यह जोड़ों के दर्द और सूजन में लाभदायक है।

मांसपेशियां होती है मजबूत

इससे मांसपेशियां मजबूत होती है। इस आटे में सोयाबीन, चना और जौ भी मिलाया जाए तो यह प्रोटीन का अच्छा सोर्स बन जाता है। बच्चों के शरीरिक विकास के लिए यह मददगार साबित हो सकता है।

सर्दियों में इन आदतों की वजह से बढ़ जाती है कब्ज की परेशानी

सर्दियों में अक्सर लोगों को कब्ज की परेशानी हो जाती है। इसका सबसे मुख्य कारण होता है ठंड के मौसम में शरीर के फंक्शन में बदलाव आना। डाइजेस्टिव सिस्टम स्लो हो जाता है, लेकिन हमारी कुछ आदतें भी हैं जो सर्दियों कब्ज को बढ़ा सकती हैं ।

सर्दियों में इन आदतों की वजह से बढ़ जाती है कब्ज की परेशानी

आपका पाचन तंत्र ठीक से काम करें इसके लिए जरूरी है कि आप ठीक प्रकार से हाइड्रेट रहें। वहीं सर्दियों में गर्मी के मुकाबले लोग पानी कम पीते हैं, क्योंकि प्यास ही कम लगती है। पानी की कमी से मल सूखा और कठोर हो जाता है, जिससे कब्ज की समस्या बढ़ जाती है। ठंड के मौसम में लोग ज्यादातर घर में ही बिताते हैं।शारीरिक गतिविधियां कम हो जाती है और इस वजह से आंतों की गतिविधि धीमी हो जाती है जिससे कब्ज हो सकती है।

सर्दी का मौसम सुहावना होता है और इस मौसम में अक्सर लोग तला भुना, भारी खाना खाते हैं जो पाचन क्रिया को और भी धीमा कर देता है। सर्दियों में लोगों के आहार में फाइबर की कमी हो जाती है। लोग सलाद वगैरह कम खाने लगते हैं फाइबर की कमी से भी पाचन धीमा हो जाता है। जिससे कब्ज की समस्या पैदा हो सकती है।ठंड में लोग चाय कॉफी- अधिक सेवन करते हैं और कैफीन अधिक सेवन करने से शरीर में पानी की कमी हो सकती है, जिससे मल सूखा और कठोर हो जाता है। वहीं सर्दियों के मौसम में लोगों को तनाव और उदासी बनी रहती है। इससे भी पाचन तंत्र प्रभावित होता है। आंतों की गति धीमी हो जाती है। इसके अलावा ठंडी हवा के कारण शरीर की मांसपेशियां संकुचित हो जाती है जिससे आंतों की गतिविधि में रुकावट आ सकती है।

सेहत और त्वचा दोनों के लिए लाभकारी है हल्दी पानी

हल्दी का उपयोग हर किसी के घर में किया जाता है। हल्दी में एंटीइंफ्लेमेटरी, एंटीऑक्सीडेंट गुण मौजूद होते हैं। हल्दी का प्रयोग लगभग सभी प्रकार के खाने में किया जाता है। यह व्यंजनों के स्वाद में तो इजाफा करती ही है साथ ही इसमें अनेक औषधीय गुण भी होते हैं। यह गर्म और रूखी होती है। त्वचा, पेट और शरीर की कई बीमारियों में हल्दी का प्रयोग किया जाता है। हल्दी का सेवन पानी के साथ किया जाए, तो फायदे बढ़ जाते हैं। हल्दी का पानी सेहत और त्वचा दोनों के लिए लाभकारी होता है। जिन लोगों को बार-बार सर्दी-जुकाम और संक्रमण हो जाता है उन्हें अपनी डाइट में हल्दी के पानी को जरूर शामिल करना चाहिए।

गुणकारी हल्दी के अलग-अलग लाभ उठाने के लिए आपको किसी वैद्य या विशेषज्ञ की शरण में जाने की जरूरत नहीं है। अपने घर पर ही छोटे-छोटे प्रयोग कर इसके अलग-अलग लाभ उठाए जा सकते हैं। आमतौर पर देखा गया है कि लोग उठते ही गर्म पानी या फिर निम्बू पानी का सेवन करते हैं जिससे कि उनका पेट साफ़ हो और खुल कर शरीर की गंदगी बाहर निकल जाए यह शरीर के लिए फायदेमंद है, यदि इसमें थोड़ी सी हल्दी मिक्स कर दी जाए तो इसके गुणों में भारी इजाफा हो जाता है।

शरीर को शक्तिशाली बनाना

लगभग 500 ग्राम की मात्रा में हल्दी की गांठे और एक किलो बुझा हुआ चूना लेकर इसको एक मिट्टी के बर्तन में डालकर इसमें ऊपर से 2 लीटर पानी डालें। पानी डालते ही चूना पकने लगता है और जब यह ठण्डा हो जाए तो बर्तन को ढककर रख दें। इसके बाद 2 महीने बाद हल्दी की गांठों को निकालकर पीसकर चूर्ण बना लें। हल्दी की गांठों के चूर्ण को 3 ग्राम की मात्रा में लेकर 10 ग्राम शहद के साथ मिलाकर लगातार 4 महीने तक रोजाना खाने से शरीर का खून साफ हो जाता है और इससे शरीर में भरपूर ताकत आती है।

वजन कम होता है

अगर आप अपना वजन कम करना चाहते हैं, तो ऐसे में अपनी डाइट में हल्दी का पानी शामिल कर सकते हैं। हल्दी में करक्यूमिन पाया जाता है। फैट बढ़ाने वाले टिशूज को बनने से रोकने के लिए हल्दी का पानी पीना फायदेमंद होता है।

आंखों के रोग

हल्दी को अरहर की दाल में पकायें और छाया में सुखा लें उसे पानी में घिसकर, शाम होने से पहले ही दिन में दो बार जरूर लगायें इससे झामर रोग, सफेद फूली और आंखों की लालिमा में लाभ होता है।

नहीं होंगी त्वचा और बालों से जुड़ी समस्याएं

हल्दी का पानी खून साफ करता है। साथ ही इस पानी को पीने से शरीर में विषाक्त तत्वों को बाहर निकालने में मदद मिलती है। इससे एजिंग साइन्स जैसे झुर्रियां या मुरझाई त्वचा की समस्या दूर होगी। त्वचा की सूजन कम करने में हल्दी फायदेमंद मानी जाती है। इसका इस्तेमाल करने से त्वचा में निखार बढ़ता है।

पेट से जुड़ी समस्याएं दूर होंगी

हल्दी के पानी का सेवन करेंगे, तो पेट से जुड़ी समस्याएं जैसे डायरिया, अपच, कब्ज, पेट में दर्द, पेट में ऐंठन आदि समस्याएं दूर होंगी। हल्दी का पानी पीने से शरीर में पित्त ठीक से बनता है और पाचन तंत्र मजबूत बनता है। हल्दी में एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरल गुण भी होते हैं। हल्दी के पानी का सेवन करने से इम्यूनिटी मजबूत होती है। हल्दी में मौजूद लिपो पॉलिसैकेराइड की मदद से शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले सेल्स बढ़ते हैं। एक गिलास गुनगुने पानी में एक नीम्बू निचोड़कर उसमें एक चुटकी हल्दी मिला लें और इसे सुबह खाली पेट पीएं। ऐसा करने से पेट में गैस बनने की समस्या दूर होती है और एसिडिटी, बदहजमी, फूड पॉइजनिंग, कब्ज आदि बीमारी से भी छुटकारा मिलता है जिससे सुबह पेट पानी की तरह साफ़ होगा।

हार्ट की बीमारियों से होगा बचाव

हल्दी का पानी शरीर से कोलेस्ट्रॉल का स्तर को नियंत्रण रखने में मदद करता है। हल्दी का पानी पीने से खून के थक्के बनने से रोकने में मदद मिलेगी। इससे आपको हार्ट से जुड़ी बीमारियों का खतरा नहीं होगा।

कम होती है सूजन

शरीर में सूजन कितनी भी क्यों न हो हल्दी सूजन को कम करने में सहायक है इसमें करक्यूमिन नामक एक रसायन पाया जाता है जो दवा के रूप में काम करता है इसीलिए आपने देखा होगा किसी को भी चोट लग जाती है तो हमारे बुजुर्ग हल्दी दूध में डालकर पिलाते थे।

ब्लाकेज से बचाती है हल्दी

जिन लोगो की खून की धमनियों में ब्लाकेज की शिकायत है उनको तो अवश्य ही हल्दी वाला पानी सेवन करना लाभदायक है क्योंकि हल्दी खून को जमने से रोकती है अदरक भी खून को पतला रखती है और ब्लाकेज से बचाती है।

हड्डी के टूटने पर

हड्डी के टूटने पर रोज हल्दी का सेवन करने से लाभ मिलता है। एक प्याज को पीसकर एक चम्मच हल्दी मिलाकर कपड़े में बांध लें। इसे तिल के तेल में रखकर गर्म करें और इससे फिर सेंक करें। कुछ देर सेंकने के बाद पोटली खोलकर दर्द वाले स्थान पर बांध दें।

नहीं पनपने देती बैक्टीरिया

यदि किसी कारण से शरीर के बाहरी या अंदरूनी हिस्से में चोट लग जाए-तो हल्दी वाला दूध उसे जल्द से जल्द ठीक करने में बेहद लाभदायक है क्योंकि यह अपने एंटी बैक्टीरियल और एंटीसेप्टिक गुणों के कारण बैक्टीरिया को पनपने नहीं देता है।

त्वचा के रोग

हल्दी को पीसकर तिल के तेल में मिलाकर मालिश करें इससे चर्म रोग खत्म हो जाएगा। या अगर शरीर में खुश्की (चमड़ी सूख) गई हो तो सरसों के तेल में हल्दी को मिलाकर शरीर पर उसकी मालिश करने से लाभ होता है।

मसूढ़ों का रोग

हल्दी को मोटा-मोटा कूटकर आग पर भून लें। इसे बारीक पीसकर कपड़े से छानकर प्रतिदिन सुबह-शाम मसूढ़ों पर मलें। इससे मसूढ़ों के रोग ठीक हो जाते हैं।

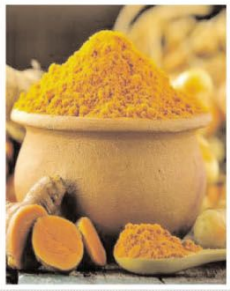

क्या आपका भी मिट्टी खाने का मन करता है पाइका के हो सकते हैं लक्षण

अक्सर आपने बच्चों एवं महिलाओं को बत्ती, चौक या मिट्टी खाते हुए देखा होगा। कई लोगों को मिट्टी खाने की बहुत क्रेविंग होती है। साथ ही कई लोग इस आदत से परेशान भी होते हैं क्योंकि मिट्टी या चुना आपकी सेहत के लिए हानिकारक होता है। यह एक तरह की बीमारी होती है जिसे जियोफेजिया के नाम से जाना जाता है। वैसे मामूली स्थिति में मिट्टी खाने की क्रेविंग कैल्शियम की कमी के कारण होती है लेकिन इसके साथ यह एक बीमारी का भी लक्षण है।

क्या है पाइका

दरअसल मिट्टी खाने का सीधा संबंध पाइका नाम की बीमारी से है। इस बीमारी में इंसान मिट्टी खाने से खुद को रोक नहीं पाता है। ऐसी स्थिति ज्यादातर प्रेग्नेंट महिलाओं में देखी जाती है। इस बीमारी में मिट्टी खाने की लत किसी चीज़ के नशे के सामान होती है। एक्सपर्ट के अनुसार पाइका एक ऐसी बीमारी होती है जिसमें व्यक्ति को उन पदार्थों को खाने की इच्छा होती है जो खाने लायक नहीं है। इस बीमारी का नाम एक पक्षी के नाम पर रखा गया है। पाइका एक ऐसे पक्षी का नाम है जो कुछ भी खा लेते हैं इसलिए इस बीमारी को पाइका कहा जाता है।

इनकी कमी से होती है मिट्टी खाने की क्रेविंग

इसके साथ ही कई बार मिट्टी खाने का संबंध कैल्शियम की कमी से किया जाता है लेकिन यह एकमात्र ऐसा कारण नहीं है। आयरन की कमी के कारण भी मिट्टी या मिट्टी जैसे पदार्थों को खाने की इच्छा करती है। इस बीमारी में महिलाओं को मिट्टी खाने की बहुत क्रेविंग होती है। ऐसे में जब आप बार बार मिट्टी खाते हैं तो आपके पेट में बहुत सी समस्याएं हो सकती हैं।

किडनी स्टोन की हो सकती हैं समस्या

बार बार मिट्टी खाने से आंतों में रुकावट होती है। साथ ही आपके लीवर पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। आपको बता दें कि मिट्टी खाने वाले बच्चों और बड़ों के शरीर में सूजन की परेशानी होने लगती है। मिट्टी खाने की वजह से आपका डाइजेशन भी खराब होता है जिससे खाना ठीक से पच नहीं पाता है।

नीमिया की समस्या भी हो सकती है जैसा कि बताया कि आयरन की कमी के कारण भी आपको मिट्टी खाने की समस्या होती है। मिट्टी खाने से इंसान एनीमिया का भी शिकार हो जाता है क्योंकि शरीर में हीमोग्लोबिन हो जाता है। हीमोग्लोबिन कम होने से खून में ऑक्सीजन नहीं जा पाता इस वजह से एनीमिया हो जाता है।

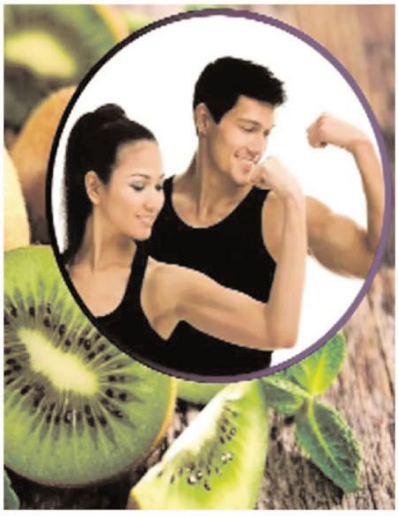

शरीर के लिए लाभप्रद है खट्टी-मीठी कीवी

फलों और सब्जियों के सेवन से स्वास्थ्य को जरूरी पोषक तत्व और विटामिन की पूर्ति होती है। ऐसा ही एक स्वादिष्ट फल है कीवी जिसे स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद माना जाता है। कीवी में एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-इंफ्लेमेटरी, विटामिन सी, विटामिन बी, कैल्शियम, फाइबर, कार्बोहाइड्रेट, फॉस्फरोरस, कॉपर, जिंक, नियासिन, पोटैशियम, राइबोफ्लेविन, बीटा कैरोटीन आदि पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसका सेवन करने से कई गंभीर बीमारियों से रिकवरी करने में बहुत फायदा मिलता है।

गर्भवती महिलाओं के लिए कीवी बहुत फायदेमंद फल है। कीवी में फोलेट की पर्याप्त मात्रा होती है, जो गर्भ में पल रहे शिशु के दिमागी विकास के लिए बहुत फायदेमंद मानी जाती है। गर्भावस्था के दौरान कीवी खाने से बच्चों में न्यूरल डिफेक्ट का खतरा कम होता है। इसके अलावा, गर्भवती महिलाओं को डिलीवरी के बाद भी कीवी का सेवन जरूर करना चाहिए। ऐसा करने से उनमें डिलीवरी के बाद कमज़ोरी और खून की कमी दूर करने में मदद मिलती है।

डायबिटीज में फायदेमंद

डायबिटीज के मरीजों के लिए कीवी का सेवन बहुत फायदेमंद होता है। कीवी में मौजूद गुण डायबिटीज के मरीजों में ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में फायदेमंद माने जाते हैं। डायबिटीज के मरीज डॉक्टर की सलाह लेकर रोजाना कीवी का सेवन कर सकते हैं। इससे उनका पाचन तंत्र भी दुरुस्त रहता है।

ब्लड क्लॉटिंग को रोके

कीवी के सेवन से शरीर में खून का थक्का जमने की दिक्कत भी नहीं होती है। इसमें एंटीथ्रोम्बोटिक यानी खून का थक्का न जमने देने का गुण मौजूद होता है, जिसकी वजह से स्ट्रोक, किडनी और हार्ट अटैक संबंधी दिक्कत का खतरा भी कम रहता है।

हड्डियों का रखता है ख्याल

कीवी में विटामिन के भी मौजूद होता है, जो ऑस्टियोट्रोपिक एक्टिविटी या नए बोन सेल्स के डेवलपमेंट में योगदान कर सकता है। इसमें मौजूद विटामिन ई, मैग्नीशियम और फोलेट सभी तत्व स्वास्थ्य को कई लाभ प्रदान करते हैं।

कब्ज को दूर करे

कीवी फल, कब्ज को दूर करने में काफी मदद करता है। इसके सेवन से पुरानी से पुरानी कब्ज भी ठीक होने लगती है। यह गैस, ब्लोटिंग, एसिडिटी, अपच जैसी पेट की दिक्कतों को भी ये दूर करता है। अगर आप भी लगातार कब्ज की बीमारी से परेशान हैं तो कीवी का फल आपके लिए बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। यह पेट साफ करने में भी मददगार है।

हाई बीपी रहता है कंट्रोल में

कीवी में पोटेशियम और फाइबर प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। इसके सेवन से हृदय स्वस्थ रहता है। साथ ही उच्च रक्तचाप कंट्रोल में रहता है। वहीं, फाइबर बढ़ते कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में मददगार साबित होता है। एक शोध में उच्च रक्तचाप के मरीजों को एक हफ्ते में 8 किवी खाने की सलाह दी गई है। इसके लिए रोजाना कीवी का सेवन जरूर करें।

खाने के बेहतरीन स्वाद के लिए घर पर तैयार कर रही हैं मसाला, तो इन बातों का रखें ध्यान

जब आप घर पर मसाले पीसकर तैयार कर रहे हैं तो आपको साबुत मसालों की [ालिटी के साथ किसी तरह का समझौता नहीं करना चाहिए। कोशिश करें कि मसाले फ्रेश हों और उनमें से किसी तरह की गंध ना आ रही हो और ना ही उनका रंग फीका पड़ा हो।

खाने का असली स्वाद उसके मसालों में छिपा होता है। अमूमन हम बाजार के रेडीमेड मसाले लाकर उनका इस्तेमाल करना पसंद करते हैं, लेकिन कभी-कभी उनमें मिलावट होती है और हमें इसका पता ही नहीं चलता है। ऐसे में खाना काफी फीका व बेस्वाद सा लगता है। साथ ही साथ, मिलावटी मसालों के कारण सेहत को भी काफी नुकसान होता है। ऐसे में सबसे अच्छा तरीका होता है कि आप खुद घर पर ही अलग-अलग तरह के मसाले बनाकर उन्हें स्टोर करें। घर पर मसाले तैयार करते समय थोड़ी अतिरिक्त मेहनत अवश्य लगती है, लेकिन खाने का स्वाद बेहद ही लाजवाब आता है। अगर आप भी घर पर मसाले पीसकर तैयार कर रहे हैं तो आपको कुछ छोटे-छोटे टिप्स को जरूर फॉलो करना चाहिए। जानिए इस लेख में-

क्वालिटी के साथ ना करें समझौता

जब आप घर पर मसाले पीसकर तैयार कर रहे हैं तो आपको साबुत मसालों की क्वालिटी के साथ किसी तरह का समझौता नहीं करना चाहिए। कोशिश करें कि मसाले फ्रेश हों और उनमें से किसी तरह की गंध ना आ रही हो और ना ही उनका रंग फीका पड़ा हो। अगर साबुत मसाले की क्वालिटी अच्छी होती है, तभी आपके पीसे हुए मसालों का स्वाद उतना लाजवाब लगता है।

अनुपात में ना हो गड़बड़

अमूमन हम सभी घर पर कई तरह के मसालों को तैयार करते हैं, फिर चाहे वह गरम मसाला हो, सांभर मसाला हो या चाट मसाला। एक परफेक्ट टेस्ट के लिए यह बेहद जरूरी है कि आप मसालों के अनुपात का खास ख्याल रखें। दरअसल, हर मसाले के मिश्रण का अपना खास अनुपात होता है, इसलिए आप उसी अनुपात को ध्यान में रखकर मसला तैयार करें।

पहले करें ड्राई रोस्ट

जब आप घर पर मसाला बना रहे हैं तो यह बेहद जरूरी है कि आप पहले साबुत मसाले को ड्राई रोस्ट जरूर करें। मसालों को ड्राई रोस्ट करने से उनका स्वाद और खुशबू दोनों बढ़ जाती है। इसके लिए, आप भारी तले वाले पैन का इस्तेमाल करें और धीमी आंच पर इसे भूनें। ध्यान दें कि हर मसाले को अलग-अलग भूनें, क्योंकि सभी को भूनने का समय अलग-अलग होता है। साथ ही साथ, इसे जलने से बचने के लिए भूनते समय हिलाते रहें।

चॉकलेट पराठा बनाते समय ना करें ये गलतियां, बिगड़ जाएगा स्वाद

चॉकलेट पराठा बनाने का मतलब यह कतई नहीं है कि आप किसी भी चॉकलेट का इस्तेमाल करना शुरू करें। आप ऐसी चॉकलेट से बचें जो बहुत जल्दी पिघल जाती हैं, क्योंकि वह पराठा सेंकते समय समय बाहर निकल सकती हैं।

ठंड के मौसम में पराठा खाना हम सभी को पसंद होता है, लेकिन अगर आप बच्चों के लिए कुछ अच्छा व अलग तरह का पराठा बनाना चाहते हैं तो ऐसे में चॉकलेट पराठा बनाया जा सकता है। चॉकलेट का नाम सुनते ही बच्चों के चेहरे पर बड़ी सी मुस्कान छा जाती है, तो जरा सोचिए कि चॉकलेट पराठा का नाम सुनकर वे कितना ज्यादा खुश होंगे। खासतौर से, जिन बच्चों को मीठा खाना काफी पसंद होता है, उनके लिए चॉकलेट पराठा किसी ट्रीट से कम नहीं है।

यूं तो चॉकलेट पराठा खाने में काफी सॉफ्ट लगता है, लेकिन अधिकतर इसे बनाते समय हम इसमें कुछ छोटी-छोटी गलतियां कर बैठते हैं, जिससे इसका स्वाद बिगड़ जाता है। यह काफी सख्त और जला हुआ महसूस होता है या फिर इसकी फिलिंग बाहर निकलने लगती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको चॉकलेट पराठा बनाते समय की जाने वाली कुछ आम गलतियों के बारे में बता रहे हैं-

गलत चॉकलेट का इस्तेमाल करना

चॉकलेट पराठा बनाने का मतलब यह कतई नहीं है कि आप किसी भी चॉकलेट का इस्तेमाल करना शुरू करें। आप ऐसी चॉकलेट से बचें जो बहुत जल्दी पिघल जाती हैं, क्योंकि वह पराठा सेंकते समय समय बाहर निकल सकती हैं। कोशिश करें कि आप चॉकलेट पराठा बनाने के लिए सेमी-स्वीट या डार्क चॉकलेट चुनें।

पराठे में बहुत ज्यादा चॉकलेट भरना

अक्सर हम पराठा को बहुत ज्यादा टेस्टी बनाने के चक्कर में उसमें बहुत ज्यादा चॉकलेट भर देते हैं। ऐसा करना शायद आपको अच्छा लगता हो, लेकिन इससे पराठे को रोल करना काफी मुश्किल हो जाता है। यहां तक कि इससे पराठा बेलते समय उसके फटने की संभावना भी काफी बढ़ जाती है। इसलिए, हमेशा सही मात्रा में ही चॉकलेट का इस्तेमाल करें।

ठीक से सील न करना

चॉकलेट पराठा बनाते समय इस बात का विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए, जबकि हम इसमें अक्सर गड़बड़ कर बैठते हैं। अगर पराठे के किनारों को अच्छी तरह से सील नहीं किया गया है, तो खाना बनाते समय चॉकलेट बाहर निकल जाएगी, जिससे विपचिपापन पैदा होगा। इसलिए किनारों को सही तरह से सील करें और उन्हें सील करने से पहले उन्हें पानी या दूध से थोड़ा गीला कर लें।

तेज आंच पर पकाना

चॉकलेट पराठा बनाते समय उसे कभी भी तेज आंच पर पकाने की गलती नहीं करनी चाहिए। अगर आप तेज आंच पर चॉकलेट पराठा बना रहे हैं तो इससे पराठे की आउटर लेयर पिघल सकती है, जबकि अंदर की चॉकलेट नहीं पिघलेगी। इसलिए पराठा को समान रूप से पकाने के लिए आंच को मध्यम-धीमा रखें।

सर्दियों में डल हो गया है फेस तो अप्लाई करें मक्के के आटे का फेसपैक, शीशे सी चमकेगी त्वचा

आप मक्के का आटा स्किन केयर के रूप में इस्तेमाल कर सकती हैं। ऐसे में आज हम आपको मक्के का आटा इस्तेमाल करने के फायदे और इसके इस्तेमाल के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं। जिससे कि आपको इसका पूरा लाभ मिल सके।

सर्दियों में मौसम में अक्सर हमारी स्किन डल हो जाती है। ऐसे में हर कोई इस मौसम में अपनी स्किन का खास ख्याल रखता है। स्किन केयर के लिए लोग महंगे-महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट खरीदते हैं और बहुत से लोग घरेलू नुस्खे भी अपनाते हैं। अगर आप भी ब्यूटी प्रोडक्ट से ज्यादा घरेलू नुस्खों पर भरोसा रखती हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। बता दें कि सर्दियों में हम आपको स्किन केयर में मक्के का आटा इस्तेमाल करना सिखा रहे हैं।

दरअसल, मक्के के आटे में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण, मिनरल्स और विटामिन प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। यह आपकी स्किन को पोषण देने के साथ त्वचा को स्वस्थ रखने में भी मदद करता है। ऐसे में आप मक्के का आटा स्किन केयर के रूप में इस्तेमाल कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मक्के का आटा इस्तेमाल करने के फायदे और इसके इस्तेमाल के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं। जिससे कि आपको इसका पूरा लाभ मिल सके।

स्किन को मिलेगा निखार

मक्के का आटा हमारी स्किन की गहराई से सफाई करता है और नेचुरल चमक देता है। अगर आप सप्ताह में दो-तीन बार इस आटे से बने फेसपैक का इस्तेमाल करती हैं, तो इससे आपका फेस खिल उठेगा।

डेड स्किन होगी खत्म

मक्के का आटा स्क्रब की तरह काम करता है। यह डेड स्किन सेल्स को हटाने में सहायता करता है। आप बिना सोचे-समझे सप्ताह में दो बार इस स्क्रब का इस्तेमाल कर सकती हैं।

झुर्रियां कम होंगी

मक्के के आटे में एंटी-ऑक्सीडेंट्स मौजूद होता है, जो स्किन को जवां बनाए रखते हैं। इस फेसपैक को अप्लाई करने से स्किन की झुर्रियां कम हो जाती हैं। साथ ही यह फेसपैक पिगमेंटेशन और टैनिंग को भी कम करता है।

फेस पैक बनाने का सामान

मक्के का आटा - 2 बड़े चम्मच

दूध - 2-3 बड़े चम्मच

शहद - 1 चम्मच

गुलाब जल - 1-2 चम्मच

ऐसे बनाएं

यह फेसपैक बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में मक्के का आटा लें। अब इसमें धीरे-धीरे कच्चा दूध डालें और इसको अच्छे से मिक्स करें। फिर इसमें शहद और गुलाबजल मिलाएं और गाढ़ा पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को फेस और गर्दन पर अप्लाई करें। लगाने के बाद इसको 15-20 मिनट तक सूखने दें। अब हल्के गुनगुने पानी से स्क्रब करते हुए चेहरा धो लें।

इन बातों का रखें ध्यान

बता दें कि यह फेसपैक आपकी स्किन को नेचुरल रूप से स्वस्थ और चमकदार बनाएगा। लेकिन इसके इस्तेमाल के दौरान आपको कुछ बातों का खास ख्याल रखना है। क्योंकि अगर आपकी स्किन संवेदनशील है, तो आपको पहले पैट टेस्ट जरूर करना चाहिए। इस फेसपैक को आंखों और होंठों के आसपास न लगाएं। क्योंकि अगर यह गलती से आंख के अंदर चला जाता है, तो आपको दिक्कत हो सकती है।

ग्लोइंग स्किन पाने के लिए आज से ही पीना शुरु कर दें यह सूप

अगर आप भी बिना मेकअप के ग्लोइंग स्किन चाहते हैं, तो घर में यह सूप जरुर बनाएं। इस सूप बनाने के लिए आपको बस यह चीजें चाहिए। आइए आपको बताते हैं इसे बनाने की विधि।

आज के समय में महिलाओं को बिना मेकअप के खूबसूरत दिखना है। अगर आप भी चाहती हैं निखरी और दमकती त्वचा, तो आप अपने में डाइट में हेल्दी चीजें को जरुर शामिल करें। हेल्दी चीजों के सेवन से आपकी त्वचा भी खिलकर आएगी। बिना मेकअप के ग्लोइंग स्किन पाने के लिए आप अपने घर पर इस हेल्दू सूप को जरुर बनाएं।

सामग्री

- 1 कप गाजर - 1 कप लौकी
- 1 टमाटर - 1 प्याज
- 1/2 इंच अदरक का टुकड़ा
- 2 से 3 लहसुन की कलियां
- नमक स्वादानुसार
- काली मिर्च
- घी

गाजर और लौकी का सूप बनाने की रेसिपी

- सबसे पहले आप कुकर में घी डालें।
- फिर इसमें अदरक, लहसुन, प्याज हल्का सुनहरा होने तक भूनें।
- अब आप इसमें गाजर, लौकी और टमाटर डालें और हल्का सा भूनें।
- सभी चीजों को भूनने के बाद 2 कप पानी डालें।
- जब 2 सीटी आ जाए तो गैस बंद कर दें और इसे ठंडा होने दें।
- फिर ब्लेंडर में सभी चीजों को डालकर ब्लेंड कर लें।
- इसमें स्वादानुसार कालीमिर्च और नमक डालें।
- तैयार के आपका गर्मागरम सूप।

सूप के पीने के फायदे

गाजर और लौकी के सूप में विटामिन सी मौजूद होता है, जो स्किन में निखार लेकर आता है। इससे कोलेजन का उत्पादन होता है, जो कि त्वचा की झुर्रियों को कम करता है। इसके साथ ही यह एंटी-एजिंग का गुण प्रदान करता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट भी पाया जाता है जो बढ़ती उम्र को रोकने में भी मदद करता है। इस सूप के पीने से त्वचा कोमल बनती है।

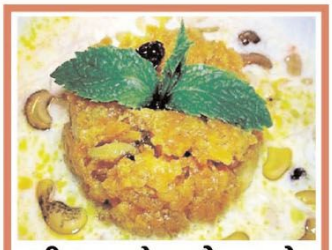

मीठा खाने का है मन तो फटाफट बनाकर तैयार करें गाजर की खीर

सर्दियों में गाजर का हलवा हर घर में बड़े चाव से खाया जाता है। हालांकि गाजर का हलवा बनाना टेढ़ी खीर है। क्योंकि इसमें घंटों की मेहनत लगती है। लेकिन अगर आपका कुछ झटपट बनाकर खाने का मन है, तो गाजर के हलवे जैसा स्वादिष्ट गाजर की खीर बनाकर खा सकती हैं।

सर्दियों के मौसम में हर घर में गाजर खाई जाती हैं। गाजर में पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में पाई जाती है। बहुत से लोग गाजर की सब्जी, अचार, पराठे तो कभी स्वादिष्ट हलवा बनाकर खाया जाता है। वहीं सर्दियों में गाजर का हलवा हर घर में बड़े चाव से खाया जाता है। हालांकि गाजर का हलवा बनाना टेढ़ी खीर है। क्योंकि इसमें घंटों की मेहनत लगती है, तब जाकर यह हलवा तैयार होता है। लेकिन अगर आपका कुछ झटपट बनाकर खाने का मन है, तो गाजर के हलवे जैसा स्वादिष्ट गाजर की खीर बनाकर खा सकती हैं।

आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गाजर की खीर बनाने की विधि के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में आज हम आपको रबड़ीदार और परफेक्ट गाजर की खीर की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं। यह स्वादिष्ट गाजर की खीर आपके परिवार के सभी सदस्यों को खूब पसंद आएगी।

गाजर की स्वादिष्ट रबड़ीदार खीर बनाने के लिए आपको जिन भी सामग्रियों की जरूरत होगी वह ये हैं।

गाजर- एक कप कद्दूकस की हुई

देसी घी- 2 बड़े चम्मच

दूध- डेढ़ कप

कंडेंस्ड मिल्क- दो बड़े चम्मच

फ्रेश मलाई

काजू

बादाम

पिस्ता

किशमिश

चीनी

इलायची पाउडर- 1/4

ऐसे बनाएं गाजर की खीर

बता दें कि गाजर की खीर बनाने के लिए सबसे पहले गाजर को कद्दूकस कर लें। अब गैस पर पैन चढ़ाकर दो बड़े चम्मच देसी घी डालें। अब इसमें मनपसंद ड्राई फ्रूट्स डालकर रोस्ट कर लें। फिर इन ड्राई फ्रूट्स को एक प्लेट में निकालकर अलग रख लें। इसके बाद उसी पैन में कद्दूकस की हुई गाजर डालें और इसको अच्छे से रोस्ट कर लें। इससे गाजर में अच्छा सा फ्लेवर आ जाएगा। करीब 5-7 मिनट तक हल्दी आंच पर कद्दूकस की हुई गाजर को चलाते हुए रोस्ट करें।

जब गाजर अच्छे से रोस्ट हो जाए, तो इसमें उबला हुआ दूध डाल दें। अब गाजर और दूध को अच्छे से चलाते हुए मिक्स करें और फिर मीडियम आंच पर धीरे-धीरे पकने दें। जब इसमें उबाल आ जाए, तब इसमें कंडेंस्ड मिल्क या फिर गाढ़ी मलाई मिलाएं। इसको बीच-बीच में चलाते रहें।

करीब 5 मिनट तक पकाने के बाद स्वादानुसार चीनी डालें और यदि आपने कंडेंस्ट मिल्क मिलाया है, तो चीनी थोड़ा कम ही डालें। क्योंकि कंडेंस्ड मिल्क पहले से मीठा होता है। इन सभी सामग्रियों को अच्छे से चलाते हुए पका लें। करीब 5 मिनट तक इसको गाढ़ा होने तक पकाएं। अब इसमें फ्लेवर और खुशबू के लिए इलायची पाउडर मिक्स करें और गैस बंद कर लें। इस तरह से गाजरी की स्वादिष्ट खीर बनकर तैयार हो जाएगी। गार्निशिंग के लिए ऊपर से कटे हुए ड्राई फ्रूट्स डालें और गर्मागर्म सर्व करें।

संक्षिप्त समाचार

उड़ान भरने से पहले यात्री विमान में लगी भीषण आग, 176 लोग थे सवार

सियोल एजेंसी। दक्षिण कोरिया के एक हवाई अड्डे पर मंगलवार रात उड़ान भरने से पहले एक यात्री विमान के पिछले हिस्से में आग लग गई जिसमें 176 लोग सवार थे। खबरों के अनुसार सभी यात्रियों और चालक दल को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। योनहाप समाचार एजेंसी के अनुसार, दक्षिण-पूर्वी शहर बुसान के गिम्हे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से एयर बुसान का विमान हांगकांग जा रहा था। खबर में कहा गया कि 169 यात्रियों और चालक दल के सात सदस्यों को एक 'इन्फ्लेटेबल स्लाइड का उपयोग करके बाहर निकाला गया। खबर में कहा गया है कि तीन लोग घायल हो गए, लेकिन उनकी हालत गंभीर नहीं है। बुसान में अग्निशमन अधिकारियों को किये गए फोन कॉल का कोई जवाब नहीं मिला। दिसंबर में, दक्षिण कोरिया के मुआन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर जेजू एयर का एक यात्री विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें सवार 181 लोगों में से दो को छोड़कर सभी की मौत हो गई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह घटना रात 10:15 बजे के आसपास हुई, जब विमान हांगकांग के लिए उड़ान भरने की तैयारी कर रहा था। अचानक विमान के पिछले हिस्से में आग लग गई, जिससे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। दक्षिण कोरियाई परिवहन मंत्रालय के अनुसार, 169 यात्री और 7 फ्लाइट क्रू को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इस हादसे में तीन यात्री इमरजेंसी स्लाइड से बाहर निकलते समय घायल हुए। फायर ब्रिगेड ने रात 11:31 बजे तक आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया।

कांगो में दक्षिण अफ्रीकी शांति सेना के 4 और सैनिक मारे गए, संख्या बढ़कर हुई 13

जोहान्सबर्ग, एजेंसी। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रीय रक्षा बल (एसएएनडीएफ) के चार और सैनिक मारे गए। दक्षिण अफ्रीका के रक्षा विभाग (डीओडी) ने पुष्टि की है। इसके साथ ही एसएएनडीएफ सैनिकों की मृत्यु की संख्या 13 हो गई है। विभाग ने एक बयान में कहा, सोमवार, 27 जनवरी को गोमा हवाई अड्डे के पास, जहां एसएएनडीएफ (कांगो की डिफेंस फोर्स) का बेस स्थित है। वहां और एम23 (मार्च 23 मूवमेंट) के बीच मोर्टार बम दागे गए। जिसमें एसएएनडीएफ के तीन सदस्य मारे गए। विद्रोहियों ने गोमा हवाई अड्डे की दिशा में कई मोर्टार बम दागे, जो एसएएनडीएफ बेस पर गिरे और परिणामस्वरूप मौतें हुईं। बयान के अनुसार, पिछले तीन दिनों में हुई लड़ाई में लगी चोटों के कारण चौथे शांति सैनिक की मौत हो गई। अन्य घायल एसएएनडीएफ सदस्यों को डीआरसी के पूर्वी प्रांत नॉर्थ किवु की राजधानी गोमा के एक अस्पताल में चिकित्सा सहायता मिल रही है। रक्षा विभाग द्वारा शनिवार को जारी एक पूर्व बयान के अनुसार, दो दिनों की भीषण लड़ाई के बाद शुक्रवार तक नौ दक्षिण अफ्रीकी सैनिक मारे गए थे। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने सोमवार शाम को अपने रवांडाई समकक्ष से पूर्वी डीआरसी में बढ़ती हिंसा के बारे में बात की। एसएएनडीएफ सैनिक डीआरसी में दक्षिणी अफ्रीकी विकास समुदाय मिशन (एसएएमआईडीआरसी) का हिस्सा हैं।

संघीय कर्मचारियों की छंटनी की तैयारी

कर्मियों को आठ महीने का वेतन लेकर नौकरी छोड़ने का विकल्प दिया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में संघीय कर्मचारियों की छंटनी की तैयारी है। ट्रंप प्रशासन ने संघीय कर्मचारियों को आठ महीने का वेतन देकर नौकरी छोड़ने का विकल्प दिया है। ट्रंप प्रशासन ने मंगलवार को एलान किया कि जो कर्मचारी अगले सप्ताह तक नौकरी छोड़ने का विकल्प चुनेंगे, उनको ही यह लाभ मिलेगा। अमेरिकी सरकार की मानव संसाधन एजेंसी ने निर्देश जारी करते हुए कहा कि सभी संघीय कर्मचारियों को उपयुक्तता और आचरण के बेहतर मानकों के अधीन किया जाएगा। एजेंसी ने भविष्य में छंटनी की भी चेतावनी दी है।

एजेंसी की ओर से लाखों कर्मचारियों को भेजे गए ईमेल में कहा गया है कि जो लोग स्वेच्छा से अपने पद छोड़ेंगे, उन्हें लगभग आठ महीने का वेतन मिलेगा। मगर उन्हें छह फरवरी तक ऐसा करने का विकल्प चुनना होगा। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क की अध्यक्षता वाले सरकारी दक्षता विभाग के सलाहकार बोर्ड में शामिल केटी मिलर ने एक्स पर लिखा कि ईमेल दो मिलियन से अधिक संघीय कर्मचारियों को भेजा गया है। ईमेल में अमेरिका के कार्मिक प्रबंधन मंत्रालय (ओपीएम) ने चार निर्देश दिए हैं। मंत्रालय का कहा है कि ट्रंप संघीय कार्यबल को आगे बढ़ने के लिए अनिवार्य कर रहे हैं। इसमें यह भी शामिल है कि अधिकांश कर्मचारी पूर्णकालिक रूप से अपने कार्यालयों में लौट आएं। ईमेल में कहा गया कि कोविड के बाद से दूर से काम कर रहे संघीय कर्मचारियों में से अधिकांश को सप्ताह में पांच दिन अपने कार्यालय से काम करना होगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने भी पिछले सप्ताह कहा था कि संघीय कर्मचारियों को अपने कार्यालय जाना होगा और काम करना होगा। अन्यथा आपके पास नौकरी नहीं होगी। ईमेल में लिखा है कि हर कर्मचारी की उत्कृष्टता पर जोर दिया जाएगा। ट्रंप प्रशासन के तहत सरकार के कार्यबल के कुछ हिस्सों में वृद्धि हो सकती है। इसके चलते अधिकांश संघीय एजेंसियों का आकार कम होने की संभावना है। ईमेल में यह भी कहा गया है कि संघीय कार्यबल में ऐसे कर्मचारी शामिल होने चाहिए जो विश्वसनीय, वफादार, भरोसेमंद हों और जो अपने दैनिक कार्य में उत्कृष्टता के लिए प्रयास करते हों। निर्देश में यह भी कहा गया है कि जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे, कर्मचारियों के लिए उपयुक्तता और आचरण के मानकों में वृद्धि की जाएगी। इसके अलावा संघीय कर्मचारियों को अपने पद छोड़ने के लिए एक त्यागपत्र शामिल है। इसमें कहा गया है कि यदि आप इन निर्देशों के तहत इस्तीफा देते हैं, तो आपके दैनिक कार्यभार की परवाह किए बिना आपको सभी वेतन और लाभ मिलते रहेंगे। 30 सितंबर तक आपको सभी व्यक्तिगत कार्य आवश्यकताओं से छूट दी जाएगी। ईमेल में निर्देश स्वीकार करने के तरीके के बारे में भी बताया गया है। इसमें कहा गया है कि यदि आप इस्तीफा देना चाहते हैं तो इस ईमेल पर उत्तर दें चुनें। आपको अपने सरकारी खाते से उत्तर देना होगा। इस ईमेल के मुख्य भाग में इस्तीफा शब्द लिखें और भेजें पर क्लिक करें। ट्रंप प्रशासन के निर्देशों के बाद बताया जा रहा है कि सरकार की इस प्रक्रिया के बाद अमेरिकी अर्थव्यवस्था हो सकती है। प्यू रिसर्च सेंटर के अनुसार पिछले साल नवंबर तक संघीय सरकार ने तीन मिलियन से ज्यादा लोगों को रोजगार दिया था, यह देश के कुल नागरिक कार्यबल का लगभग 1.9 प्रतिशत था। वहीं एक संघीय कर्मचारी का औसत कार्यकाल लगभग 12 साल है। बताया जा रहा है कि अगर कर्मचारियों का एक अंश भी सरकार के निर्देश को स्वीकार कर लेता है तो अर्थव्यवस्था में उथल-पुथल मच सकती है। इससे पूरे समाज में व्यवधान उत्पन्न हो सकता है। इन निर्देशों के बाद वेटरन्स अफेयर्स डिपार्टमेंट में कार्यरत अनगिनत फ्रंट-लाइन स्वास्थ्य कार्यकर्ता, घर खरीदने वालों या छोटे व्यवसायों के लिए ऋण प्रक्रिया करने वाले अधिकारी और सैन्य हथियार खरीदने में मदद करने वाले ठेकेदार सभी एक साथ बाहर निकल सकते हैं। जल आपूर्ति का परीक्षण करने वाले वैज्ञानिक भी कम हो सकते हैं। इससे तमाम सेवाओं पर प्रभाव पड़ सकता है। अमेरिकन फेडरेशन ऑफ गवर्नमेंट इंपलाइज यूनियन के अध्यक्ष एवरेट केली ने कहा कि इसे स्वैच्छिक खरीद के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। बल्कि नए प्रशासन के प्रति वफादार नहीं माने जाने वाले कर्मचारियों पर नौकरी छोड़ने का दबाव डालना चाहिए।

अमेरिका का एफ 35 लड़ाकू विमान अलास्का में क्रैश, लैंडिंग के दौरान हादसा

पायलट ने पैराशूट की मदद से जान बचाई

अलास्का, एजेंसी। अमेरिका का एक एडवांस लड़ाकू विमान एफ35 मंगलवार को अलास्का में क्रैश हो गया है। विमान के पायलट ने पैराशूट की मदद से जान बचाई। हादसा अलास्का के एयेल्सन एयर फोर्स बेस पर प्रशिक्षण दौरान हुआ। हादसा भारतीय समयानुसार बुधवार सुबह 3 बजकर 19 मिनट (स्थानीय समयानुसार मंगलवार दोपहर 12 बजकर 49 मिनट) हुआ। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें विमान को रनवे पर गिरते और टकराते देखा गया. हालांकि, विमान के पायलट ने समय रहते पैराशूट की मदद से निकलकर अपनी जान बचा ली.

एयरफोर्स की 354वीं फाइटर विंग के कमांडर कर्नल पॉल टाउनसेंड ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि पायलट को उड़ान के दौरान विमान में गड़बड़ी का सामना करना पड़ा था। इसकी वजह से लैंडिंग के दौरान विमान हादसा हुआ। हादसे के बाद पायलट सुरक्षित है। ये एक सिंगट सीटर लड़ाकू विमान था, जिसमें सिर्फ एक पायलट सवार था।

एफ-35 लड़ाकू विमान 5वीं पीढ़ी का विमान है। इसका निर्माण लॉकहेड मार्टिन ने किया है। इस प्लेन को 2006 से बनाना शुरू किया गया था। 2015 से यह अमेरिकी वायुसेना का एक अहम हिस्सा है।

एफ-35 की कीमत और मेंटेनेंस लागत

एफ-35 एक स्टील्थ फाइटर जेट है, जिसे अमेरिका के अलावा चीन और रूस जैसे देशों के पास भी स्टील्थ तकनीक वाले लड़ाकू विमान हैं. एफ-35 की कीमत करीब 684 करोड़ रुपये प्रति यूनिट है. इसका ऑपरेशन व मेंटेनेंस अमेरिका के लिए भी चुनौतीपूर्ण है. रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी सरकार ने ञ-35 फाइटर जेट प्रोग्राम पर अब तक करीब 2 ट्रिलियन डॉलर खर्च कर दिए हैं, जो इसे एक महंगा प्रोजेक्ट बनाता है. एफ-35 की विशेषता इसकी स्टील्थ तकनीक है, जिससे इसे रडार से ट्रैक करना मुश्किल हो जाता है. यह लड़ाकू विमान 1.6 मैक की रफ्तार से उड़ान भर सकता है और लंबी दूरी तक मार करने में सक्षम है. इसमें एडवांस सेंसर और मिसाइल बॉडी के अंदर फिट होने की क्षमता जैसी खूबियां हैं.

कनाडा कोर्ट का बड़ा फैसला: एयर इंडिया कनिष्का बम धमाके के रिपुदामन के हत्यारे हिटमैन को सुनाई उम्रकैद की सजा

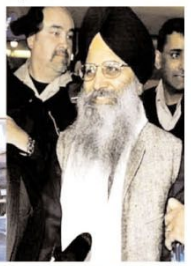

ओटावा एजेंसी। कनाडा की अदालत में 1985 के एयर इंडिया बम धमाके के आरोपी रिपुदामन सिंह मलिक की हत्या के दोषी हिटमैन, टैनर फॉक्स, को उम्रकैद की सजा सुनाई गई। इस घटना में मलिक की हत्या जुलाई 2022 में उनके व्यापार स्थल के बाहर गोली मारकर की गई थी। टैनर फॉक्स और उसके साथी जोस लोपेज ने अक्टूबर 2024 में रिपुदामन सिंह मलिक की हत्या के दूसरे दर्जे के आरोप में दोषी स्वीकार किया। यह दोनों ने अदालत में स्वीकार किया कि उन्हें मलिक की हत्या करने के लिए पैसे दिए गए थे, हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि यह पैसे उन्हें किस व्यक्ति ने दिए थे। जोस लोपेज़ की अगली अदालत सुनवाई 6 फरवरी 2025 को निर्धारित है। 23 जून 1985 को एयर इंडिया की फ्लाइट 182, जो टोरंटो से मुंबई जा रही थी, आयरिश तट के पास विस्फोट के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी।

इस विस्फोट में विमान में सवार सभी 329 लोग मारे गए थे। इस विमान का नाम इंपेरर कनिष्का था और यह बोइंग 747-237क विमान था। ह घटना 11 सितंबर 2001 को हुए हमलों से पहले सबसे बड़ी हवाई आतंकवादी घटना मानी जाती है। सभी यात्री भारतीय मूल के थे और इनमें अधिकांश कनाडाई नागरिक थे, जो भारत में अपने रिश्तेदारों से मिलने जा रहे थे। यह घटना हवाई यात्रा की दुनिया में एक घातक हमले के रूप में दर्ज हुई। इसी दिन, जापान के नरिता एयरपोर्ट पर भी एक और धमाका हुआ था, जिसमें दो बैगेज हैंडलर्स की मौत हो गई थी, जो एयर इंडिया के एक अन्य विमान में बैग लोड कर रहे थे। जांच के दौरान पाया गया कि दोनों बम धमाके कनाडा के वैंकूवर से जुड़े थे, जो वहां बसे सिख समुदाय का घर है। कनाडा सरकार की रिपोर्ट के अनुसार, इन बम धमाकों को कनाडा स्थित सिख अलगाववादी समूहों द्वारा ऑपरेशन ब्लू स्टार के विरोध में भारत सरकार के खिलाफ किया गया था।

ऑपरेशन ब्लू स्टार के तहत भारतीय सेना ने पंजाब के स्वर्ण मंदिर में घुसकर सिख विद्रोहियों से लड़ाई लड़ी थी। कनाडा में इन बम धमाकों की जांच के दौरान दो प्रमुख संदिग्धों तलविंदर सिंह परमेश और इंदरजीत सिंह रेयात को गिरफ्तार किया गया। हालांकि, परमेश, जो इस हमले के मास्टरमाइंड माने जाते थे, को सबूतों की कमी के कारण आरोपमुक्त कर दिया गया। रिपुदामन सिंह मलिक और अजीब सिंह बगरी, जिन पर बम धमाकों में शामिल होने का आरोप था, को 2000 में गिरफ्तार किया गया। 2005 में, दोनों को भी सबूत की कमी के कारण अदालत ने बरी कर दिया। इस मामले में इंदरजीत सिंह रेयात एकमात्र व्यक्ति हैं, जिन्हें इस हमले के लिए सजा दी गई। रेयात पर आरोप था कि उसने बम बनाए थे और वह इस मामले में झूठ बोलने के दोषी पाए गए थे।

ब्रिटेन ने फिर जारी की एडवाइजरी, भारत में अपने नागरिकों को सैटेलाइट फोन इस्तेमाल पर किया आगाह

लंदन एजेंसी। ब्रिटेन सरकार ने भारत के लिए अपने यात्रा परामर्श को कुछ सप्ताह के भीतर दूसरी बार मंगलवार को अद्यतन किया और ब्रिटिश नागरिकों को आगाह किया कि बिना लाइसेंस के देश में सैटेलाइट फोन ले जाने या उसका इस्तेमाल करने पर उन पर जुर्माना लगाया जा सकता है या उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है। विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय ने भारत के लिए अपने परामर्श के सुरक्षा और संरक्षा खंड की समीक्षा की, जिसमें कहा गया है कि ब्रिटेन के लोगों को भारत में अवैध रूप से ऐसे उपकरण लाने के लिए गिरफ्तार किया गया है।

भारत में बिना लाइसेंस के सैटेलाइट फोन और जीपीएस उपकरण रखना और उनका

संचालन करना गैर कानूनी है, भले ही आप भारत से होकर किसी अन्य जगह की यात्रा कर रहे हों। परामर्श में कहा गया, ''पाबंदी के अंतर्गत अन्य उपग्रह-सक्षम उपकरण भी आ सकते हैं, जिनमें साइकलिंग जीपीएस शामिल हैं। बिना अनुमति के इन उपकरणों को रखने पर आप पर जुर्माना लगाया जा सकता है या आपको गिरफ्तार किया जा सकता है तथा सामान को जब्त भी किया जा सकता है। भारत में सैटेलाइट फोन और जीपीएस उपकरण के इस्तेमाल पर पिछली अद्यतन सूचना दिसंबर के अंत में जारी की गई थी। एफसीडीओ का देश-आधारित परामर्श यात्रा पर मार्गदर्शन है, न कि सरकार द्वारा लगाया गया विनियमन। इसका उद्देश्य यात्रियों के लिए जोखिमों को चिह्नित करना है ताकि वे ''सुविचारित निर्णय ले सकें और यदि सलाह की अनदेखी की जाती है, तो यात्रा बीमा अमान्य हो सकता है। भारत के लिए परामर्श का बाकी हिस्सा अपरिवर्तित है, जिसमें बाधा को छोड़कर भारत-पाकिस्तान सीमा के 10 किमी के भीतर किसी भी प्रकार की यात्रा न करने की सलाह दी गई है। कश्मीर और मणिपुर को लेकर भी ब्रिटेन के नागरिकों के लिए यात्रा चेतावनी जारी रहेगी।

गाजा में कंडोम बांटने के लिए बाइडेन सरकार का 5 करोड़ डॉलर का फंड, मस्क ने रोका

वाशिंगटन एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने गाजा में कंडोम बांटने के लिए 5 करोड़ डॉलर की राशि मंजूर की थी। लेकिन इस फंड को रोकने में एलॉन मस्क का बड़ा हाथ है। यह विवाद अब दुनिया भर में चर्चा का विषय बन गया है।जो बाइडेन प्रशासन ने गाजा पट्टी में कंडोम वितरण प्रोग्राम के लिए भारी मात्रा में धन देने की योजना बनाई थी। कुल 5 करोड़ डॉलर की यह राशि, जिससे कंडोम की आपूर्ति की जानी थी, को विश्व स्वास्थ्य संगठन के माध्यम से गाजा भेजा जाना था। इस फंड में से 3.7 करोड़ डॉलर को विश्व स्वास्थ्य संगठन के माध्यम को दिया जाना था।यह कदम बाइडेन प्रशासन ने गाजा में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से उठाया था, लेकिन इसके बाद ट्रंप प्रशासन ने इस पर रोक लगा दी। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव, कैरोलिन लेविट ने इस बारे में जानकारी दी। एलॉन मस्क की अगुवाई में डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशियंसी और ऑफिस ऑफ मैनेजमेंट एंड बजट ने रिकॉर्ड्स खंगालने पर यह पाया कि बाइडेन प्रशासन ने यह फंड मंजूर किया था। मस्क की

टीम ने इस कदम को करदाताओं के पैसे की बर्बादी मानते हुए इस पर रोक लगाने की कोशिश की। मस्क ने इस मुद्दे पर अपनी राय व्यक्त करते हुए हमास द्वारा कंडोम का इस्तेमाल हथियार के रूप में किए जाने के बारे में भी एक रिपोर्ट शेयर की। रिपोर्ट के अनुसार, हमास ने कंडोम में गैस भरकर इन्हें इजरायल की तरफ छोड़ा था। मस्क ने इसे लेकर तंज कसते हुए ट्वीट किया, क्या कोई मुझे यह समझा सकता है कि सभी कंडोम साइज के ही क्यों ऑर्डर किए गए हैं? एलॉन मस्क ने डोजेकॉइन के प्रचार में अहम भूमिका निभाई है, और इसने 2021 में जबरदस्त चर्चा बटोरी। डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशियंसी के जरिए ही मस्क ने बाइडेन प्रशासन के इस फैसले को उजागर किया। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति चुनाव के प्रचार के दौरान कहा था कि अगर वह चुनाव जीतते हैं, तो सरकार में बड़े बदलाव करेंगे। ट्रंप ने इस बदलाव के लिए अपनी टीम में एलॉन मस्क और विवेक रामास्वामी को शामिल किया था। उनके एजेंडे में कई ऐसे कदम शामिल थे, जिन्हें इस प्रकार के विवादों के माध्यम से अमलीजामा पहनाने की कोशिश की जा रही है।

इजराइली पीएम की यूएस यात्रा से पहले ट्रंप ने कहा-गाजा करो पूरा खाली.. फिलिस्तीनियों को कहीं और बसाओ

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जो दुनिया में युद्ध समाप्त करने का वादा करने के लिए प्रसिद्ध हैं, ने अपने दूसरे कार्यकाल में फिर से एक विवादित बयान दिया है। इस बार उन्होंने गाजा युद्ध पर मुस्लिम देशों, खासकर मिस्र और जॉर्डन को एक ऐसी सलाह दी है, जिसने इन दोनों देशों को भड़का दिया है। ट्रंप ने कहा कि गाजा अब नरक बन चुका है और वहां रहना बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि फिलिस्तीनियों को गाजा के अलावा कहीं और बसाया जाए, जहां वे शांति से अपना जीवन जी सकें। ट्रंप के इस बयान पर फ्रांस ने प्रतिक्रिया देते हुए गाजा के लोगों को जबरन दूसरे देशों में भेजने के प्रस्ताव के प्रस्ताव का विरोध किया है। इंडोनेशिया और स्पेन ने भी इस योजना को खारिज किया है। ट्रंप के इस बयान पर मिस्र और जॉर्डन ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है और उनका कहना है कि फिलिस्तीनियों को उनके घरों से बाहर निकालने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने यह बातें एयरफोर्स वन विमान में संवाददाताओं से बातचीत के दौरान कही। उन्होंने कहा, मैं चाहता हूं कि फिलिस्तीनी लोग ऐसे स्थानों पर रहें, जहां वे बिना किसी रुकावट, क्रांति या हिंसा के अपना जीवन जी सकें।ट्रंप ने गाजा की स्थिति पर टिप्पणी करते हुए कहा, जब आप गाजा को देखते हैं, तो आपको लगता है कि यह वर्षों से नरक की तरह है... यहां कई सभ्यताएं रही हैं, लेकिन यह हिंसा के साथ हमेशा जुड़ी रही है। उन्होंने सुझाव दिया कि फिलिस्तीनियों को ऐसे क्षेत्रों में बसाया जा सकता है, जहां वे ज्यादा सुरक्षित और आरामदायक जीवन जी सकें। यह बयान यह दर्शाता है कि ट्रंप के दिमाग में इस संघर्ष का हल क्या हो

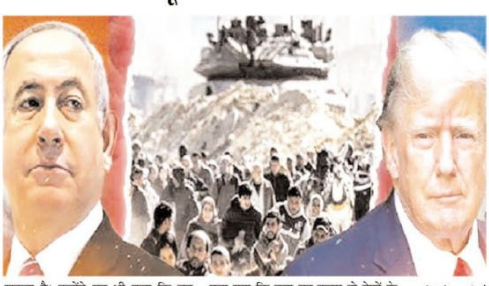

सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि वह जल्द ही इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात करेंगे और इस मुद्दे पर उनसे बात करेंगे। हालांकि, जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या यह कदम दो देशों के बीच युद्ध का समाधान होगा, तो उन्होंने सीधे जवाब नहीं दिया, लेकिन कहा कि वह इस पर नेतन्याहू से चर्चा करेंगे। ट्रंप ने यह भी कहा कि वह निकट भविष्य में नेतन्याहू से वाशिंगटन में मुलाकात करेंगे। टाइम्स ऑफ इजरायल ने सूत्रों के हवाले से बताया कि नेतन्याहू का कार्यालय प्रधानमंत्री को रविवार को वाशिंगटन ले जाने की योजना बना रहा है, जहां वे बुधवार को इजरायल लौटने से पहले ट्रंप से मिलेंगे। हालांकि, यह यात्रा अभी तक अंतिम रूप नहीं ले पाई है और यह नेतन्याहू के स्वास्थ्य पर निर्भर करेगी, क्योंकि वे हाल ही में प्रोस्टेट सर्जरी से उबर रहे हैं।

चीन के चिड़ियाघर में 600 में बिक रहा टाइगर का मूत्र, दावा - दर्द और गठिया में देता है आराम

बीजिंग, एजेंसी। चीन के सिचुआन प्रांत में स्थित 'यान बिफेंगक्सिया वन्यजीव चिड़ियाघर' ने बाघ के मूत्र से बनी एक दवा बेचने का दावा किया है। चिड़ियाघर का कहना है कि सफेद शराब और बाघ के मूत्र को मिलाने से यह मिश्रण गठिया, मांसपेशियों के दर्द और मोच में राहत देता है। इसे लगाने के साथ-साथ पीने की भी सलाह दी जा रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक चिड़ियाघर में 250 ग्राम मूत्र की एक बोतल 50 युआन यानी करीब 600 रुपये में बेची जा रही है। बोतल पर लिखा गया है कि इसे सफेद शराब में मिलाकर अदरक से मालिश करने से फायदा होता है। चिड़ियाघर के एक कर्मचारी के अनुसार जहां बाघ पेशाब करते हैं वहां एक बेसिन लगाया जाता है जिससे मूत्र इकट्ठा किया जाता है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि इसे बेचने से पहले किसी मेडिकल जांच से गुजारा जाता है या नहीं। सेंट्रल चीन के हुबेई प्रांतीय ट्रेडिशनल चीनी मेडिकल हॉस्पिटल के एक फार्मासिस्ट ने कहा कि इस दावे के पीछे कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है। उनका कहना है कि इस तरह की चीजें पारंपरिक चिकित्सा की छवि को नुकसान पहुंचा सकती हैं और बाघ संरक्षण के लिए भी खतरनाक हो सकती हैं।

एसए-20

प्रिटोरिया कैपिटल्स ने सुपर किंग्स को हराया, प्लेऑफ की उम्मीदें बरकरार

सेंचुरियन (एजेंसी)। प्रिटोरिया कैपिटल्स ने जोबर्ग सुपर किंग्स को छह विकेट से हराकर बोनस अंक भी लिया और एसए 20 लीग प्लेआफ की दौड़ में खुद को बनाए रखा है। कैपिटल्स ने सुपर किंग्स को 9 विकेट पर 99 रन पर रोक दिया और फिर चार विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ कैपिटल्स 14 अंक लेकर पांचवें स्थान पर है जबकि सुपर किंग्स 15 अंक के साथ चौथे स्थान पर है।

रिली रोसोयू अपने बच्चे के जन्म के कारण नहीं खेल रहे हैं जिसकी वजह से कप्तानी काइल वेरेने ने संभाली। कैपिटल्स को दौड़ में बने रहने के लिए हर हालत में जीतना था और विल जैक्स ने पावरप्ले में दो ओवर डालर सिर्फ दो रन दिए। दूसरी ओर सुपर किंग्स के लिए कोई अच्छी साझेदारी नहीं बन सकी। फॉर्म में चल रहे डेवोन कोंवे को बांह पर गेंद लगने के कारण तीसरे ओवर में मैदान छोड़कर जाना पड़ा।

सुपर किंग्स के कप्तान फाफ डु प्लेसी और पहला मैच खेल रहे रोजर्स शॉर्ट फाइन लेग में कैच दे बैठे। गाइडोन पीटर्स ने एसए 20 में अपने कैरियर की आक्रामक शुरूआत करके कोंवे को लगातार बाउंसर डाले। वह खराब पूल शॉट खेलकर विकेट के पीछे वेरेने को कैच देकर लौटे। पीटर्स ने चार ओवर के स्पैल में सिर्फ 15 रन देकर दो विकेट लिए। बाएं हाथ के स्पिनर सेनुरान मुथुस्वामी को भी दो विकेट मिले। कैपिटल्स के लिये मार्कस एकेरमैन ने 22 गेंद में 39 रन बनाए।

हरियाणा के खिलाफ अहम मुकाबले में केएल राहुल कर्नाटक टीम में

बेंगलूरू (एजेंसी)। क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए त्रिकोणीय मुकाबले में फंसी कर्नाटक की टीम को रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप सी के बृहस्पतिवार से शुरू हो रहे आखिरी लीग मैच में शीर्ष पर काबिज हरियाणा के खिलाफ बोनस अंक के साथ जीत दर्ज करनी होगी और केएल राहुल की वापसी से टीम को मदद मिलने की उम्मीद है। कर्नाटक के इस समय 19 और हरियाणा के 26 अंक हैं जबकि केरल के 21 अंक हो गए हैं। कर्नाटक अगर बोनस अंक (कुल सात अंक) के साथ जीतता है तो उसे 26 अंक हो जाएंगे। ऐसे में वह शीर्ष या दूसरे स्थान की टीम के रूप में क्वार्टर फाइनल में पहुंच जाएगा। गत चैम्पियन केरल को तिरूवनंतपुरम में बिहार से खेलना है। बोनस अंक के बिना भी जीतने पर केरल के 27 अंक होंगे और वह ग्रुप सी में शीर्ष पर होगा। ऐसे में हरियाणा बाहर हो सकता है क्योंकि कर्नाटक के उससे ज्यादा अंक होंगे। शीर्ष स्थान की टीम का फैसला इस बार बोनस अंक के आधार पर हो रहा है जबकि पहले नेट रनरेट के अलावा आमने सामने के रिकॉर्ड के आधार पर होता है। कर्नाटक को अगर छह अंक मिलते हैं तो उसके 25 अंक होंगे और उसे दुआ करनी होगी कि केरल और बिहार का मैच या तो ड्रॉ हो या बिहार जीत जाए। राहुल 2020 के बाद पहला रणजी मैच खेलेंगे। कर्नाटक के कोच येरे गौड़ ने कहा कि वह हरियाणा के खिलाफ तीसरे नंबर पर उतरेंगे। उन्होंने कहा, 'उसके पास अपार अनुभव है। हम देखेंगे कि वह अंतिम एकादश में किसकी जगह लेते हैं लेकिन यह तय है कि वह तीसरे नंबर पर उतरेंगे।

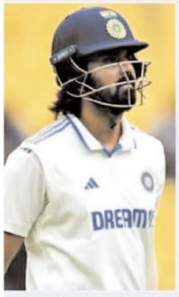

38वें नेशनल गेम्स 2025 का उद्घाटन पीएम मोदी ने किया

● स्कूली बच्चों ने शंखनाद किया ● पीएम मोदी बोले- खिलाड़ी मुझे पीएम यानी प्रधानमंत्री नहीं परम मित्र मानते हैं

देहरादून (एजेंजी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को देहरादून के राजीव गांधी स्टेडियम में 38वें नेशनल गेम्स का उद्घाटन किया। इस मौके पर 2 हजार 25 स्कूली स्टूडेंट्स ने शंखनाद किया। पीएम मोदी ने सेरेमनी में कहा- 'हमने खेलों के विकास को प्राथमिकता दी है। खेल बजट तीन गुना बढ़ाया है। देश के खिलाड़ी मुझे पीएम यानी प्रधानमंत्री नहीं, परम मित्र बुलाते हैं।' बाबा केदार की पूजा के साथ नेशनल गेम्स शुरू हुए। इन गेम्स में देश के कोने-कोने से आए युवा अपना हुनर दिखाएंगे। यहां मुझे एक भारत, श्रेष्ठ भारत की तस्वीर दिखी। इस बार के नेशनल गेम्स एकता के ग्रीन गेम्स भी हैं। इनमें एनवायरमेंट फ्रेंडली चीजों का उपयोग हो रहा है। यहां भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन मशाल लेकर आए। सभी राज्यों के खिलाड़ियों ने परेड ऑफ स्टेट्स में हिस्सा लिया। सेरेमनी में उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त), सीएम पुष्कर सिंह धामी और आईओए की प्रेसिडेंट पीटी ऊषा मौजूद रहे। प्लेबैक सिंगर जुबिन नौटियाल ने 25 हजार दर्शकों के बीच परफॉर्म किया।पीएम नरेंद्र मोदी ने सीएम धामी के साथ गाड़ी में बैठकर मैदान के चारों ओर चक्कर लगाया और दर्शकों का अभिवादन किया।

देवभूमि आज और दिव्य हो उठी है - देवभूमि आज और दिव्य हो उठी है। बाबा केदार की पूजा के साथ नेशनल गेम्स शुरू हो रहे हैं। ये उत्तराखंड का 25वां वर्ष है। इन गेम्स में देश के कोने-कोने से आए युवा अपना हुनर दिखाएंगे।यहां एक भारत, श्रेष्ठ भारत की तस्वीर दिख रही है। इस बार के नेशनल गेम्स एकता के ग्रीन गेम्स भी हैं। इनमें एनवायरमेंट फ्रेंडली चीजों का उपयोग हो रहा है।देश के कोने-कोने से आए युवा अपना समर्थ दिखाएंगे। नेशनल गेम्स में इस बार कई पारम्परिक खेलों को शामिल किया गया है। इसे ग्रीन गेम भी कहा गया है। मैं सभी खिलाड़ियों को अच्छे परफॉरमेंस के लिए शुभकामनाएं देता हूं। आज साल भर में कई सारे टूर्नामेंट आयोजित किए जा रहे हैं। खेल इंडिया यूथ गेम्स से कई युवाओं को आगे जाने का मौका मिला। अब कुछ दिन पहले खेलो इंडिया विंटर गेम्स के पांचवें संस्करण का आयोजन किया गया। अभी कुछ दिन पहले हमारी खो-खो टीम ने वर्ल्ड कप जीता है। चेस में गुकेश सबसे कम उम्र के वर्ल्ड चैंपियन बने हैं। भारत 2036 ओलिंपिक की मेजबानी के लिए पूरा जोर लगा रहा है।

स्टीव स्मिथ 10,000 टेस्ट रन बनाने वाले 15वें खिलाड़ी बने, एलीट लिस्ट में बनाई जगह

गॉले (श्रीलंका) (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ ने बुधवार को गॉल इंटरनेशनल स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ चल रहे पहले टेस्ट के दौरान खेल के सबसे लंबे प्रारूप में 10,000 रन पूरे कर लिए। दाएं हाथ के बल्लेबाज टेस्ट क्रिकेट में यह उपलब्धि हासिल करने वाले केवल 15वें खिलाड़ी बन गए हैं। हाल ही में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज के दौरान अपने गृहनगर सिडनी में यह उपलब्धि हासिल करने का मौका चूकने वाले स्मिथ ने गॉल में श्रीलंका के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के पहले टेस्ट में यह उपलब्धि हासिल की। ??उन्होंने मिड-ऑन की ओर अपनी खास फ्लिक खेली और एक रन के लिए आगे बढ़े। इसके बाद उन्होंने तालियों की गड़गड़ाहट का जवाब देने के लिए अपना बल्ला उठाया। इस मौके पर ऑस्ट्रेलियाई समूह ने तालियां बजाकर उनका अभिवादन किया। स्मिथ ने इस रन के साथ स्कोर 137/2 कर दिया। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। 35 वर्षीय इस खिलाड़ी ने 55 से अधिक की औसत से रन बनाए हैं, कुमार संगकारा 10,000 के आंकड़े को पार करने वाले एकमात्र बल्लेबाज हैं, जिनका रिटर्न (57.40) बेहतर है। वह पारी के हिसाब से 10,000 टेस्ट रन तक पहुंचने वाले पांचवें सबसे तेज बल्लेबाज बन गए हैं। यह बल्लेबाज एलन बॉर्डर, स्टीव वॉ और रिकी पोंटिंग के साथ इस मुकाम तक पहुंचने वाले चौथे ऑस्ट्रेलियाई बन गए हैं। इससे पहले दिन में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ ने टॉस जीतकर श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। दाएं हाथ के बल्लेबाज जोश इंगलिस खेल के सबसे लंबे प्रारूप में डेब्यू किया, क्योंकि उन्हें श्रृंखला के पहले मैच के लिए प्लेइंग इलेवन में शामिल किया है। दोनों टीमें इस मैच के लिए अपने लाइन-अप में तीन स्पिनर और एक सीमिंग विकल्प के साथ उतर रही हैं।

स्मिथ को 10000 टेस्ट रन पूरे करके अच्छा लगा: एलन बॉर्डर

श्रीलंका के खिलाफ गाले टेस्ट के पहले दिन टेस्ट क्रिकेट में 10,000 रन का आंकड़ा पार करने वाले चौथे ऑस्ट्रेलियाई बनने के बाद स्टीव स्मिथ ने अच्छा महसूस किया। स्मिथ इस विशिष्ट क्लब में दिग्गज रिकी पोंटिंग, एलन बॉर्डर और स्टीव वॉ के साथ शामिल हो गए जिन्होंने केवल 205 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की जोकि टेस्ट इतिहास में पांचवां सबसे तेज है। लंच के समय आधिकारिक प्रसारणकर्ता चैनल सेवन से बातचीत में स्मिथ ने कहा, इसे पूरा करना अच्छा लगा। एलन बॉर्डर, स्मिथ के साथ अब यह उपलब्धि साझा करने वाले खिलाड़ियों में से एक ने उनके दृढ़ संकल्प और अनूठी शैली की प्रशंसा की। बॉर्डर ने कहा, वह ऐसा व्यक्ति नहीं है, जिसके बारे में आप अपने बेटे से कहें कि यह एक तकनीक है जिसका तुम्हें पालन करना है, लेकिन यह उसके लिए कारगर रही है, और यह एक अच्छा संकेत है कि आप अपने खेल को जानते हैं। उसने यह बहुत अच्छे से किया है। बहुत से खूबसूरत खिलाड़ी हैं, लेकिन बहुत कम ऐसे हैं जिनके पास यह रिकॉर्ड है। बॉर्डर ने स्मिथ की तुलना खेल के महान खिलाड़ियों से करते हुए कहा, मैं (सचिन) तेंदुलकर और (ब्रायन) लारा का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं - वे असाधारण रूप से अच्छे क्रिकेटर थे, लेकिन स्टीव निश्चित रूप से उन लोगों की श्रेणी में हैं।

कार्यवाहक कप्तान 10,000 टेस्ट रन के दुर्लभ मील के पत्थर तक पहुंचने वाले चौथे ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी और यह उपलब्धि हासिल करने वाले कुल 15वें व्यक्ति बन गए। स्मिथ ने 55 से अधिक की औसत से रन बनाए हैं जबकि कुमार संगकारा एकमात्र बल्लेबाज हैं जिनका 10,000 के आंकड़े को पार करने का 57.40 औसत है।

सक्रिय खिलाड़ियों में केवल जो रूट के 12,972 टेस्ट रन स्मिथ से अधिक हैं। भारत के खिलाफ सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर अपने घरेलू दर्शकों के सामने अपने करियर के 9,999 रनों पर आउट होने के बाद अपने यादगार पल को चूकने वाले स्मिथ ने बुधवार को पहली ही गेंद पर अपना 10,000वां रन बनाया। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने पहले सत्र में 137/2 के स्कोर पर बल्लेबाजी की और प्रभात जयसूर्या की गेंद पर मिड-ऑन पर सिंगल मारा, जिससे दर्शकों ने तालियां बजाईं। इसके बाद उन्होंने अपने बल्लेबाजी साथी उस्मान ख्वाजा को गले लगाया।

सूर्यकुमार यादव के खराब प्रदर्शन पर वॉन का सुझाव

'आप हर गेंद को बाउंड्री पर नहीं मार सकते',

राजकोट (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर माइकल वॉन ने भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव को सलाह दी है कि वे आक्रामक होने से पहले क्रीज पर अधिक संतुलित रवैया अपनाएं। वॉन का मानना ??है कि सूर्यकुमार की बहुत जल्दी आक्रमण करने की आदत उल्टी पड़ गई है, जिसकी वजह से उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा टी20 सीरीज में संघर्ष करना पड़ा है जिसमें 28 जनवरी को राजकोट में तीसरे टी20 में भारत की 26 रन से हार भी शामिल है।

भारत अब भी 5 मैचों की सीरीज में 2-1 से आगे चल रहा है, ऐसे में सूर्यकुमार की फॉर्म को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। बल्लेबाज अब तक कोई खास प्रभाव नहीं छोड़ पाया है, उसने पहले तीन मैचों में 0, 12 और 14 रन बनाए हैं। उसके आउट होने का मुख्य कारण गलत समय पर आक्रामक शॉट लगाना रहा है, या तो गेंद को पीछे की तरफ ले जाना या फिर हवा में गलत तरीके से मारना। क्रिकबज से बात करते हुए वॉन ने इस बात पर जोर दिया कि भारत अपने पावरप्ले रन को अधिकतम करने को प्राथमिकता देता है, लेकिन सूर्यकुमार को टीम में अपना पूरा योगदान देने के लिए अपनी पारी को बेहतर ढंग से व्यवस्थित करना चाहिए।

वॉन ने कहा, लगातार कुछ मौकों पर वह काफी आसानी से आउट हो रहे हैं। जब आप कहते हैं कि हर समय आक्रामक रहें, तो इसका मतलब है कि सही गेंद का चयन करके आक्रामक होना। स्पष्ट रूप से आप हर गेंद को बाउंड्री पर नहीं मार सकते और इस युग के कुछ खिलाड़ियों में इतना कौशल और प्रतिभा है कि उन्हें लगता है कि वे ऐसा कर सकते हैं। यह संभव ही नहीं है।

इंग्लैंड के खिलाफ वरुण चक्रवर्ती ने बनाया बड़ा रिकॉर्ड, बने पहले भारतीय

राजकोट (एजेंसी)। भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने राजकोट के सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में अपनी तीन मैचों की सीरीज के तीसरे टी20 में 5 विकेट लेकर इंग्लैंड को बड़ा टारगेट देने से रोक दिया। चक्रवर्ती ने 4 ओवरों में महज 24 रन देकर 5 विकेट हासिल किए। चक्रवर्ती का यह टी20ई का दूसरा पांच विकेट हाल है। उन्होंने पिछले साल नवंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी पांच विकेट चटकाए थे। वरुण चक्रवर्ती ने कोलकाता में श्रृंखला के पहले टी20 में तीन विकेट लिए थे। इसके बाद चेन्नई के मैदान पर भी वह दो विकेट लेने में सफल रहे। इसी कारण भारतीय टीम को इंग्लैंड पर 2-0 की लीड मिली थी। अब राजकोट में खेले गए तीसरे टी20 में उन्होंने 5-24 के आंकड़े देकर सीरीज में अपने विकेटों की संख्या 10 तक पहुंचा दी।

चक्रवर्ती अब भारत और इंग्लैंड के बीच एक द्विपक्षीय टी20 सीरीज में कम से कम 10 विकेट लेने वाले इतिहास के पहले क्रिकेटर बन गए हैं। 33 वर्षीय खिलाड़ी श्रृंखला के शेष दो मैचों में अपने खाते में और विकेट जोड़ सकते हैं जोकि 31 जनवरी और 2 फरवरी को पुणे और मुंबई में होने हैं। इस सीरीज में अब तक वरुण चक्रवर्ती ने सिर्फ तीन पारियों में 8.50 की शानदार गेंदबाजी औसत से 10 विकेट लिए हैं। उनकी इकॉनमी रेट 7.08 रही है जबकि स्ट्राइक रेट 7.20 है। चक्रवर्ती ने ओवरऑल 16 मैचों में 14.75 की औसत से 29 विकेट लिए हैं। क्रिकेटर ने जुलाई 2021 में कोलंबो में श्रीलंका के खिलाफ टी20 मैच के साथ टीम इंडिया के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। उसके बाद से वह लगातार प्रभावित कर रहे हैं।

ऐसी रही इंग्लैंड की पारी - इंग्लैंड के बल्लेबाज एक बार फिर से भारतीय स्पिनर्स के आगे घुटने टेकते नजर आए। राजकोट की बल्लेबाजों के लिए अच्छी पिच पर एक समय इंग्लैंड 83 रन पर एक विकेट गंवाकर खेल रहा था। लेकिन जैसे ही बटलर का विकेट गिरा भारतीय स्पिनर्स हावी हो गए। वरुण चक्रवर्ती इस दौरान कमाल रहे। उन्होंने 4 ओवर में 24 रन देकर 5 विकेट चटका लिए जिससे इंग्लैंड बड़े स्कोर तक नहीं पहुंच पाया। इंग्लैंड के लिए बेन डकेट ने 51 तो लियाम लिविंगस्टन ने 43 रन बनाए। अंत के ओवरों में आदिल राशिद और मार्क वुड ने टीम का स्कोर 171 तक पहुंचाया।

भारत को 26 रन से हराने के बाद जोस बटलर ने कहा

आदिल रशीद हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण खिलाड़ी है

राजकोट (एजेंसी)। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर का मानना है कि उनकी टी20 टीम में लेग स्पिनर आदिल रशीद सबसे महत्वपूर्ण खिलाड़ी है जिन्होंने भारत के खिलाफ तीसरे मैच में शानदार प्रदर्शन किया। रशीद की शानदार गेंदबाजी से इंग्लैंड ने तीसरा टी20 जीतकर श्रृंखला में वापसी की। उन्होंने चार ओवर में 15 रन देकर एक विकेट चटकाया। चेन्नई में दूसरे टी20 में भी उनका इकॉनॉमी रेट चार रन प्रति ओवर से कम था। भारत को 26 रन से हराने के बाद बटलर ने कहा, 'वह हमारे लिए सबसे अहम खिलाड़ी है और उसके प्रदर्शन में लगातार निखार आ रहा है। उसके पास काफी विविधता है। एक कप्तान के लिए वह ट्रंपकार्ड से कम नहीं है। पिछले दोनों मैचों में उसने शानदार प्रदर्शन किया है। श्रृंखला में अभी भी 1-2 से पीछे होने के बावजूद बटलर ने कहा कि उनकी टीम सही दिशा में जा रही है। उन्होंने कहा, 'मैं अपने खिलाड़ियों के प्रदर्शन से खुश हूं। लिबी (पांच छक्के लगाने वाले लिविंगस्टोन) ने जबरदस्त छक्के लगाए। उसके अलावा रश (रशीद) और वुडी (मार्क वुड) को भी श्रेय जाता है जिन्होंने आखिरी विकेट के लिए 20 रन जोड़े। मुझे पता था कि 170 का स्कोर अच्छा है। उन्होंने कहा, 'हम इसी शैली में आगे खेलते रहेंगे। गेंद और बल्ले दोनों से आक्रामक प्रदर्शन करेंगे।

शीतल देवी के दृढ़ संकल्प से प्रभावित आनंद महिंद्रा

बिना हाथ वाली तीरंदाज को गिफ्ट की एसयूवी

मुंबई (एजेंसी)। भारत की पहली बिना हाथ वाली तीरंदाज शीतल देवी और उनके परिवार से मुलाकात से व्यवसायी आनंद महिंद्रा बहुत प्रभावित हुए। उन्होंने शीतल को महिंद्रा स्कॉर्पियो-एन गिफ्ट की। पिछले साल पेरिस पैरालिंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली शीतल ने अपने दृढ़ संकल्प और कौशल से सभी बाधाओं को पार किया है। पैरों से तीर चलाने की उनकी क्षमता ने उन्हें दुनिया भर में एक प्रेरणादायी शख्सियत बना दिया है।

महिंद्रा ने शीतल के साहस और दृढ़ संकल्प की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने उनकी मां और बहन में भी यही दृढ़ संकल्प देखा है। उनकी असाधारण यात्रा का सम्मान करते हुए उन्होंने उन्हें एसयूवी भेंट की। उद्योगपति ने तीरंदाज को उपहार में तीर देने के लिए आभार भी व्यक्त किया।

महिंद्र ने शीतल की प्रशंसा की - 69 वर्षीय महिंद्रा ने शीतल की प्रशंसा करने के लिए एक्स का सहारा लिया। उन्होंने लिखा, मैं दूर से ही शीतल देवी की प्रतिभा की प्रशंसा करता रहा हूं। उनसे व्यक्तिगत रूप से मिलकर मैं उनके असाधारण दृढ़ संकल्प, दृढ़ता और फोकस से प्रभावित हुआ। उनकी मां और बहन से बात करते हुए यह स्पष्ट था कि यह परिवार में चलता है! उसने मुझे एक तीर भेंट किया, जो एक तीरंदाज के रूप में उसकी पहचान का प्रतीक है, जो किसी भी सीमा से बंधा नहीं है। वास्तव में अमूल्य! शीतल हम सभी के लिए एक प्रेरणा है और मुझे उसे स्कॉर्पियो-एन में देखकर गर्व हो रहा है - एक उपयुक्त घोड़ा क्योंकि वह नई ऊंचाइयों को छू रही है।

शीतल ने किया धन्यवाद - शीतल ने इस उपहार के बाद सोशल मीडिया पर अपनी खुशी साझा की। उन्होंने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, महिंद्र स्कार्पियो एन पाने पर रोमांचित महसूस कर रही हूं। 16 साल की उम्र में जब मुझे पता चला था कि आनंद महिंद्रा मुझे मेरी पसंद की कार गिफ्ट करना चाहते हैं तो यह यकीन करना मुश्किल था- मतलब कुछ भी! एक बार जब वास्तविकता समझ में आई, तो मैंने 18 साल की उम्र में इसे लेने का विकल्प चुना।

अपने 18वें जन्मदिन के बाद मैं आभार व्यक्त करने के लिए महिंद्रा से मिली... सर, आपकी दयालुता और प्रोत्साहन के लिए धन्यवाद। महिंद्रा कार चुनना रोमांचकारी होने के साथ-साथ अभिभूत करने वाला भी था, लेकिन महिंद्रा स्कॉर्पियो एन वह थी जिसने मेरा दिल जीत लिया! यह मेरे गांव की ऊबड़-खाबड़ सड़कों के लिए एकदम सही लगा। कार अद्भुत है! फिर से धन्यवाद, सर! पहली ड्राइव, हम आभार और प्रार्थना करने के लिए कटरा की ओर बढ़े। इस अविश्वसनीय यात्रा के लिए हमेशा आभारी रहूंगी!